@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 25 अप्रैल 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 170 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

राघव चड्ढा भाजपा में शामिल

राघव चड्ढा समेत आआपा के तीन सांसदों का नितिन नवीन ने किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) को शुक्रवार जोर का सियासी झटका लगा है। सांसद राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक एक साथ आप से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल होने का एलान किया है। इस मौके पर राघव चड्ढा ने दावा किया कि किया कि उनके साथ सात सांसद भाजपा में शामिल हो रहे हैं। इससे राज्य सभा में पूरी आप का भाजपा में विलय हो गया है। इसके बाद भाजपा के डीडीयू मार्ग स्थित राष्ट्रीय कार्यालय पहुंचे आप सांसदों का राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने आप सांसदों का स्वागत किया।

'मैंने अपनी जवानी के 15 साल दिए'

शुक्रवार दोपहर आप के तीनों सांसदों ने नई दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में मीडिया से बात की। राघव चड्ढा ने कहा, आप को मैंने अपनी युवावस्था के 15 साल दिए। अब वह अपने सिद्धांतों, मूल्यों और बुनियादी नैतिकताओं से पूरी तरह भटक गई है। अब यह पार्टी देश या राष्ट्रीय हित के लिए काम नहीं कर रही है, बल्कि निजी स्वार्थ के लिए काम कर रही है।

संदीप पाठक की भूमिका भी रही अहम

डॉ. संदीप कुमार पाठक भी 2022 से पंजाब से आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद हैं। इसके साथ ही वह पार्टी में संगठन महासचिव की जिम्मेदारी निभा रहे थे। पंजाब का पिछला विधान सभा चुनाव जिताने में पाठक की भूमिका अहम रही थी। पार्टी उस वक्त उनकी सियासी समझ और संगठनात्मक क्षमता का कायल थी। पंजाब जीत के बाद ही उनको संगठन का महासचिव बनाया गया था। इससे पहले यह जिम्मेदारी आप सांसद संजय सिंह के पास थी। संदीप पाठक ने छत्तीसगढ़ से स्नातकोत्तर की उपाधि लेने के बाद हैदराबाद और पुणे में पढ़ाई की। फिर वह कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गए। वहां से उन्होंने डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की।

चड्ढा का दावा, सात सांसद साथ

राघव चड्ढा ने मीडिया के सामने दावा किया कि दावा किया है कि उनके साथ स्वाति मालीवाल और हरभजन सिंह भी हैं। इतना ही नहीं, बलबीर सिंह सीचेवाल और विक्रमजीत सिंह साहनी भी आप छोड़ रहे हैं। ये सभी पंजाब से सांसद हैं और ऐसे में माना जा रहा है कि इन नेताओं के पार्टी छोड़ने से पंजाब की राजनीति में भूचाल आ सकता है। आने वाले पंजाब विधान सभा चुनाव में इसका असर पड़ना तय माना जा रहा है।

भाजपा के साथ जाने वाले सांसदों ने पंजाब के साथ धोखा कियाः आआपा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) ने राघव चड्ढा के नेतृत्व में राज्यसभा के सात सांसदों के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने को 'ऑपरेशन लॉटस' की संज्ञा देते हुए इसे पंजाब की जनता के साथ धोखा बताया है।आआपा नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में भाजपा पर भय और प्रशासनिक तंत्र का उपयोग कर पार्टी नेताओं को अपने खेमें में शामिल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पंजाब की भगवंत मान सरकार के कामकाज से डरकर भाजपा ने उनकी पार्टी को कमजोर करने की कोशिश की है। संजय सिंह ने एक-एक कर सभी सातों सांसदों का नाम लिया और कहा कि पार्टी ने इन्हें कहां से कहां पहुंचाया और उन्होंने पार्टी और पंजाब के साथ गद्दारी की। उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता इन्हें माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि हाल ही में अशोक मित्तल के यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का छापा पड़ा था। भाजपा ने भय दिखाकर उन्हें अपनी पार्टी में शामिल करा लिया।

भगवंत मान ने भाजपा में जाने वाले राज्य सभा सांसदों को पंजाब का गद्दार बताया

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पार्टी छोड़ने वाले राज्य सभा के सांसदों को पंजाब तथा पंजाबियत का गद्दार करार देते हुए कहा है कि पंजाब की जनता बहुत जल्द उन्हें इस कृत्य का जवाब देगी। आम आदमी पार्टी के सात राज्य सभा सांसदों ने शुक्रवार को दिल्ली में पार्टी छोड़ने का ऐलान किया है। इन सात सांसदों में से छह सांसद पंजाब के हैं। राजनीतिक घटनाक्रम के बाद चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि सात गद्दारों के पार्टी छोड़ने से कोई फर्क नहीं पड़ता है। पार्टी पूरी तरह से मजबूत है।

बिहार विधानसभा में राजग ने साबित किया बहुमत

ध्वनि मत से पारित हुआ विश्वास मत

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा के विशेष सत्र में शुक्रवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने अपना बहुमत साबित कर दिया। सदन में बिना मतदान के ही ध्वनि मत से विश्वास प्रस्ताव पारित हो गया और सम्राट चौधरी सरकार

ने विश्वास मत हासिल कर लिया। राजग के सभी सहयोगी दलों के विधायकों ने बारी-बारी से सरकार के समर्थन का एलान किया, जिसके बाद विश्वास प्रस्ताव आसानी से पारित हो गया। सम्राट चौधरी ने 15 अप्रैल को नीतीश कुमार की जगह बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके साथ जनता दल यूनाइटेड (जदयू) कोटे से विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की थी। विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र के दौरान विश्वास मत प्रस्ताव पर बोलते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री एमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन नेतृत्व, पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राजग के वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री की कुर्सी किसी की बपौती नहीं है। 14 करोड़ जनता के समर्थन और आशीर्वाद से मैं मुख्यमंत्री बना हूं।' उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता किसी एक परिवार या व्यक्ति की जागीर नहीं हो सकती।

केंद्र सरकार ने 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' डॉक्यूमेंट्री की रिलीज पर रोक लगाई

- यह जानकारी शुक्रवार को पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने दी।

एजेंसी

चंडीगढ़। राज्य के सामाजिक ताने-बाने को बनाए रखने और सही एवं जिम्मेदार कंटेंट के प्रसारण को सुनिश्चित करने की दिशा में सक्रिय कदम उठाते हुए भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने जी5 ओटीटी प्लेटफॉर्म को एक एडवाइजरी जारी कर 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' शीर्षक वाली डॉक्यूमेंट्री रिलीज न करने के निर्देश दिए हैं। यह जानकारी शुक्रवार को पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने दी। उन्होंने बताया कि विशेष डीजीपी (साइबर क्राइम) वी. नीरजा ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के समक्ष सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की धारा 69ए(1) के तहत कंटेंट की स्क्रीनिंग पर रोक लगाने का आग्रह किया था। इसमें जन व्यवस्था पर इसके प्रभाव को लेकर गंभीर चिंताओं का हवाला दिया गया था। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि इस डॉक्यूमेंट्री में शामिल नाटकीय चित्रण, वास्तविक जीवन फुटेज और विशिष्ट विवरण संगठित

अपराध तथा खतरनाक अपराधियों को महिमामंडित करने का बड़ा जोखिम पैदा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे चित्रण युवाओं को गुमराह कर सकते हैं और राज्य में कठिन प्रयासों से कायम की गई शांति तथा कानून-व्यवस्था को भंग कर सकते हैं।

जब से बेअदबी विरोधी कानून बना है, भाजपा मुझे कमजोर और खत्म करने की साजिशें रच रही है: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़; 24 अप्रैल: पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भाजपा को एक स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि जब से बेअदबी के खिलाफ सख्त कानून बनाए गए हैं, भाजपा की बेचैनी स्पष्ट दिखाई दे रही है, क्योंकि भाजपा पंजाब की भावनाओं से जुड़े इस मुद्दे पर पंजाब सरकार की निर्णायक कार्रवाई को स्वीकार नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा, जिसे पंजाब ने बार-बार नकारा है, सूबे और आम आदमी पार्टी (आप) के प्रति बदले की भावना और दुश्मनी वाला रवैया अपनाकर डराने-धमकाने, लालच देने और दल-बदल के प्रयासों के जरिए भ्रष्टाचार मुक्त आप सरकार को कमजोर करने की लगातार कोशिश कर रही है। पार्टी छोड़ने वालों और ऐसे कदम उठाने के लिए मजबूर करने वालों की कड़ी निंदा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा कि पंजाब में भाजपा का सियासी आधार नाममात्र का न होने के कारण वह ऐसी घटिया चालें चल रही है, क्योंकि आप सरकार द्वारा स्कूलों, अस्पतालों, सड़कों और रोजगार के मामले में प्रत्यक्ष सुधारों ने भाजपा और अन्य विपक्षी दलों का संतुलन पूरी तरह बिगाड़ दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आप की ताकत आम लोग हैं और सैद्धांतिक मापदंड तथा क्रांतिकारी सोच हमारी पार्टी का आधार है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सूबे के साथ दगा करने वाले लोगों को पंजाब के निवासियों ने सदा जवाब दिया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में

कहा कि ऐसी घटिया चालों से लोकतांत्रिक राज्य पंजाब में राजनीतिक सफलता हासिल नहीं की जा सकती। आज चंडीगढ़ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब के समझदार और स्वाभिमानी लोग उन गद्दारों को कभी माफ नहीं करेंगे, जिन्होंने अपने निजी हितों के लिए उनकी पीठ में छुरा घोंपा। पंजाबी कभी भी विश्वासघात करने वालों को नहीं भूलते और जिन्होंने भी उन्हें धोखा देने की सोची, वे लोग राजनीति से लुप्त हो गए। कमालू, मानशाहिया और अन्य ऐसे कई नेताओं ने जब भी पंजाब के लोगों से धोखा किया, तो लोगों ने उनका ऐसा सफाया किया कि वे आज यादों से भी मिट गए हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि लोकतंत्र में पार्टी सर्वोपरि होती है, न कि वह व्यक्ति जो अपनी मर्जी और फायदे के लिए दल बदलते रहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई नेताओं को तो बिना किसी ठोस योगदान के पद हासिल हुए, लेकिन बाद में उन्होंने अपने निजी फायदों के लिए अपनी मूल पार्टी को धोखा देना चुना। भाजपा का असली नाम कड्डु छड्डु पार्टी है, क्योंकि यह अपनी वॉशिंग मशीन का उपयोग दूसरी पार्टियों के दागी नेताओं को साफ करने के लिए करती है। भाजपा चाहे कितने भी ढंग-तरीकों से कितने भी नेताओं को अपने पाले में ले ले, लेकिन पंजाब विरोधी मानसिकता के कारण पंजाब में उसका कोई आधार नहीं बन सकता। पंजाब को कमजोर करने की योजनाबद्ध कोशिश का पर्दाफाश करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि भाजपा पंजाब की दुश्मन है, जिसने ग्रामीण विकास कोष (आरडीएफ), राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) फंड और अन्य योजनाओं के तहत सूबे के फंडों के हिस्से को रोक रखा है।

शेष पृष्ठ 3 पर

- दमदम और जादवपुर में प्रधानमंत्री ने कहा -

पहले चरण के मतदान ने बंगाल में बदलाव को मजबूत किया है

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दमदम और जादवपुर में दो जनसभाओं को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि पहले चरण के मतदान ने राज्य में परिवर्तन की लहर पर मुहर लगा दी है और भाजपा के पक्ष में स्पष्ट जनसमर्थन दिखाई दे रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लंबे समय से बंगाल में बदलाव की जो लहर दिख रही थी, पहले चरण के मतदान ने उसे मजबूत कर दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के पक्ष में जो समर्थन सामने आया है, उसने विजय का शंखनाद कर दिया है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जिस बंगाल में लोकतंत्र के मंदिर को कुचलने का प्रयास किया गया, उसी बंगाल की जनता ने मतदान के जरिए लोकतंत्र का पुनर्निर्माण किया है। उन्होंने मतदाताओं से दूसरे चरण में इस जनादेश को और मजबूत करने की अपील की। दमदम की सभा में प्रधानमंत्री मोदी ने महिला सुरक्षा को प्रमुख मुद्दा बनाते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस महिला विरोधी पार्टी है, जबकि भाजपा महिला नेतृत्व

वाले विकास मॉडल पर काम करती है। उन्होंने कहा कि बंगाल की हर बेटी को भरोसा दिलाने आए हैं कि भाजपा उनके सपनों को टूटने नहीं देगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद महिलाओं को सशक्त बनाने, रोजगार देने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अनेक योजनाएं लागू की जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं के खिलाफ अन्याय के पुराने मामलों को दोबारा खोला जाएगा और दोषियों पर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी के बंगाल की नई गाथा नारी शक्ति लिखेगी और राज्य की महिलाएं अब बदलाव चाहती हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में आयुष्मान भारत योजना लागू नहीं है, जिसके कारण गरीब और मध्यम वर्ग के लोग मुफ्त इलाज की सुविधा से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर लोगों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ राज्य के लोगों तक पूरी तरह पहुंचाने के लिए डबल इंजन सरकार जरूरी है। उनके अनुसार, जब केंद्र और राज्य की सरकार साथ काम करती हैं तो विकास की गति कई गुना बढ़ जाती है। प्रधानमंत्री ने दमदम की क्षेत्रीय समस्याओं का भी जिक्र किया।

केदारनाथ धाम में आस्था का सैलाब

- 93 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

एजेंसी

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं की आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। यात्रा शुरू होने के बाद अब तक कुल 93,622 तीर्थयात्री बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं, जो आस्था के बढ़ते प्रवाह को दर्शाता है। शुक्रवार को एक ही दिन में 30,370 तीर्थयात्रियों ने बाबा केदार के दर्शन किए। चारधाम यात्रा के लिए 22.61 लाख के अधिक यात्रियों ने पंजीकरण कराया है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार,दर्शन करने वालों में 20,442 पुरुष, 9,797 महिलाएं और 131 बच्चे शामिल रहे। विदेशी श्रद्धालुओं की संख्या इस दिन शून्य रही। यात्रा प्रारंभ होने के बाद से अब तक कुल 93,622 श्रद्धालु केदारनाथ धाम पहुंच चुके हैं, जो यात्रा के प्रति लोगों की आस्था और उत्साह को दर्शाता है। यमुनोत्री धाम और गंगोत्री धाम में शुक्रवार को कुल 64,193 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं।

यमुनोत्री धाम में 31,890 और गंगोत्री धाम 32,303 ने पूजा-अर्चना की। चारधाम यात्रा 2026 के लिए श्रद्धालुओं का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। पर्यटन विभाग की ओर से शुक्रवार शाम जारी बुलेटिन के अनुसार कुल पंजीकरण 22,61,664 तक पहुंच गया है। यमुनोत्री धाम 3,79,376,गंगोत्री धाम के लिए 3,91,206 व केदारनाथ के लिए 7,98,175 बद्रीनाथ 6,67,537 हेमकुंड साहिब के लिए 25,370 यात्रियों ने पंजीकरण कराया है। चारो धामों के लिए सर्वाधिक दो दिनों 25 अप्रैल के लिए 56,469 और 26 अप्रैल के लिए 55,510 के साथ ही कुल 26 अप्रैल के लिए कुल 1,11,979 श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया है। राज्य के विभिन्न फिजिकल केंद्रों पर भी ऑफलाइन पंजीकरण जारी है। एक दिन में कुल 5,676 श्रद्धालुओं ने ऑफलाइन पंजीकरण कराया। प्रशासन के अनुसार बढ़ती भीड़ को देखते हुए धाम और यात्रा मार्ग पर सुरक्षा, स्वास्थ्य और व्यवस्थाओं को मजबूत किया गया है, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम और सुरक्षित दर्शन का अनुभव मिल सके।

आगामी पांच मई को राज्य में भाजपा की सरकार बनने जा रही है : अमित शाह

शाह ने राज्य में कथित 'सिंडिकेट राज' को समाप्त करने का भी वादा किया

एजेंसी

हुगली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में आगामी 29 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण के मतदान से पहले चुनाव प्रचार अभियान तेज हो गया है। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को हुगली जिले के कोन्नगर स्थित आलकाली मैदान में जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन की शुरुआत में अमित शाह ने स्थानीय मंदिरों और महान विचारक ऋषि अरविंदो घोष को नमन करते हुए भाषण की शुरुआत की। उन्होंने दावा किया कि पहले चरण के मतदान में भाजपा को 110 से अधिक सीटें मिलने का अनुमान है और आगामी पांच मई को राज्य में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। अमित शाह ने अवैध घुसपैठ का मुद्दा उठाते हुए कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर राज्य से 'एक-एक घुसपैठिए' को बाहर किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इन्हें अपना वोट बैंक बना रखा है। साथ ही उन्होंने राज्य में कथित 'सिंडिकेट राज' को समाप्त करने का भी वादा किया। महिला सुरक्षा के मुद्दे पर उन्होंने संदेशखाली, आरजीकर, दुर्गापुर और कोलकाता के विभिन्न मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनने पर महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि महिलाएं रात में भी सुरक्षित महसूस कर सकें। उन्होंने यह भी घोषणा की कि राज्य परिवहन की बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। जनसभा में अमित शाह ने कई लोक-कल्याणकारी वादे भी किए। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर हर लड़की को स्नातक (ग्रेजुएशन) की पढ़ाई के लिए 50 हजार की आर्थिक सहायता दी जाएगी और गरीबों को पांच लाख तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया जाएगा।

राम मंदिर के मुद्दे पर उन्होंने कहा-

मुगलों से लेकर ममता बनर्जी तक ने इसका विरोध किया, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मंदिर का निर्माण संभव हो सका। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक भाजपा का एक भी कार्यकर्ता जीवित है, तब तक राज्य में 'बाबरी मस्जिद नहीं बनने दी जाएगी।'

नीतू शर्मा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की नई अंतरिम सीईओ नियुक्त

- 'अब तक इस पद पर स्विट्जरलैंड के नागरिक क्रिस्टोफ शनेलमैन कार्यरत थे'

एजेंसी

नोएडा। लंबे समय से चल रहे प्रबंधन विवाद के बीच नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए सीईओ की नियुक्ति का मामला अटका पड़ा था। आखिरकार शुक्रवार को इंटरनेशल एयरपोर्ट का अंतरिम सीईओ नियुक्त कर दिया गया है। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (यापल) ने नीतू शर्मा को कंपनी का अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त कर दिया है। यमुना विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (यापल) ने शुक्रवार को अहम निर्णय लेते हुए नीतू शर्मा को कंपनी का अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त कर दिया है। अब तक इस पद पर स्विट्जरलैंड के नागरिक क्रिस्टोफ शनेलमैन कार्यरत थे, जिन्हें कंपनी ने नई भूमिका देते हुए एग्जीक्यूटिव वाइस चेयरमैन बना दिया है। उन्होंने

बताया कि एयरपोर्ट के सिक्योरिटी प्रोग्राम को मंजूरी दिलाने में विदेशी सीईओ होना बड़ी बाधा बन रहा था। गृह मंत्रालय ने इसी आधार पर सुरक्षा स्वीकृति देने से इनकार कर दिया था। बताया जा रहा है कि इसी अड़चन को दूर करने के लिए कंपनी ने नेतृत्व में यह बदलाव किया।

उत्तराखंड में तेंदुओं का आतंक, खेत में काम कर रही महिला पर हमला गई जान

-घटना से गुस्साए लोगों ने मजिस्ट्रेट और डीएफओ का घेराव कर किया हंगामा

पौड़ी(एजेंसी)। उत्तराखंड में वन्यजीवों के हमलों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को नैनीताल के ज्योली गांव में महिला की मौत के दूसरे दिन पौड़ी में दो गुलदारों (तेंदुओं) ने हमला कर बुजुर्ग महिला को मौत के घाट उतार दिया।हमला सुबह करीब साढ़े 8 बजे उस समय हुआ जब वह खेत में घास काट रही थीं। घटना से गुस्साए लोगों ने मौके पर पहुंचे संयुक्त मजिस्ट्रेट और प्रभारी डीएफओ गढ़वाल का घेराव कर हंगामा कर दिया। बाद में वन विभाग ने गुलदार को आदमखोर घोषित करने के साथ ही मौके पर 20 सदस्यीय वन कर्मियों की टीम और मशहूर शिकारी को तैनात कर दिया है। प्रदेश में वन्यजीवों के हमले में इस साल अब तक यह 23वीं मौत है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटना ग्राम पंचायत बुढ़ाकोट स्थित बमठी गांव की है। 70 साल सीता देवी खंडूड़ी पर पहले गुलदार ने हमला किया। दराती से वार कर जैसे ही उन्होंने बचने का प्रयास किया, अचानक दूसरा गुलदार भी झपट पड़ा। शोर सुनकर ग्रामीण वहां पहुंचे, लेकिन तब तक गुलदार सीता देवी को झाड़ियों के अंदर ले गया। ग्रामीणों के काफी शोर मचाने पर दोनों गुलदार जंगल में भाग गए। ग्रामीणों ने मौके पर जाकर देखा तो तब तक महिला की मौत हो चुकी थी।

भीषण गर्मी के कारण 18 दिन में इस राज्य के लोग गटक गए अरबों रुपये की बीयर

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। इससे यहां पेय पदार्थों की बिक्री में इजाफा हुआ है। लेकिन, गर्मी भगाने को कर्नाटक के लोग जिस रफ्तार से बीयर पी रहे हैं, उस रफ्तार ने सभी को चौंका दिया है। इस रफ्तार की वजह से राज्य में बीयर की बिक्री के सारे पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त हो गए हैं। महज 18 दिनों के भीतर ही लोग अरबों रुपये की बीयर पी गए हैं। कर्नाटक में इस साल बीयर की मांग में 30 प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जैसे-जैसे गर्मी ने अपना रंग दिखाना शुरू किया, बीयर की दुकानों पर कतारें लंबी हो रही है। दिलचस्प बात यह है कि यह क्रेज सिर्फ बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों तक सीमित नहीं है, राज्य के ग्रामीण इलाकों में भी बीयर की मांग में जबरदस्त इजाफा हुआ है। पिछले साल की तुलना में इस साल बीयर की बिक्री हैरान करने वाली है। इस साल अप्रैल के पहले 18 दिनों (1-18 अप्रैल) में 568.59 करोड़ की बीयर बिकी। जबकि पिछले साल इसी अवधि में 463.42 करोड़ की बियर बिकी। बीयर की बोतलों की गिनती के मुताबिक इस साल महज 18 दिनों में 28.35 लाख केस बीयर बेची जा चुकी है। पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा 21.77 लाख केस था। यानी इस साल लोगों ने पिछले साल के मुकाबले 6.58 लाख केस ज्यादा खाली कर दिए हैं। कर्नाटक सरकार और आबकारी विभाग की झोली में इस साल 105.17 करोड़ ज्यादा आए है।

महिला विरोधी बयान पर घिरे पप्पू यादव ने मांगी माफी

पटना (एजेंसी)। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने राजनीति में महिलाओं के मुद्दे पर दिए गए अपने हालिया विवादास्पद बयान के लिए माफी मांगी। उन्होंने कहा था, 90 प्रतिशत महिलाएं किसी नेता के कमरे में जाए बिना राजनीति नहीं कर सकतीं। पूर्णिया सांसद के बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। कांग्रेस समर्थित निर्दलीय सांसद के बयान की एनडीए नेताओं और बिहार राज्य महिला आयोग ने निंदा की है। इसके बाद बिहार राज्य के कई हिस्सों में सांसद यादव से माफी मांगने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन और रैलियां भी आयोजित की गईं। उन्होंने कहा कि अगर मेरे बयान से राजनीति में शामिल महिलाओं को ठेस पहुंची है, तब मैं उनसे माफी मांगता हूं। लेकिन यह माफी बहनों और बेटियों से है, न कि राजनेताओं से मांगी है। सांसद यादव ने कहा कि उनकी लड़ाई इसतरह के 'गंदे राजनेताओं' के खिलाफ है जिनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के दृश्य प्रमाण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि मैं राजनीति में शामिल महिलाओं पर गिद्धों की नजर नहीं पड़ने दूंगा। यादव ने विवाद के दौरान एनडीए नेताओं द्वारा उनकी पत्नी और बेटी का जिक्र करने पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मैंने किसी की मां या बेटी को गाली नहीं दी, फिर भी मेरी पत्नी और बेटी के बारे में उन लोगों ने टिप्पणियां कीं जिन्हें मैं अपनी बेटियों की तरह मानता हूं और जिनके पिता साथी सांसद हैं।

ईरानी सेना के कब्जे में भारतीय जहाज, श्रीगंगानगर के युवक का 20 दिन से पता नहीं

श्रीगंगानगर (एजेंसी)। राजस्थान के श्रीगंगानगर की पॉश कॉलोनी में इन दिनों सन्नाटा पसरा हुआ है। दरअसल, कॉलोनी निवासी मर्चेंट नेवी के सेकंड ऑफिसर संजय माहर (38) उस कंटेनर शिप पर सवार हैं, जिसे लेकर सूचना मिल रही है कि ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने होर्मुज स्ट्रेट में रोककर अपने कब्जे में ले लिया है। संजय के भाई सुभाष माहर ने बताया कि लाइबेरिया के झंडे वाला यह जहाज, जिसका नाम 'एपामिनोडेस' है, दुबई से रवाना होकर मुंद्रा पोर्ट की ओर आ रहा था। लेकिन होर्मुज स्ट्रेट में प्रवेश की अनुमति नहीं मिलने के कारण जहाज को रोकना पड़ा। तभी ईरानी सेना ने जहाज की घेराबंदी कर ली। परिजनों के अनुसार, करीब 30 घंटे पहले जब जहाज ने आगे बढ़ने का प्रयास किया, तब ईरान की ओर से फायरिंग की गई। गोलियों की आवाज सुनते ही संजय सहित सभी क्रू मेंबर्स जहाज के भीतर सुरक्षित केबिनों में छिप गए। संजय ने संपर्क टूटने से पहले एक वीडियो भी भेजा था, जिसमें जहाज के अंदर का तनावपूर्ण माहौल साफ दिख रहा है। जहाज पर कुल 21 क्रू मेंबर सवार हैं, जिसमें भारत के अलावा फिलीपींस, यूक्रेन और श्रीलंका के नागरिक शामिल हैं। फिलहाल इलाके में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं, जिससे संजय का अपने परिवार से संपर्क पूरी तरह कट गया है। संजय शादीशुदा हैं और उनके छोटे बच्चे हैं, जो अपने पिता की सलामती की दुआ कर रहे हैं। इस संकट पर स्थानीय विधायक जयदीप बिहाणी ने मामले की गंभीरता को देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा है। विधायक ने भारत सरकार से अपील की है कि ईरान सरकार के साथ कूटनीतिक संवाद स्थापित कर सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जाए।

आज भारत एक आधुनिक, प्रगतिशील और तेजी से विकास कर रही अर्थव्यवस्था है

-होसबोले ने अमेरिका में आरएसएस को लेकर फैली गलतफहमियों का किया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दत्तात्रेय होसबोले ने अमेरिका में आरएसएस को लेकर फैली गलतफहमियों का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि भारत अब एक टेक हब बन चुका है। इसका परिणाम है कि दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। एक कार्यक्रम में होसबोले ने कहा कि अमेरिका और पश्चिमी देशों में भारत की एक पुरानी छवि बनी हुई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह धारणा पूरी तरह गलत है। आज भारत एक आधुनिक, प्रगतिशील और तेजी से विकास कर रही अर्थव्यवस्था है। होसबोले ने कहा कि आरएसएस का उद्देश्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाना और राष्ट्र को एकजुट बनाए रखना है। संगठन की एक्टिविटी जमीनी स्तर पर समाज को मजबूत करने और लोगों को जोड़ने का काम कर रही हैं।

होसबोले ने कहा कि आरएसएस अमेरिका के श्?वेत वर्चस्ववादी संगठन 'कु क्लक्स क्लान' का भारतीय संस्करण नहीं है। आरएसएस एक स्वैच्छिक जन आंदोलन है, जो भारत की प्राचीन सभ्यता और सांस्कृतिक मूल्यों से प्रेरित है। इसका मुख्य उद्देश्य अच्छा चरित्र, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी वाले स्वयंसेवक तैयार करना है। उन्होंने बताया कि आरएसएस देशभर में रोजाना और साप्ताहिक शाखाओं का आयोजन करता है। इन शाखाओं के जरिए स्वयंसेवकों में राष्ट्रहित, सामाजिक एकता और सेवा भावना विकसित की जाती है।

होसबोले ने कहा कि शाखाओं का उद्देश्य केवल वैचारिक प्रशिक्षण नहीं, बल्कि 'मानव सामाजिक पूंजी' का निर्माण करना है। आरएसएस सरकार्यवाह ने यह भी कहा कि संगठन हिंदू पहचान और भारतीय संस्कृति को मजबूत करने के साथ ही पूरे समाज के विकास पर काम करता है। उन्होंने अल्पसंख्यकों और हिंदू पहचान को लेकर पश्चिमी दुनिया में फैली भ्रांतियों को भी दूर करने की कोशिश की। यह कार्यक्रम वाल्टर रसेल मीड के साथ एक सत्र में हुआ, जिसमें होसबोले ने आरएसएस के जमीनी कार्यों और राष्ट्र निर्माण में उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने बताया कि आरएसएस के स्वयंसेवक आपदा के दौरान राहत और बचाव के कामों में आगे रहते हैं। बाढ़, भूकंप या अन्य संकट के समय संगठन के कार्यकर्ता बिना किसी भेदभाव के लोगों की मदद करते हैं। इसके अलावा स्वयंसेवकों ने देशभर में करीब 40 सिविल इंस्टीट्यूशन बनाए हैं, जो शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक डेवलपमेंट के लिए बेहतर काम कर रहे हैं।

आर्थिक संकट से जूझ रहे मालदीव के लिए भारत ने की मदद, 30 अरब की पहली किश्त जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संकट की घड़ी में भारत ने एक बार फिर पड़ोसी प्रथम की नीति को दोहराते हुए मालदीव को बड़ी वित्तीय सहायता प्रदान की है। गंभीर आर्थिक तंगी और विदेशी मुद्रा भंडार की कमी का सामना कर रहे मालदीव को राहत देने के लिए भारत सरकार ने 30 अरब रुपये की पहली किश्त जारी करने को मंजूरी दे दी है। यह महत्वपूर्ण वित्तीय मदद भारतीय रिजर्व बैंक और मालदीव सरकार के बीच हुए सार्क करेंसी स्वैप फ्रेमवर्क के तहत दी जा रही है। माले स्थित भारतीय उच्चायोग ने इस कदम की पुष्टि करते हुए कहा है कि यह सहायता मालदीव की वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने और वहां की अर्थव्यवस्था को तत्काल सहारा देने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस सहायता की पृष्ठभूमि अक्टूबर 2024 में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की भारत यात्रा के दौरान तैयार हुई थी। उसी दौरे पर दोनों देशों के बीच करेंसी स्वैप समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। मालदीव पहले भी इसी फ्रेमवर्क के तहत लगभग 400 मिलियन डॉलर की राशि का उपयोग अपनी जरूरतों के लिए कर चुका है। वर्तमान में मालदीव की अर्थव्यवस्था कई मोर्चों पर चुनौतियों से घिरी हुई है। विदेशी मुद्रा भंडार के तेजी से घटने और बढ़ते अंतरराष्ट्रीय कर्ज के बोझ के कारण देश के सामने भुगतान संतुलन का संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में भारत द्वारा दी गई यह किश्त न केवल तात्कालिक राहत प्रदान करेगी, बल्कि मुइज्जु सरकार को अपनी भविष्य की आर्थिक योजनाओं को व्यवस्थित करने का समय भी देगी। भारत लंबे समय से मालदीव के लिए एक भरोसेमंद और फर्स्ट रिस्पॉन्डर साझेदार रहा है। साल 2012 में सार्क करेंसी स्वैप फ्रेमवर्क की शुरुआत के बाद से भारत अब तक मालदीव को 1.1 अरब डॉलर से अधिक की वित्तीय सहायता मुहैया करा चुका है। इससे पहले भारत ने मालदीव के अनुरोध पर 100 मिलियन डॉलर के ट्रेजरी बिल्स को भी रोलओवर किया था, जिससे वहां की सरकार पर से तत्काल वित्तीय दबाव कम हुआ था।

बंपर वोटिंग पर केजरीवाल का तंज, मोदी जी की एसआईआर प्रक्रिया उन्हीं के खिलाफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के खिलाफ राजनीतिक प्रतिक्रिया पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य में रिकॉर्ड मतदान के बाद मोदी जी की एसआईआर प्रक्रिया उन्हीं के खिलाफ जा रही है। केजरीवाल ने पोस्ट कर लिखा कि बंगाल में यह बात सामने आ रही है कि लोग एसआईआर के खिलाफ मजबूती से वोट डाल रहे हैं।

उनकी यह टिप्पणी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा यह घोषणा करने के कुछ ही समय बाद आई कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में स्वतंत्रता के बाद से अब तक का सबसे अधिक मतदान हुआ है, क्योंकि मतदान शाम 6 बजे समाप्त हुआ। मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद से बंगाल और तमिलनाडु में अब तक का सबसे अधिक मतदान प्रतिशत रहा है। चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के प्रत्येक मतदाता को सलाम करता है।

चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बंगाल में प्रथम चरण में तमिलनाडु के 84.80 प्रतिशत की तुलना में 91.91 प्रतिशत का उल्लेखनीय रूप से उच्च मतदान दर्ज किया गया। उच्च मतदान सभी निर्वाचन क्षेत्रों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी को दिखाता है। पश्चिम बंगाल के कई जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ, जिसमें दक्षिण दिनाजपुर में सबसे अधिक 94.85 प्रतिशत, उसके बाद कूच बिहार में 94.54 प्रतिशत, बीरभूम में 93.70 प्रतिशत, जलपाईगुड़ी में 93.23 प्रतिशत और मुर्शिदाबाद में 92.93 प्रतिशत मतदान हुआ। सभी प्रमुख क्षेत्रों में 90 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ।

ताजी हवा का आनंद लेने नहीं... शीर्ष नेताओं से मुलाकात करने दिल्ली आया : शिवकुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने अपने हालिया नई दिल्ली दौरे को लेकर स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य केवल ÷ताजी हवा का आनंद लेना÷ नहीं, बल्कि शीर्ष कांग्रेस नेताओं से मुलाकात करना था। राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर चल रहे असंतोष के बीच उनकी यात्रा राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हालांकि, उन्होंने यह बताने से इंकार किया कि उन्होंने दिल्ली में कांग्रेस के किन-किन नेताओं से मुलाकात की। डिप्टी सीएम डीके ने कहा कि वह पार्टी के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं और विभिन्न राज्यों में चुनाव प्रचार के बाद वहां के हालात की जानकारी पार्टी नेतृत्व को देना उनका कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि उन्होंने तमिलनाडु, केरल और असम में चुनाव प्रचार किया था और अब उन अनुभवों को शीर्ष नेताओं से साझा करना जरूरी है। साथ ही, कर्नाटक में चुनाव प्रबंधन उनकी जिम्मेदारी का हिस्सा है, जिसे वे पूरी गंभीरता से निभाएंगे। कर्नाटक राज्य में संभावित राजनीतिक बदलावों और मंत्रिमंडल फेरबदल से जुड़े सवालों पर उन्होंने कोई टिप्पणी करने से इंकार किया। उन्होंने कहा कि जिम्मेदारी वाले पद पर रहते हुए इस तरह के मुद्दों पर सार्वजनिक चर्चा करना उचित नहीं है। मुस्लिम समुदाय में कथित असंतोष और उससे जुड़ी बैठकों पर उन्होंने कहा कि पार्टी स्तर पर कुछ जानकारी मिली है और सभी को मिलकर काम करने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री के करीबी मंत्रियों की बैठकों की खबरों से उन्होंने अनभिज्ञता जताकर कहा कि उन्हें नहीं पता कि कौन किसके करीब है। वहीं, दिल्ली की संभावित आगे की यात्राओं पर उन्होंने ÷इंतजार और देखिए÷ का रुख अपनाया। दिल्ली दौरे के दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्रियों से बेंगलुरु से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की योजना की बनाई है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उन्हें मुलाकात के लिए समय दिया है। मुस्लिम नेताओं के निलंबन के मुद्दे पर उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी को निलंबित नहीं किया गया, बल्कि संबंधित नेताओं ने स्वयं इस्तीफा दिया है।

यूपी में अगले तीन दिन और भीषण पड़ेगी गर्मी, 32 जिलों को मौसम विभाग ने घोषित किया रेड अलर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश इस समय भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। सूबे में तापमान लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। राजधानी लखनऊ से लेकर बुंदेलखंड और पूर्वांचल तक आसमान से आग बरस रही है। स्थिति यह है कि दिन के साथ रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिल रही। दिन के समय तो सड़कों पर सन्नाटा छाया रहता है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में हालात और गंभीर होने की चेतावनी दी है, हालांकि 26 अप्रैल के बाद कुछ राहत के संकेत भी दिए गए हैं। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को इस सीजन का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 4 डिग्री अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान 25.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जिससे रात में भी गर्मी का असर बना रहा। उधर, पूरे उत्तर प्रदेश में गर्मी का प्रकोप चरम पर है।

चुनाव आयोग पर भड़का हाईकोर्ट कहा- पश्चिम बंगाल में आप सत्ता का दुरुपयोग कर रहे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्ता को लेकर राजनैतिक दलों में भारी घमासान मचा हुआ है। इसी घमासान के बीच गुरुवार को पहले चरण का मतदान रिकॉर्ड वोटिंग के साथ संपन्न हुआ। तभी चुनाव आयोग की चिंता बढ़ाने वाली कलकत्ता हाईकोर्ट की एक टिप्पणी आ गई। हाईकोर्ट ने वोटिंग के दिन मोटरसाइकिलों पर लगाई गई पाबंदियों को लेकर कड़ी टिप्पणी की है। जस्टिस कृष्णा राव ने आयोग से कहा, आप अपनी सत्ता का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। इस तरह से नागरिकों को परेशान किया जा रहा है। ये हाईकोर्ट की काफी गंभीर टिप्पणी मानी जा रही है।

जस्टिस राव ने आयोग से आगे कहा, आम नागरिकों के अधिकारों को इस तरह से कम नहीं किया जा सकता है। अगर यही तर्क है तो आपको कारों पर भी रोक लगा देनी चाहिए। आखिर लोग कारों का इस्तेमाल बम और बंदूकें ले जाने और दंगा भड़काने के लिए भी तो कर सकते हैं! उन्होंने आगे कहा, कोर्ट को दिखाएं कि पिछले पांच सालों में ऐसी कितनी घटनाएं हुई हैं जिनमें मोटरसाइकिल पर सवार गुटों ने हिंसा भड़काई हो? यह एक बहुत बड़ा कदम है। असल में चुनाव से दो दिन पहले ही सब कुछ ठप कर देता है। मैं फिर दोहराता हूं कि यह सब सिर्फ अधिकारियों की नाकामियों को छिपाने के लिए किया जा रहा है। जज की इन टिप्पणियों के बाद चुनाव आयोग कोर्ट में एक हलफनामा पेश करेगा। इस हलफनामे में आयोग चुनाव से दो दिन पहले ये पाबंदियां लगाने के पीछे का कारण बताएगा। आयोग कोर्ट को उन पिछली घटनाओं के बारे में भी बता सकता है जिनमें मोटरसाइकिलों का गलत इस्तेमाल हुआ था।

चुनाव आयोग ने यह भी साफ किया कि ये पाबंदियां इमरजेंसी मेडिकल जरूरतें, परिवार से जुड़े मामले या बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने के मामलों में लागू नहीं होंगी। जो लोग सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए मोटरसाइकिल से जा रहे हैं तो उन्हें भी छूट दी गई है। ये नियम रेपिडो जैसी ऐप-आधारित सेवाओं पर लागू नहीं होंगे। इसके पहले आयोग ने एक नोटिफिकेशन जारी किया था, जिसमें कहा गया कि चुनाव से दो दिन पहले से कोई भी मोटरसाइकिल रैली निकालने की इजाजत नहीं होगी। नोटिफिकेशन में साफ किया गया कि चुनाव से पहले के दो दिनों में सुबह 6:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक मोटरसाइकिल चलाई जा सकती है; लेकिन इस दौरान पीछे किसी सवारी को बिठाना पूरी तरह से मना होगा। चुनाव वाले दिन भी सुबह 6:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक मोटरसाइकिल चलाई जा सकती है, लेकिन यह छूट तभी मिलेगी जब चालक वोट डालने या किसी इमरजेंसी काम से जा रहा हो।

जयपुर विधानसभा सचिवालय को मिली बम से उड़ाने की धमकी, परिसर कराया खाली

-शहर में आईपीएल मैच को लेकर चल रही थी मार्कड्रिल, सुरक्षा एजेंसियों में हलचल

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में उस समय हड़कंप मच गया जब विधानसभा सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह धमकी ऐसे समय पर मिली है जब शहर में आईपीएल मैच को लेकर पहले से ही सुरक्षा व्यवस्था कड़ी है। जानकारी के मुताबिक विधानसभा सचिवालय को संदिग्ध मैसेज के जरिए बम धमाके की सूचना मिली थी, जैसे ही यह सूचना अधिकारियों तक पहुंची, तुरंत सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया। सचिवालय परिसर में मौजूद कर्मचारियों को तुरंत बाहर निकाला गया और पूरे इलाके को खाली करा दिया गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सूचना मिलते ही एटीएस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंचे। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे विधानसभा परिसर को अपने घेरे में लेकर सघन तलाशी अभियान शुरू किया। हर आने-जाने वाले और संदिग्ध वस्तु की बारीकी से जांच की गई। बताया जा रहा है कि उसी समय सवाई मानसिंह स्टेडियम में आईपीएल मैच से पहले सुरक्षा को लेकर मॉक ड्रिल चल रही थी। इसी दौरान अचानक बम की सूचना मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हलचल बढ़ गई और मॉक ड्रिल को बीच में ही रोककर वास्तविक अलर्ट मोड में काम शुरू कर दिया गया।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक धमकी को गंभीरता से लेते हुए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। शहर के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है, खासकर उन स्थानों पर जहां आईपीएल मैच को लेकर भीड़ जुटने की संभावना है। फिलहाल विधानसभा परिसर में तलाशी अभियान जारी है और अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु बरामद होने की सूचना नहीं है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि धमकी भरा संदेश कहां से भेजा गया और इसके पीछे किसका हाथ हो सकता है।

अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की धमकियों को हल्के में नहीं लिया जा सकता, इसलिए पूरी सतर्कता के साथ जांच की जा रही है, साथ ही आम जनता से अपील की गई है कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। इस घटना के बाद जयपुर में सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

केरल में गर्मी के चलते सीएम ने किया सेल्फ-लॉकडाउन का ऐलान

-सुबह 11 से 3 बजे के बीच बाहर न निकलें, भरपूर मात्रा में साफ पानी पिएं

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के कई इलाकों में लू की चेतावनी के मद्देनजर सीएम पिनाराई विजयन ने सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच सेल्फ-लॉकडाउन यानी खुद के द्वारा लगाया गया लॉकडाउन का आह्वान किया है। आईएमडी ने आधिकारिक तौर पर पालक्काड, कोल्लम और त्रिशूर जिलों में लू की चेतावनी जारी की है, क्योंकि राज्य में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया है। वातावरण में उच्च आर्द्रता के कारण अन्य जिलों में भी गर्मी का प्रकोप बहुत ज्यादा है। ऐसी स्थिति में हम सभी को अत्यंत सतर्क रहने की जरुरी है। बढ़ती गर्मी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं और यहां तक कि मृत्यु का कारण भी बन सकती है। इसलिए, सभी को निम्नलिखित सुरक्षा निर्देशों का कड़ाई से पालन करना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच बाहर न निकलें। इस समय के दौरान सीधे धूप के संपर्क में आने से बचें। इसे कोविड काल की तरह ही सेल्फ-लॉकडाउन का समय मानें और अनावश्यक यात्रा और बाहरी कामों से बचें। घर के अंदर और कार्यस्थल पर हवा के उचित वेंटिलेशन को सुनिश्चित करें। प्यास न लगने पर भी भरपूर मात्रा में साफ पानी पिएं। ऐसे पेय पदार्थों से बचें जिनसे शरीर में पानी की कमी होती हो। पौष्टिक भोजन करना सुनिश्चित करें।

गर्मी के बचने के लिए हल्के रंग के ढीले-ढाले सूती कपड़े पहनें। बाहर निकलते समय छाता, जूते-चप्पल और धूप का चश्मा जरुर पहनें। बुजुर्ग, बच्चे, गर्भवती महिलाएं, स्तनपान कराने वाली माताएं, हृदय रोग, मधुमेह, कैंसर, त्वचा रोग जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोग और एल्बिनिज्म से पीड़ित लोगों को इस समय बाहर निकलने से बचना चाहिए। सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच खुले स्थानों पर सार्वजनिक सभाओं और खेल आयोजनों की अनुमति नहीं है। त्योहारों में दिन के समय होने वाली परेड, हाथियों की परेड और आतिशबाजी से बचना चाहिए या उनका समय बदलना चाहिए। आग लगने की आशंका के प्रति विशेष सावधानी बरती जानी चाहिए।

पालतू जानवरों और आवारा पशुओं के लिए पीने के पानी और छाया की व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्हें दिन के समय चरने के लिए बाहर न जाने दें। चूंकि अत्यधिक गर्मी में जानवर बेचैन हो सकते हैं, इसलिए जंगली जानवरों और आवारा कुत्तों के हमले की आशंका के प्रति भी सावधानी बरती जानी चाहिए। श्रम विभाग ने दिन के समय बाहरी कामों से बचने के लिए काम के घंटों को पुनर्व्यवस्थित किया है। इसका कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। दिन के समय होने वाले रोजगार सुरक्षा संबंधी कार्यों को पूरी तरह से रोक दिया गया है।

ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के लिए पीने के पानी और छाया की व्यवस्था सुनिश्चित करने और उनकी वर्दी में ढील देने के निर्देश जारी किए गए हैं। लू से निपटने के लिए अस्पतालों और एम्बुलेंस में, जिनमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी शामिल हैं, प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की गई है। स्थानीय निकायों, कुटुम्बश्री, स्वयंसेवी संगठनों और व्यापारियों को यात्रियों और आम जनता के लिए पीने का पानी और छाया उपलब्ध कराने के लिए आगे आना चाहिए। यदि आपको थकान महसूस हो या लू के लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत चिकित्सकीय सहायता लें। यदि आप किसी अन्य व्यक्ति को परेशानी में देखें, तो उसे तुरंत छाया में ले जाएं, उसके शरीर को ठंडा करने का प्रयास करें और चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराएं।

बेरोजगारी का असर घर तक... माता-पिता की मानसिक सेहत पर गहरा प्रभाव

नई दिल्ली। देश में बढ़ती बेरोजगारी अब केवल युवाओं तक सीमित समस्या नहीं रह गई है, बल्कि इसका असर परिवार के बुजुर्गों की मानसिक सेहत पर भी साफ दिखाई देने लगा है। यह अध्ययन अंतरराष्ट्रीय जर्नल एसएसएम पॉपुलेशन हेल्थ जनसंख्या स्वास्थ्य में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन में सामने आया है कि जिन माता-पिता के बच्चे बेरोजगार हैं, उनमें अवसाद (डिप्रेशन) का खतरा अधिक होता है। अध्ययन में 45 वर्ष और उससे अधिक उम्र के 73,000 से ज्यादा भारतीयों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। निष्कर्षों के अनुसार, यदि परिवार में कम से कम एक वयस्क संतान बेरोजगार है, तो माता-पिता में डिप्रेशन का जोखिम लगभग 12 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के मनोचिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डॉ. राजेश सागर के अनुसार, भारतीय समाज में पारिवारिक रिश्ते बेहद गहरे होते हैं। माता-पिता अपने बच्चों की सफलता और असफलता को व्यक्तिगत रूप से लेते हैं। ऐसे में जब बच्चा बेरोजगार होता है, तो वे खुद को असफल मानने लगते हैं, जिससे मानसिक तनाव बढ़ता है। शोध में यह भी पाया गया कि बेरोजगार बेटों के मामले में यह प्रभाव अधिक गहरा होता है, खासकर तब जब वह परिवार का बड़ा बेटा हो। सामाजिक अपेक्षाओं के कारण माता-पिता पर भावनात्मक दबाव बढ़ जाता है। डॉक्टरों के अनुसार, यह तनाव हमेशा स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देता। इसके लक्षणों में लगातार उदासी, चिड़चिड़ापन, थकान, नींद की कमी, भूख में बदलाव, सिरदर्द और शरीर में दर्द शामिल हो सकते हैं। कई बार शर्मिंदगी और आत्मग्लानि के कारण लोग सामाजिक दूरी भी बना लेते हैं। हालांकि, अध्ययन में एक सकारात्मक पहलू भी सामने आया है। जिन लोगों के सामाजिक संबंध मजबूत होते हैं—जैसे दोस्तों, रिश्तेदारों और समुदाय के साथ जुड़ाव—उनमें डिप्रेशन का खतरा कम पाया गया। यह दर्शाता है कि सामाजिक सहभागिता मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

जब से बेअदबी विरोधी कानून बना है, भाजपा मुझे कमजोर और खत्म करने की साजिशें रच रही है: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

जिससे सूबे के विकास कार्यों में बाधा पैदा हो रही है। पंजाब में कोई आधार न होने के कारण, भाजपा केंद्रीय एजेंसियों के उपयोग के जरिए हमारी पार्टी को तोड़ने की कोशिश कर रही है। पंजाब और पंजाबी ऐसी घटिया चालों का कड़ा विरोध करेंगे और गद्दारों को अच्छी तरह सबक सिखाएंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश भर में भाजपा की राजनीतिक रणनीति क्षेत्रीय पार्टियों को कमजोर करने की रही है। भाजपा सिर्फ दूसरी पार्टियों को तोड़ना जानती है, क्योंकि इसके पास भरोसेमंद नेतृत्व की कमी है। उन्होंने ममता बनर्जी की पार्टी को तोड़ने की कोशिश की, उद्धव ठाकरे की पार्टी में फूट डाली और शरद पवार की पार्टी का भी यही हाल किया। नवीन पटनायक, दुष्यंत चौटाला और नीतीश कुमार जैसे नेताओं को भी इसी तरह की चालों से निशाना बनाया गया। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने व्यंग्य करते हुए कहा कि राज्यसभा सदस्य, जो अब अपने निजी हितों के कारण आप में घुटन महसूस कर रहा है, ने कोठी नंबर 50 में सत्ता का आनंद लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा पहले दिन से ही आम आदमी पार्टी के पंजाब-पक्षधर और लोक-पक्षधर रुख के कारण उसे नुकसान पहुंचाने पर तुली हुई है। हमारे सदस्यों को खरीदने के लिए ऑपरेशन कमल शुरू किया गया था। भाजपा, जिसका पंजाब में कोई आधार नहीं है, ने दागी नेताओं को क्लीन चिट देने के लिए यहां अपनी वॉशिंग मशीन का उपयोग शुरू कर दिया है। पंजाब सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, भाजपा और उसके समर्थक यह हजम नहीं कर पा रहे कि हमारी सरकार ने 90 फीसदी घरों को मुफ्त बिजली कैसे प्रदान की है, भ्रष्टाचार के बिना 65,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां कैसे दी गईं, सड़कों में सुधार किया गया, टोल प्लाजा बंद किए, जिससे रोजाना 70 लाख रुपये की बचत हुई है और बुनियादी ढांचे को अपग्रेड किया गया है। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत सभी 65 लाख परिवारों को स्वास्थ्य कार्ड जारी किए जा रहे हैं, जिसमें प्रत्येक को 10 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलता है, जिसमें 30 लाख से अधिक लाभार्थी पहले ही शामिल हैं। उन्होंने कहा, पहली बार धान के सीजन के दौरान खेतों के ट्यूबवेलों को दिन में आठ घंटे से अधिक निर्बाध बिजली आपूर्ति की गई थी। उन्होंने आगे कहा कि किसानों को अब सिंचाई के लिए दिन में बिजली मिल रही है। उन्होंने कहा, सरकारी खजाने के एक-एक पैसे का उपयोग लोगों की भलाई के लिए समझदारी से किया जा रहा है। मांवा-धियां सत्कार योजना के तहत महिलाओं को प्रति माह 1000 और 18 साल से अधिक उम्र की अनुसूचित जाति की महिलाओं को 1500 रुपये दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि पंजाब सरकार ने सूबे भर में 43,000 किलोमीटर लिंक सड़कों की मरम्मत और अपग्रेडेशन के लिए विशाल प्रोग्राम शुरू किया है। उन्होंने आगे कहा, हमने जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) विधेयक, 2026 भी पारित किया है, जिससे बेअदबी के लिए सख्त सजा सुनिश्चित की गई है। यह दोहराते हुए कि भाजपा पंजाब की तरक्की से बेचैन है, उन्होंने कहा, भाजपा पंजाब की खुशहाली से नाखुश है और गहरी साजिशें रच रही है। पंजाबी आप के साथ डटकर खड़े हैं और ये सात नेता पूरी पार्टी का प्रतिनिधित्व नहीं करते। उनका असली चेहरा बेनकाब हो गया है। उन्होंने कहा, कैप्टन भाजपा में अलग-थलग महसूस कर रहे हैं और सुखपाल खैरा जैसे अन्य लोगों का भी यही हाल हुआ है। पार्टी के वैचारिक आधार का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, यह पार्टी खून-पसीने और कुर्बानी से बनी है। अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और मैंने लोगों की सेवा करने के लिए अपना करियर छोड़ दिया। उन्होंने जोर देकर कहा, मैं भाजपा को चुनौती देता हूं कि वह मुझे खरीदने, परेशान करने या डराने की कोशिश करे। उन्होंने कहा कि न तो भाजपा और न ही इसकी केंद्रीय एजेंसियों के पास ऐसा करने की हिम्मत है। इन नेताओं को पंजाब की सेवा करने के लिए महत्वपूर्ण पद दिए गए थे, लेकिन उन्होंने अपने पदों और जिम्मेदारियों से समझौता किया। चाहे विज्ञान और प्रौद्योगिकी में बहुत प्रगति हुई है, लेकिन किसी के दिल में क्या है, यह कोई भी मशीन नहीं पढ़ सकती। पंजाबियों ने उन्हें अपनी इच्छाओं का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना था, लेकिन उन्होंने निजी हितों के लिए लोगों के साथ धोखा किया। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जोर देते हुए कहा कि आप राष्ट्रीय छवि वाली पार्टी है और यह किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा, इस दल-बदल के बाद, पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) भविष्य का रास्ता तय करेगी, जिसमें अनुशासनात्मक कार्रवाई भी शामिल है। हमारा विधायक दल पंजाब की तरक्की के लिए एकजुट और प्रतिबद्ध है। अंत में उन्होंने कहा, भाजपा को याद रखना चाहिए कि उसकी चालें पंजाब में सफल नहीं होंगी। पंजाबी इस धोखेबाजी के लिए सबक सिखाएंगे। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, भाजपा हमेशा पंजाब विरोधी रही है। जब से बेअदबी के खिलाफ सख्त कानून पारित किए गए हैं, भाजपा के अंदर बेचैनी दिखाई दे रही है और वे इसे बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। पंजाब में बार-बार हार का सामना करने के बाद भाजपा ने लगातार पंजाब और आम आदमी पार्टी के प्रति दुश्मनी रखी है। हम पार्टी छोड़ने वालों और उन्हें शामिल करने वालों दोनों की कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने कहा, पंजाब की पवित्र धरती से मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि आप आम लोगों की पार्टी है और लोग हमारी असली ताकत हैं। पंजाब के लोग उन्हें जरूर सबक सिखाएंगे, जिन्होंने सूबे के साथ विश्वासघात किया है। ऐसी चालें उन्हें पंजाब जीतने में मदद नहीं करेंगी। लोकतंत्र में, लोग सर्वोपरि होते हैं और आम लोग हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने अंत में कहा कि आप एक क्रांतिकारी विचारधारा वाली पार्टी है, जो एकजुट है और सच्चाई के

करुणा प्रेम और सह-अस्तित्व का सजीव उत्सव-मानव एकता दिवस

दिल्ली, 24 अप्रैल। जब हृदय में करुणा, प्रेम और एकत्व की दिव्य चेतना जागृत होती है, तब मानव अपने सीमित स्वार्थों से ऊपर उठकर सम्पूर्ण सृष्टि के कल्याण का सशक्त माध्यम बन जाता है। परोपकार, करुणा और के सान्निध्य में दिल्ली के ग्राउंड नं. 8 में आयोजित हुआ। इसके साथ ही समूचे देश की हजारों सत्संग केंद्रो पर श्रद्धा और समर्पण भाव से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। यह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि प्रेम, सद्भाव और निष्काम सेवा का

परमार्थ जैसे अलौकिक मूल्यों से प्रकाशमान यह पावन अवसर उस दिव्य अनुभूति का प्रतीक बना, जहाँ मानव को मानव हो प्यारा, एक-दूजे का बने सहारा का संदेश केवल शब्दों तक सीमित न रहकर हृदयों में जीवंत हुआ। 'मानव एकता दिवस' 24 अप्रैल को, बाबा गुरबचन सिंह जी की दिव्य स्मृति में, सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता जी जीवंत स्वरूप बनकर उभरा। संत निरंकारी मण्डल के सचिव आदरणीय श्री जोगिन्दर सुखीजा ने जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली स्थित निरंकारी सरोवर के सम्मुख ग्राउंड नं. 2 में आयोजित मुख्य रक्तदान शिविर श्रद्धा, सेवा और मानवता का अनुपम संगम बना। यहाँ निरंकारी श्रद्धालुओं ने प्रेम, विनम्रता और समर्पण भाव से लगभग 850 युनिट रक्तदान कर मानवता के प्रति अपनी निष्ठा, संवेदनशीलता और करुणा का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त समूचे भारतवर्ष के लगभग 212 स्थानों पर रक्तदान शिविरों का सफल आयोजन किया गया; जिससे लगभग 40,000 यूनिट रक्त संकलित किया गया, जो निष्काम सेवा, परोपकार और मानवता के प्रति समर्पण की जीवंत अभिव्यक्ति बनकर उभरा। मानवता की सेवा के इस पुनीत अवसर पर निरंकारी राजपिता जी ने रक्तदान कर युवाओं के लिए प्रेरणादायक मिसाल पेश की। युगप्रवर्तक बाबा गुरबचन सिंह जी की स्मृति में यह दिवस वर्षभर चलने वाली सेवा-सरिता का शुभारंभ है, जिसके अंतर्गत देशभर में लगभग 705 स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे, जो करुणा और एकत्व की भावना को निरंतर सुदृ? करेंगे। उल्लेखनीय है कि रक्तदान की यह पावन परंपरा पिछले चार दशकों से निरंतर जारी है। अब तक 9,174 रक्तदान शिविरों के माध्यम से लगभग 15,00,230 यूनिट रक्त संकलित किया जा चुका है, जो मानव सेवा के प्रति निरंकारी मिशन की अटूट प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है। इस अवसर पर मानवता को संबोधित करते हुए सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने फरमाया कि बाबा हरदेव सिंह जी ने बाबा गुरबचन सिंह जी के जीवन को अपनी प्रेरणा का आधार बनाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य मानवता की सेवा करना है। माता जी ने आगे कहा कि भक्तों के जीवन से हमें यह अमूल्य प्रेरणा मिलती है कि यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में मानवता को सर्वोपरि स्थान दे, तो समाज का कल्याण स्वतः संभव है। जब हम एक-दूसरे के लिए उपयोगी बनने का भाव अपनाते हैं, तभी सच्ची सेवा का अर्थ समझ में आता है। आवश्यकता इस बात की है कि हमारे भीतर प्रेम, करुणा और सेवा का भाव निरंतर जीवित रहे। यह केवल आंक ?ों या शब्दों तक सीमित नहीं अपितु मानवता के प्रति सच्चा समर्पण है। दिल से दिल तक जु ?ा निस्वार्थ प्रेम ही हमें एक-दूसरे के प्रति समर्पित होकर मानवता की वास्तविक सेवा करने की प्रेरणा देता है। इन शिविरों में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी तथा राजधानी दिल्ली के लगभग सभी प्रसिद्ध अस्पताल जिनमें एम्स एवं एम्स (सी.एन.सी), राम मनोहर लोहिया अस्पताल, गुरू तेग बहादुर अस्पातल, लोक नायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल, हिन्दुराव अस्पताल, जी. पी. पंत अस्पताल, सफदरजंग अस्पताल, दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, डॉक्टर हेडग्रावर अस्पताल एवं आई.आर.सी.एस इत्यादि प्रमुख अस्पतालों के अनुभवी चिकित्सक एवं उनकी टीम ने स्वास्थ्य जाँच के उपरांत सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से रक्तदान सम्पन्न कराया। इस अवसर पर इंडियन रेड क्रॉस सोसाईटी की ओर से सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता जी को संत निरंकारी मिशन द्वारा मानवता की निस्वार्थ सेवा और समर्पण की भावना के लिए विशेष सम्मान एवं पुरस्कार प्रदान कर गौरवान्वित किया गया। युगप्रवर्तक बाबा गुरबचन सिंह जी ने सत्य, सरलता और सद्भावना का मार्ग दिखाते हुए युवाओं को नशामुक्त जीवन अपनाने और ऊर्जा को समाजसेवा में लगाने की प्रेरणा दी। बाबा हरदेव सिंह जी ने रक्त ना?ियों में बहे, नालियों में नहीं का संदेश देकर सेवा को जीवन का अनिवार्य अंग बनाया, जिसे सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज निरंतर आगे ब ?ा रही हैं।

33 करोड़ पर्यावरण जुर्माने पर राहत, 50 फीसदी राशि जमा करने की शर्त

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की प्रधान पीठ ने वायु प्रदूषण अनुपालन से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में तलवंडी साबो पावर लिमिटेड को राहत देते हुए 33.02 करोड़ रुपये की पर्यावरण क्षतिपूर्ति पर सशर्त स्थगन प्रदान किया है। पीठ की अध्यक्षता न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव ने की, जबकि डॉ. ए सेंथिल वेल और डॉ. अफरोज अहमद विशेषज्ञ सदस्य के रूप में शामिल रहे। मामले की सुनवाई के दौरान एनजीटी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और औद्योगिक अनुपालन के बीच संतुलन आवश्यक है। अधिकरण ने आदेश दिया कि अपीलकर्ता छह सप्ताह के भीतर निर्धारित क्षतिपूर्ति राशि का 50 फीसदी जमा कराए, तभी 1 अप्रैल 2026 का आदेश अगली सुनवाई तक स्थगित रहेगा। एनजीटी ने प्रतिवादियों को छह सप्ताह के अंदर जवाब दाखिल करने और मूल अभिलेख प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 27 जुलाई 2026 को निर्धारित की गई है। अपील में 1 अप्रैल 2026 के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें आयोग ने कोयले के साथ कम से कम 5 फीसदी बायोमास पेलेट/ब्रिकेट्स के अनिवार्य उपयोग के नियमों के उल्लंघन पर यह क्षतिपूर्ति लगाई थी। अपीलकर्ता कंपनी ने दलील दी कि टॉरिफाइड बायोमास पेलेट्स की कमी के चलते नियमों का पालन संभव नहीं हो सका। कंपनी के अनुसार, इस स्थिति को सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी ऑथॉरिटी द्वारा भी स्वीकार किया गया था, लेकिन इसके बावजूद दंड लगाया गया। वहीं, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने तर्क दिया कि बायोमास पेलेट्स की पर्याप्त उपलब्धता थी और कंपनी द्वारा उनका उपयोग बेहद कम किया गया। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि दंड लगाने से पहले सभी आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन किया गया था।

लखनऊ की 200 झोपड़ियों में भीषण आग, सिलिंडर में हुए लगातार धमाके

लखनऊ। लखनऊ के विकासनगर सेक्टर-14 में बुधवार दोपहर करीब 200 झोपड़ियों में भीषण आग लग गई। आग फैलते ही झोपड़ियों में रखे सिलिंडर और रेफ्रिजरेटर के कंप्रेसर में ताबड़तोड़ धमाके होने लगे, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 12 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने में जुट गईं। दूर-दूर तक धुएं का गुबार और ऊंची लपटें दिखाई दीं। राहत-बचाव कार्य जारी है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सरिता विहार इलाके में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए छह बांग्लादेशी नागरिकों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है।

मिट्टी में सीसे का उच्चतम स्तर सेहत के लिए खतरनाक, दिल्ली और पड़ोसी राज्यों के अध्ययन में खुलासा

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में बैटरी रीसाइक्लिंग इकाइयों के पास मिट्टी में सीसे (लेड) का खतरनाक स्तर पाया गया है। पर्यावरण अनुसंधान और वकालत संगठन टॉक्सिक्स लिंक का बैटरी रीसाइक्लिंग से लेड की गंदगी नाम का यह अध्ययन बुधवार को जारी किया गया। इसके मुताबिक, यह स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है। अध्ययन में कुछ चुने गए शहरों में लेड-एसिड बैटरी रीसाइक्लिंग इकाइयों के पास के मिट्टी के 23 नमूनों का विश्लेषण किया गया। इसके साथ ही रिहायशी इलाकों, स्थानीय समुदायों और प्राइमरी स्कूलों के पास की मिट्टी के भी नमूने इकट्ठा किए गए। विश्लेषण में कहा गया इन सभी नमूनों में 100 पार्ट्स पर मिलियन (पीपीएम) से 43,800 पीपीएम तक बड़े पैमाने पर लेड प्रदूषण के सबूत मिले, जो बेहद चिंताजनक है। पर्यावरण संरक्षण (दूषित स्थलों का प्रबंधन) नियम, 2025 के मुताबिक, विश्लेषण में इकट्ठा की गई मिट्टी के नमूनों में से 52 फीसदी (23 में से 12 नमूने) में खतरनाक दूषित स्थल के लिए सीसे के स्तर 5,000 पीपीएम बेंचमार्क से अधिक था। यहीं नहीं, 31 फीसदी नमूनों में सीसा औद्योगिक इलाके के लिए तय सीमा से भी अधिक था। चौंकाने वाली बात यह रही कि अनधिकृत इकाइयों से इकट्ठा किए गए नमूनों के मुकाबले में अधिकृत रीसाइक्लिंग इकाइयों (औपचारिक इकाइयों) से इकट्ठा किए गए मिट्टी के नमूनों में अप्रत्याशित रूप से औसतन सीसे का स्तर ज्यादा पाया गया। एजेंसी लेड-एसिड बैटरी का इस्तेमाल ऑटोमोबाइल, बैकअप पावर सिस्टम जैसे इनवर्टर, अनइंटरप्टिबल पावर सप्लाई (यूपीएस), टेलीकम्युनिकेशन और रेल नेटवर्क में किया जाता है। रीसाइक्लिंग इकाइयों में यही बैटरियां खराब प्रबंधन, खासकर अनधिकृत इकाइयों में सीसे को हवा, पानी और मिट्टी में फैला देता है। सीसा बेहद जहरीली धातु है। यह इंसानी सेहत और पर्यावरण पर बहुत बुरा असर डालता है। स्वास्थ्य मेट्रिक्स और मूल्यांकन संस्थान (आईएचएमई) के 2016 में किए अध्ययन के मुताबिक, सीसे के संपर्क में आने से हर साल 5.4 लाख मौतें होती हैं। इसके सबसे अधिक शिकार भारत जैसे अधिक बोझ वाले निम्न और मध्यम आय वाले देशों पर पड़ता है।

NAME CHANGE
I, SADHNA AGARWAL W/O PAWAN KUMAR residing at J-105 B STREET NO-6 LAXMI NAGAR DELHI-110092 have changed my name to SADHANA AGARWAL for all future purpose.

NAME CHANGE
I Richa Singh W/o Amit Bhatia R/o 217, Housing Board Colony, Near-Gurudwara, Sector-22, Faridabad Sector 22, Faridabad, Haryana 121005 have changed my name to Richa Bhatia for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MOBASSAREEN NAEMUDDIN ESLAM KHAN W/O NAIMUDDIN KHAN R/O H NO-C-147/1, UPPER GROUND FLOOR, SHAHEEN BAGH, ABDUL FAZAL ENCLAVE PART-2, DELHI-110025. have changed my name to MOBASSAREEN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, NAEMUDDIN / NAEEMUDDIN ISMAIL S/O ISMAIL YAQOOB R/O H NO-C-147/1, UPPER GROUND FLOOR, SHAHEEN BAGH, ABDUL FAZAL ENCLAVE PART-2, DELHI-110025. have changed my name to NAIMUDDIN KHAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, NAVIN KUMAR S/O DAYA NAND residing at HOUSE NO-66, WARD NO-30, SECTOR-46, GURGAON, HARYANA-122001 Have changed my name to NAVEEN THAKRAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as PAPPU S/O MANGLI OSAIN R/O N-21B-131 MOUJI WALA BAGH, AZAD PUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110033, have changed my name and shall hereafter be known as PURAN MAL. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री पूरन चंद, पुत्र श्री बुद्ध राम और श्री विजय कुमार चावला, पुत्र श्री मनोहर लाल के पुत्र, नई दिल्ली के कृष्णा पार्क एक्सटेंशन के नाम से जाने वाले जलाओ कॉलोनी में स्थित खसरा संख्या 1 की दूसरी मंजिल (छत के अधिकार के बिना) के स्वामी हैं। संपत्ति का क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है और यह ड्डें-30 में स्थित है। यह संपत्ति श्री प्रेम कुमार गुलाटी की पत्नी श्रीमती पुष्पा द्वारा दिनांक 16.04.2004 को निष्पादित नोटरीकृत वसीयत के अनुसार है। उक्त संपत्ति श्री दलजीत सिंह की पत्नी श्रीमती परमजीत कौर को बेची जानी है। उक्त संपत्ति का वित्तपोषण बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, गाजियाबाद शाखा द्वारा किया जा रहा है। यदि उक्त संपत्ति में किसी का कोई प्रभार/स्वामित्व/तृतीय पक्ष हित है या किसी प्रकार का विवाद है, तो कृपया इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में प्रमाण सहित सूचित करें। ऐसा न करने पर, मुझे पता है कि बंधक संपत्ति के संबंध में किसी भी चूक की स्थिति में, सभी उधारकर्ता/मालिक इसके लिए जिम्मेदार होंगे।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, PRASANTA KUMAR ROUT S/o Hare Krishna Rout R/o Flat No.279, Paryatan Vihar, B-4, Vasundhara Enclave, Delhi-110096, have changed my name to PRASANTA ROUT permanently

NAME CHANGE
I, LOVKESH S/o Gulshan Rai R/o House No.1, Block-T3, BPTP Parklands, Sector-75, Ballabgarh, Faridabad-121004, Haryana, have changed my name to LOVKESH KATHURIA permanently.

NAME CHANGE
I, AMIT S/O Tilak Raj R/o 43, Kharkhari Roundh, South West Delhi -110073, have changed my name to AMIT KUMAR for all future purpose

NAME CHANGE
I, hitherto known as SHIYA DULARI W/O DHANI RAM D/O MURLIDHAR R/O 3-B, PAPRAWAT ROAD PHASE-2, B-BLOCK, ROSHAN VIHAR, NAJAFGARH, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110043, have changed my name and shall hereafter be known as MANJU.

NAME CHANGE
I fazroul rehman S/O abdul aziz R/O A 32 gali number 8 mohalla dilshad masjid mustafabad delhi 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO fazlu rehman

NAME CHANGE
I,ADDRASH KUMAR YADAV S/O LAL MOHAN YADAV R/O RZ G 21, G BLOCK, WEST SAGARPUR, NANGAL RAYA S.O, DIST: SOUTH WEST DELHI, DELHI-110046, CHANGED MY NAME TO ADDARSH KUMAR YADAV.

NAME CHANGE
I, Jatin S/O Ashok Chhokra R/O 557/10, Gopal Colony, Mata Darwaja, Rohtak Haryana-124001 I, Have Changed My Name To Jatin Chhokra

NAME CHANGE
I, SHANTI DEVI (Existing Name as per Record/Service Document) mother of JC-812413X SUBEDAR TEJENDER KUMAR Residing at VILL-SAMAHANI, PO-BARSWAN, TEH-BALH, DIST-MANDI, HIMACHAL PRADESH, PIN-175036 have changed my name from SHANTI DEVI (Existing Name change as per Record/Service document) to SANTI DEVI (Proposed New Name) for all future purposes vide Affidavit dated 24/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RANJANA SHENDE wife of No-14676800A, Rank-HAV, Name-SHENDE DHANPAL RAMA Residing at VILL-LANZERA, PO-JAMB, TEH-TUMSAR, DIST-BHANDARA, MAHARASHTRA-441914, have changed my name from RANJANA SHENDE to RANJANA DHANPAL SHENDE for all future purposes, in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 01 May 1988 instead of my correct date of birth as 10 May 1988 vide affidavit dated 24/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, PHOOLDEVI D/O LATE MAN SINGH VISHAVKARMA R/O C1/002 (SOVEREIGN-1),VATIKA CITY, SECTOR-49,GURUGRAM, HARYANA-122018, HAVE CHANGED MY NAME TO FULDEVI VISHWAKARMA FOR ALL FUTURE PURPOSE

Public Notice
I, PRASHANT SHARMA S/o SHIV SHANKAR SHARMA R/O KUSH-305, AGARSEN AWAS, I.P EXTENSION, EAST DELHI, DELHI, 110092, have changed the name of my minor Son ARSH SHARMA aged 14 years and shall hereafter be known as EKANSH SHARMA, for all future purposes. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.
PRASHANT SHARMA

NAME CHANGE
It is for general information that I, DHANPAL JAIN S/o AJIT PRASAD JAIN R/o 80, BAHUBALI ENCLAVE, NEAR KARKARDOOMA COURT, SHAKAR PUR, BARAMAD, EAST DELHI, DELHI-110092, declare that name of mine has been wrongly written as DHAN PAL SINGH in my Conveyance Deed dated 19.07.2001, S. No. 2977, GPA dated 28.02.1996, S. No. 5773 & WILL dated 28.02.1996, S. No. 8927. The actual name of mine is DHANPAL JAIN, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as U SUDHAKARAN S/O UNNI SHIVARAMAN R/O 35C, Pocket-AI, LIG Flats, Mayur Vihar Phase-3, East Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as UNNI SUDHAKARAN.

NAME CHANGE
I, ANITA, Daughter of LATE RAMESH CHAND resident of H.No. B-842, 30 Futa Road Ashram Road Deen Dayalpuri Ghaziabad U.P. 201001 have changed my Name from NEETA Daughter of LATE RAMESH CHAND TO ANITA Daughter of LATE RAMESH CHAND adopted name vide affidavit dated 24.04.2026 at PATIALA HOUSE COURT NEW DELHI.

NAME CHANGE
I, SACHIN S/o PARAM SINGH R/o A-59, Sharma Colony, Phase-2, Budh Vihar, Delhi-110086, have changed my name to SACHIN NAGAR permanently.

NAME CHANGE
I, PREM S/O Ganga Sharan Singh R/o A-59, Sharma Colony, Phase-2, Budh Vihar, Delhi-110086, have changed my name to PARAM SINGH permanently

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किला फुलो खातून पत्नी स्व0 अहसान पता मकान नं0 बी-50, बी-ब्लाक, इन्दिरा पार्क, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 पर किराये पर रह रही है तथा अपने बेटे मोहम्मद सहाबुददीन आयु करीब 30 वर्ष को उसके गलत व अभद्र व्यवहार, झगडालू किस्म व नियंत्रण में नहीं होने के कारण अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है और अपने तमाम रिश्ते समाप्त कर लिये है अगर भविष्य में उपरोक्त बेटे से कोई नैतिक व अनैतिक एवं आपराधिक कार्य करता है तो वह उसका स्वयं का जोखिम होगा इसमें मेरी मुविक्कला का कोई लेना देना नहीं होगा।
एस.एस. हैदर नक्की, अधिवक्ता
चैम्बर नं0 306, अधिवक्ता कक्ष जिला न्यायालय, सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली-110075.
मोबाइल नं0 9711702569.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mr. Akbar S/o Mr. Rehmatulla is the owner and in possession of a Freehold Residential Plot area measuring 230 + 184.19 sq. yds. (i.e. 192.30 + 154 sq. mtrs.) out of Khasra No. 554 Situated at Gram Nangla Order, Pargana and Tehsil Sardhana, District Meerut, Uttar Pradesh. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 10.03.2014, Doc. No. 3569, Book No. 1, Volume No. 5663, on pages 277-294, in SR-Sardhana, Meerut & Sale Deed dated 18.06.2025 as Doc. No. 14132, Book No. 1, Volume No. 13299, on pages 367-380, in SR-Sardhana, Meerut. In the chain documents below mentioned documents not available i.e. (1) Death Certificate & SMC of Late Mr. Balle Khan, (2) Death Certificate & SMC of Late Mr. Om Prakash Saini & (3) Death Certificate of Late Mrs. Salma., Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Gurugram Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

फॉर्म नं. यूआरसी-2
अध्याय XXI के भाग I के अंतर्गत पंजीकरण कराने हेतु सूचना विज्ञापन
(कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 374(ख) तथा धारा 366(2) सहपठित नियम 4(1), कंपनी (पंजीकरण हेतु अधिकृत) नियमावली, 2014 के अंतर्गत)

1. एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 366 की उपधारा (2) के अनुपालन में, इस तिथि से पंद्रह दिन पश्चात् किन्तु तीस दिनों की अवधि समाप्त होने से पूर्व, रजिस्ट्रार, सेंट्रल रजिस्ट्रेशन सेंटर ("CRC"), आईआईसीए, मानेसर, प्लॉट संख्या 6, 7 एवं 8, सेक्टर-5, आईएमटी मानेसर, गुरुग्राम, हरियाणा – 122050 के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया जाना प्रस्तावित है, जिसके माध्यम से AZULE SOURCINGS LLP (LLPIN- AAP-6639) नामक एलएलपी को कंपनी अधिनियम, 2013 के अध्याय XXI के भाग I के अंतर्गत एक शेयरों द्वारा सीमित कंपनी के रूप में पंजीकृत किया जा सके।
2. कंपनी के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

रेशम, आर्ट सिल्क, सिंथेटिक, ऊनी तथा सूती कपड़ों एवं अन्य रेशेदार उत्पादों जैसे ड्रेसिंग एवं फर्निशिंग सामग्री, यूनिफॉर्म, रेडीमेड परिधान, कालीन एवं कालीन बैकिंग, कंबल, पैडिंग, निटेड वस्त्र, बुने हुए बैग, होजरी, दस्ताने, यार्न तथा सिलाई धागे के बुनकर, निर्माता, क्रेता, विक्रेता, आयातक, निर्यातक एवं व्यापारी के रूप में व्यवसाय करना।तथा यार्न, कपड़ा, कालीन, कंबल एवं अन्य वस्त्र उत्पादों (चाहे वे कपास, जूट, ऊन, रेशम, आर्ट सिल्क, सिंथेटिक या अन्य रेशों अथवा उनके मिश्रण से बने हों) की पैकिंग, ग्रेडिंग, क्रिम्पिंग, ट्विस्टिंग, टेक्सचरिंग, ब्लीचिंग, डाइंग, प्रिंटिंग, मरसराइजिंग या अन्य प्रकार से प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) का व्यवसाय करना तथा उनसे संबंधित एवं सहायक अन्य सभी गतिविधियों को संचालित करना।

3. इच्छुक व्यक्तियों के निरीक्षण हेतु प्रस्तावित कंपनी के मसौदा ज्ञापन तथा उपविधियों की प्रतियां कंपनी के पंजीकृत कार्यालय एच-801, कैटोरनिया अपार्टमेंट, गुरुग्राम, हरियाणा, भारत – 122002 में कार्यालय समय के दौरान उपलब्ध रहेंगी।
4. एतद्वारा यह भी सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त आवेदन के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से इक्कीस (21) दिनों के भीतर लिखित रूप में अपनी रचजस्ट्रार, सेंट्रल रचजस्ट्रेशन सेंट् ("CRC"), आईआईसीए, मानेसर, प्लॉट् संख्या 6, 7 एवं 8, सेक्टर-5, आईएमटी मानेसर, गुरुग्राम, हररयाणा 122050 को प्रेषित कर सकता है, जिसकी एक प्रति कंपनी के पंजीकृत कार्यालय पते पर भी भेजना अनिवार्य होगा।

दिनांक : 24.04.2026

आवेदक गण:
1. नकुल खन्ना (DPIN:07738620)
2. सिशांत साध (DPIN:11599260)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

एसपी ने ट्रैफिक थाना प्रभारी को किया निलंबित

एजेंसी

हांसी। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने ट्रैफिक थाना प्रभारी सब-इंस्पेक्टर प्रेम कुमार को सस्पेंड कर दिया है। इससे पहले दोपहर को सीआईए व अन्य पुलिसकर्मी प्रेम कुमार को हांसी के सामान्य अस्पताल ले गए, जहां उनका मेडिकल कराया गया। इसके बाद एसपी ने सस्पेंड की कार्रवाई की। चर्चा है कि प्रेम कुमार नशे की हालत में थे। हालांकि प्रेम कुमार ने अपने उपर लगे आरोपों को गलत बताया है। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार के अनुसार उन्हें प्रेम कुमार के शराब पीने की सूचना मिली थी, जिसके आधार पर मेडिकल करवाकर विभागीय नियमों के तहत यह कार्रवाई की गई। चर्चा है कि पुलिस अधीक्षक ने प्रेम कुमार को अपने कार्यालय बुलाया था, लेकिन वह बार-बार कोई बहाना बनाकर आने से मना करते रहे। उधर, सब इंस्पेक्टर प्रेम कुमार ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ पुलिसकर्मियों और अधिकारियों ने उनके साथ मारपीट की और उन्हें इस तरह अस्पताल ले जाया गया, जैसे वह कोई अपराधी हों। प्रेम कुमार ने यह भी दावा किया कि सिविल अस्पताल में उनका मेडिकल ठीक तरीके से नहीं होने दिया गया। उन्होंने कहा कि वह इस पूरे मामले की शिकायत लेकर चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री से मिलेंगे। करीब 37 वर्षों की सेवा का हवाला देते हुए प्रेम कुमार ने बताया कि उनके करियर पर आज तक कोई दाग नहीं लगा है।

हरियाणा के पूर्व डिप्टी सीएम ने हिसार पुलिस के विरूद्ध हाईकोर्ट में दायर की याचिका

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला हिसार पुलिस के विरूद्ध हाईकोर्ट पहुंच गए हैं। हिसार में सीआईए द्वारा अपने काफिले को रोककर हथियार दिखाने और जान से मारने की धमकी देने के आरोपों के बाद स्वतंत्र जांच की मांग करते हुए उन्होंने याचिका दायर की है। याचिका में दुष्यंत ने इस पूरे मामले में आरोपितों के विरुद्ध न केवल एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है, बल्कि जांच को हरियाणा पुलिस से हटाकर किसी स्वतंत्र एजेंसी जैसे सीबीआई या चंडीगढ़ अथवा पंजाब पुलिस को सौंपने का भी अनुरोध किया है। हिसार के पुलिस अधीक्षक द्वारा इस मामले में कार्रवाई नहीं किए जाने के बाद दुष्यंत चौटाला हाई कोर्ट पहुंचे हैं। उनका आरोप है कि सीआईए पुलिस हिसार की इस कारगुजारी की शिकायत करने के लिए जब उन्होंने पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल को फोन किए तो उन्होंने कई बार घंटी जाने के बाद उनके फोन को ब्लाक कर दिया। दुष्यंत चौटाला की ओर से हाई कोर्ट में दायिर याचिका में कहा गया है कि 17 अप्रैल को हिसार में उनके काफिले को एक सफेद बोलेरो वाहन ने रोक लिया। सिविल ड्रेस में मौजूद पुलिस अधिकारी, जिनमें इंस्पेक्टर पवन कुमार का नाम प्रमुख रूप से शामिल है, उसने हथियार लहराते हुए उन्हें और उनके सुरक्षाकर्मियों को धमकाया।

हरियाणा में भर्ती होंगे 69 फिजियोथेरेपिस्ट : आरती सिंह राव

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि राज्य के स्वास्थ्य विभाग में जल्द ही फिजियोथेरेपिस्ट के 69 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए हरियाणा लोक सेवा आयोग में मांग पत्र भेजा गया है। पहले विभाग द्वारा 54 रिक्त पदों पर भर्ती किए जाने के बारे में लोक सेवा आयोग को मांग पत्र भेजा गया था। अब संशोधित करके फिजियोथेरेपिस्ट के 69 रिक्त पदों पर भर्ती करने के लिए भेजा गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने जींद जिला के गांव उझाना तथा करनाल जिला के गांव संभली में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने की भी हरियाणा सरकार द्वारा स्वीकृति दे दी गई है , इनमें उझाना सीएचसी निर्माण के लिए 2195.46 लाख रुपए की तथा संभली सीएचसी के लिए मुख्यमंत्री ने 2322.37 लाख रुपए की मंजूरी दी गई है। आरती सिंह राव ने बताया कि उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जिस भी ग्रामीण क्षेत्र में उपस्वास्थ्य केंद्र,पीएचसी, सीएचसी या अन्य स्वास्थ्य संस्थान खोलने की आवश्यकता हो, उस गांव में जल्द से जल्द नियमानुसार शुरू किया जाए ताकि ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्वक सस्ती स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ हों।

महिला आरक्षण के विरोध में वोट कर ने अपनी महिला विरोधी मानसिकता उजागर कर दी : डा. अर्चना गुप्ता

चंडीगढ़। हरियाणा भाजपा की प्रदेश महामंत्री डॉ. अर्चना गुप्ता ने सोनीपत में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस व उसकी सहयोगी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने नारी शक्ति वंदन संशोधन अधिनियम को लेकर कांग्रेस, सपा और डीएमके के सांसदों के रवैये की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इन दलों ने संसद में देश की आधी आबादी का अपमान किया है। इस अवसर पर महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष मोनिका दहिया, विधायक कृष्णा गहलावत, जिला मीडिया प्रभारी दिनेश अत्री, महिला मोर्चा की जिला महामंत्री स्वातिक आर्य, भारत मल्होत्रा और हरदीप सिंह आदि मौजूद रहे। डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि नारी शक्ति वंदन संशोधन अधिनियम महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, लेकिन विपक्षी दलों ने इसका विरोध करके अपनी महिला विरोधी मानसिकता उजागर कर दी। उन्होंने कहा कि संसद में विपक्षी दलों के सांसदों ने न केवल इस विधेयक का विरोध किया, बल्कि महिला शक्ति का उपहास भी उड़ाया।

औद्योगिक नीति-2026: एवीजीसी-एक्सआर के लिए बनेगी सेक्टर पॉलिसी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार राज्य को इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिज़ाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग (ईएसडीएम), आईटी, एनिमेशन, विजुअल इफ़ेक्ट, गेमिंग सेक्टर का ग्लोबल हब बनाने की तैयारी में है। सरकार ऐसी इंडस्ट्रियल पॉलिसी तैयार कर रही है, जो इन उभरते क्षेत्रों में निवेशकों के लिए अत्यंत आकर्षक होने के साथ-साथ बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन, इनोवेशन और अत्याधुनिक तकनीकी विकास को भी गति देगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नई दिल्ली में नई इंडस्ट्रियल पॉलिसी के संबंध में उद्योगपतियों के साथ संवाद करते हुए कहा कि आईटी, एनिमेशन, विजुअल इफ़ेक्ट, गेमिंग, कॉमिक्स और ईएसडीएम सेक्टर देश की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभर रहा है। नई इंडस्ट्रियल पॉलिसी में ईएसडीएम कंपनियों को विशेष प्रोत्साहन दिए जाएंगे। इसमें कैपिटल सब्सिडी,

टैक्स बेनिफिट्स, स्किल डेवलपमेंट सपोर्ट, और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस जैसे प्रावधान शामिल किए जाएंगे, ताकि उद्योगों को स्थापित करने और विस्तार करने में किसी प्रकार की बाधा न आए। प्रतिनिधियों ने सुझाव देते हुए कहा कि फ्यूचरिस्टिक प्रोडक्ट और कुछ कंपनियों का चयन करके उन्हें ग्लोबल कंपनी बनाने में मदद की जाए। एक्सपोर्ट इंडस्ट्री के लिए विदेशों में प्रोडक्ट स्टोरेज की दिक्कतों के समाधान के लिए ग्लोबल वेयरहाउस स्थापित किए जाएं ताकि विभिन्न कंपनियां इन ग्लोबल वेयरहाउस में अपने प्रोडक्ट्स स्टोर कर सकें। माइक्रोसॉफ्ट से संदीप अरोड़ा ने युवाओं को भविष्य की उभरती तकनीकों के अनुरूप सक्षम बनाने के उद्देश्य से माइक्रोसॉफ्ट के साथ स्कूलों, आईटीआई और अन्य शिक्षण संस्थानों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित स्टडी को बढ़ावा देने पर चर्चा की। एनिमेशन, विजुअल इफ़ेक्ट, गेमिंग, कॉमिक्स (एवीजीसी-एक्सआर) सेक्टर को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार अलग से एक समर्पित सेक्टर पॉलिसी लाने की दिशा में काम कर रही है, जिससे इस उभरते हुए क्रिएटिव और टेक्नोलॉजी आधारित उद्योग को संरचित विकास का प्लेटफॉर्म मिल सके। इस दौरान चेयरमैन, फिक्की एवीजीसी-एक्सआर फोरम आशीष कुलकर्णी, डायरेक्टर, पब्लिक पॉलिसी, ई गेमिंग फेडरेशन देवभूति बख्शी, सीईओ मीडिया एंड स्किल एंटरटेनमेंट काउंसिल मोहित सोनी ने सुझाव दिया कि ई-स्पोर्ट्स इकोसिस्टम को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाए।

निरोगी हरियाणा' से 1 करोड़ से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग, स्वास्थ्य सेवाओं को मिली नई मजबूती : डॉ. सुमिता मिश्रा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार के प्रमुख निवारक स्वास्थ्य कार्यक्रम 'निरोगी हरियाणा' ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस योजना के तहत अब तक एक करोड़ से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच (स्क्रीनिंग) की जा चुकी है, जबकि 5.86 करोड़ से अधिक लैब टेस्ट निःशुल्क किए गए हैं। इससे राज्य में बीमारियों की समय पर पहचान और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को व्यापक मजबूती मिली है। हरियाणा के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने यह बात उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान कही। उन्होंने बताया कि 21 अप्रैल, 2026 तक इस योजना के अंतर्गत अंत्योदय परिवारों के 1,00,07,430 लाभार्थियों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए शुरू की गई इस पहल के तहत 5,86,60,875 मुफ्त लैब टेस्ट किए गए हैं, जिससे हजारों परिवारों का होने वाला खर्च कम हुआ है।

उन्होंने बताया कि प्रारंभ में यह योजना उन परिवारों के लिए लागू की गई थी, जिनकी वार्षिक आय 1.8 लाख रुपये तक थी। अब इसका विस्तार कर 3 लाख रुपये तक आय वाले परिवारों को भी शामिल किया गया है। इस बदलाव से लाभार्थियों की संख्या 1.59 करोड़ से बढ़कर लगभग 2.30 करोड़ हो गई है। तीसरे चरण में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिकों को, उनकी आय चाहे कितनी भी हो, इस योजना में शामिल किया जा रहा है। यह कदम बुजुर्गों के स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

सरकारी स्कूल के शिक्षकों ने बनाई मैथ पजल बुकलेट व ओलंपियाड पुस्तक, 21 शिक्षक सम्मानित

एजेंसी

कैथल। विद्यार्थियों के लिए कठिन माने जाने वाले गणित विषय को सरल और रोचक बनाने की दिशा में कैथल के शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन ने सराहनीय पहल की है। राजकीय विद्यालयों के शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से मैथ पजल बुकलेट तैयार की गई है, जबकि इंटरनेशनल मैथ ओलंपियाड की पुस्तक भी तैयार की जा रही है।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने यह पुस्तकें डीसी अपराजिता को भेंट कीं। इस दौरान दोनों किताबों के निर्माण में योगदान देने वाले 21 शिक्षकों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। डीसी अपराजिता ने शिक्षकों के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल विद्यार्थियों में गणित के प्रति डर को खत्म कर उन्हें विषय के प्रति प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि ये पुस्तकें जिले के शैक्षणिक स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका

निभाएंगी और शिक्षा क्षेत्र में नवाचार का उदाहरण प्रस्तुत करेंगी।

जिला गणित विशेषज्ञ छत्रपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि मैथ पजल बुकलेट में कक्षा पहली से 12वीं तक के गणितीय सिद्धांतों को सुडोकू जैसे रोचक माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। इससे विद्यार्थी खेल-खेल में गणित को समझ सकेंगे और खुद भी प्रश्न तैयार कर उनके समाधान खोज पाएंगे। खास बात यह है कि यह सामग्री शिक्षकों द्वारा निःशुल्क तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि इंटरनेशनल मैथ ओलंपियाड की पुस्तक में 15 अध्याय शामिल होंगे, जिसमें कक्षा पहली से लेकर मास्टर्स स्तर तक का सिलेबस कवर किया जाएगा। इसमें ओलंपियाड के प्रश्नों के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित गणित भी शामिल रहेगा। यह पुस्तक जल्द ही बाजार में उपलब्ध करवाई जाएगी। इसके अलावा जिला कैथल के प्रत्येक ब्लॉक मुख्यालय पर इंटरनेशनल मैथ ओलंपियाड की कोचिंग भी शुरू की गई है, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर तैयारी का अवसर मिल सके। इस अवसर पर एडीसी सुशील कुमार, जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष कुमार, मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी दिव्यता मेहर सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

ईवी के लिए नया प्लांट लगाने में हरियाणा को प्राथमिकता देगी सुजुकी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में सुजुकी मोटर के सीईओ तोशीहिरो सुजुकी ने मुलाकात की। इस दौरान सीईओ तोशीहिरो सुजुकी ने मुख्यमंत्री से वायदा किया कि सुजुकी मोटर भविष्य में भी हरियाणा के अंदर और निवेश करेगी। उन्होंने कहा कि भारत की प्रोग्रेस के साथ-साथ हरियाणा की प्रोग्रेस में भी उनकी कंपनी पूरा सहयोग करेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जापान और हरियाणा के बीच सांस्कृतिक सहयोग के लिए जापान में अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव आयोजित किया जाएगा। उन्होंने 20 जून को टोक्यो विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय गीता सेमिनार में विशिष्ट अतिथि के रूप में आने के लिए सुजुकी के सीईओ तोशीहिरो सुजुकी को न्यौता भी दिया। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा पहले भी सुजुकी मोटर पर सीईओ तोशीहिरो सुजुकी ने कहा कि वह भारत में हाईब्रिड और सीएनजी गाडियों पर फोकस करेंगे।

को सहयोग करता रहा है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि भविष्य में सुजुकी मोटर हरियाणा में ही निवेश करेगी। उन्होंने कहा कि सुजुकी मोटर इकलौती ऐसी कंपनी है जिसे हरियाणा राज्य ने एसजीएसटी इनसेंटिव दिया है। इस भविष्य में यदि उन्हें ईवी के लिए गाड़ियां बनानी पड़ी और नया प्लांट बनाया तो निश्चित रूप से निवेश के लिए उनकी पहल हरियाणा होगा।

उन्होंने कहा कि सुजुकी के साथ हरियाणा सरकार का कम्यूनिकेशन ऐसे ही बना रहे और हरियाणा सरकार का सहयोग मिलता रहे। उन्होंने कहा कि 1982-83 में सुजुकी को शुरू किया था, तब हमने पाया कि भारत और जापान के काम करने का तरीका अलग है लेकिन फिर भी भारत और जापान में बहुत सारी समानता है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जापान और हरियाणा के बीच सांस्कृतिक सहयोग बढ़ाने के लिए जून महीने में अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव का आयोजन जापान में किया जाएगा। उन्होंने सुजुकी के सीईओ से अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के दिव्य आयोजन में जापानी नागरिकों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड को जापान के किसी प्रतिष्ठित सामाजिक संगठन के साथ जोडने में सहयोग करने का आग्रह किया। इस पर सीईओ तोशीहिरो ने विचार करने पर हामी भरी।

हरियाणा के 46 न्यायिक अधिकारियों के तबादले

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा के 46 न्यायिक अधिकारियों के तबादले और नई तैनाती की है। जारी सूची के अनुसार, वाणी गोपाल शर्मा गुरुग्राम से पानीपत भेजी गई हैं और उन्हें जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया है। नरेंद्र सूरा को नारनौल से गुरुग्राम स्थानांतरित किया गया है। हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि अधिकतर अधिकारी तुरंत प्रभाव से नई जगह कार्यभार संभालेंगे, जबकि पहले दो अधिकारियों का तबादला एक मई 2026 से प्रभावी होगा। हरियाणा सुप्रियर जूडिशल सर्विस के अन्य प्रमुख तबादलों में राजेश कुमार नूंह से फरीदाबाद, डा. सुनीता ग्रोवर रेवाड़ी से गुरुग्राम, महावीर सिंह गुरुग्राम से कुरुक्षेत्र, राजीव गोयल पंचकूला से कैथल, अजय कुमार वर्मा नूंह से कैथल, यशविंदर पाल सिंह जगाधरी से गुरुग्राम, सोनिका चंडीगढ़ से नारनौल, देविंदर सिंह कैथल से सिरसा और सुदीप गोयल जगाधरी से गुरुग्राम भेजे गए हैं। इसी क्रम में कंवर पाल नारनौल से फरीदाबाद, जैस्मिन शर्मा गुरुग्राम से हिसार, डा. अमित कुमार गर्ग कैथल से अंबाला, पुनीत सहगल गुरुग्राम से हिसार, विजयंत सहगल पंचकूला में ही विशेष जज सीबीआइ कोर्ट के रूप में, सुनील चौहान गुरुग्राम में ही, हर्षाली चौधरी नारनौल में ही तथा अभिलाषा सप्रा कोहली अंबाला में ही नई जिम्मेदारियों के साथ नियुक्त किए गए हैं। सुमित गर्ग को सिरसा से झज्जर भेजा गया है। इसके अलावा डॉ. गगनदीप मित्तल हिसार से अंबाला, हेम राज मित्तल फरीदाबाद से पलवल, लोकेश गुप्ता रेवाड़ी से फरीदाबाद, रोहित वाट्स जगाधरी से चंडीगढ़, निशांत हिसार से गुरुग्राम, डा. मनपाल रामावत अंबाला से रेवाड़ी, डा. विवेक गोयल करनाल से जगाधरी, नेहा नोहरिया जींद से करनाल, अर्चना यादव पानीपत से जींद, ज्योति लांबा फरीदाबाद से सिरसा, डा. अशोक कुमार अंबाला में ही, सुनील कुमार देवान गुरुग्राम से नूंह, रजनीश कुमार करनाल से जगाधरी, नितिन किनरा सिरसा से करनाल और अरविंद कुमार कुरुक्षेत्र से चंडीगढ़ भेजे गए हैं।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण जरूरी

एजेंसी

गुरुग्राम। एचपीवी वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर को रोकने में अहम भूमिका निभाता है। अभिभावकों से अपील है कि वे अपनी किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन अवश्य लगवाएं। यह वैक्सीन सरकार द्वारा निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है और इसका उद्देश्य बेटियों को गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखना है। यह बात उपायुक्त उत्तम सिंह ने अधिकारियों के साथ अभियान की समीक्षा बैठक में कही।

इससे पूर्व हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से टीकाकरण अभियान की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इसके बाद उपायुक्त उत्तम सिंह ने जिला स्तर पर अधिकारियों के साथ बैठक कर अभियान को तेज गति से पूरा करने के निर्देश जारी किए। उपायुक्त ने बताया कि एचपीवी वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर को रोकने में अहम भूमिका निभाती है। यह टीकाकरण मुख्य रूप से 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों के लिए चलाया जा रहा है, ताकि भविष्य में इस गंभीर बीमारी के खतरे को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि अभिभावकों में यदि कोई शंका है तो उसे जागरूकता के माध्यम से दूर

किया जाए। उन्होंने स्वास्थ्य व शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आपसी तालमेल के साथ इस अभियान को जमीनी स्तर पर सफल बनाएं। स्कूलों में छात्राओं का डाटा तैयार कर स्वास्थ्य विभाग के साथ सांझा किया जाए। पीटीएम के दौरान अभिभावकों को टीकाकरण के महत्व की जानकारी दी जाए। पंचायत स्तर पर भी विशेष अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों तक संदेश पहुंचाया जाए।

उपायुक्त उत्तम सिंह ने कहा कि पीएचसी, सीएचसी और जिला अस्पतालों में चिकित्सक लोगों को जागरूक करें और स्पष्ट रूप से बताएं कि यह टीका पूरी तरह सुरक्षित है। टीकाकरण से पहले यह सुनिश्चित किया जाए कि लाभार्थी किशोरी खाली पेट न हो और अभिभावकों की पूर्व सहमति लेना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। डीसी ने कहा कि सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है और सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए यह अभियान एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुंगेशपुर ड्रेन के तटबंधों को मजबूत करने का कार्य तेज, एसडीएम ने किया निरीक्षण

एजेंसी

बहादुरगढ़। क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से मुंगेशपुर ड्रेन के तटबंधों को मजबूत करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसी क्रम में एसडीएम अभिनव सिवाच ने मौके पर पहुंचकर चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने ड्रेन के तटबंधों की मजबूती, निर्माण सामग्री की गुणवत्ता तथा कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए तथा गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष हुई समस्या को देखते हुए ओर आगामी बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए ड्रेन की क्षमता और मजबूती सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि जलभराव जैसी समस्याओं से क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके। एसडीएम ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यस्थल पर नियमित निगरानी रखी जाए और सभी सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए।

दयालु-2 योजना की बैठक में पात्र परिवारों को शीघ्र सहायता सुनिश्चित करने पर चर्चा

एजेंसी

गुरुग्राम। पटौदी के एसडीएम दिनेश लुहाच की अध्यक्षता में लघु सचिवालय के कॉफ्रेंस हॉल में दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना (दयालु-2) की जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें योजना के तहत प्राप्त मामलों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में योजना के उद्देश्य और प्रावधानों पर चर्चा की गई, जिसमें बताया गया कि हरियाणा सरकार द्वारा यह योजना दुर्घटना, मृत्यु, चोट या कुत्ते व अन्य पशुओं के हमले से प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता देने के लिए लागू की गई है। जिला सांख्यिकीय अधिकारी अजय ठाकुर ने जिले में प्राप्त मामलों की जानकारी प्रस्तुत की। समीक्षा के दौरान बताया गया कि पोर्टल पर कुल 22 मामले दर्ज किए गए।

बैठक में पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध तरीके से सहायता उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। समिति ने यह भी सुनिश्चित करने पर बल दिया कि लंबित मामलों में जरूरी औपचारिकताएं जल्द पूरी करवाई जाएं और पुलिस सत्यापन की प्रक्रिया को तेजी से पूरा करते हुए पत्रों की जांच करें, ताकि चोट की गंभीरता के आधार पर सही पात्र लोगों को जल्दी सहायता मिल सके।

योजना के तहत दुर्घटना में मृत्यु या 70 प्रतिशत से अधिक विकलांगता

पात्र आवेदकों को शीघ्र मुआवजा प्रदान किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को योजना का लाभ मिल सके। बैठक में कुत्ते के काटने सहित अन्य मामलों में मुआवजा राशि तय की गई। एसडीएम ने निर्देश दिए कि सीएमओ अपने स्तर पर डॉक्टरों के साथ बैठक कर मेडिकल प्रमाण पर एक लाख से पांच लाख रुपये तक की सहायता दी जाती है। आयु के अनुसार सहायता राशि निर्धारित है, जिसमें 12 वर्ष तक एक लाख, 12 से 18 वर्ष तक 2 लाख, 18 से 25 वर्ष तक 3 लाख, 25 से 45 वर्ष तक 5 लाख और 45 से 60 वर्ष तक 3 लाख रुपये दिए जाते हैं।

फसलों की एमएसपी पर खरीद का झूठ राग अलाप रही सरकार : सुरजेवाला

एजेंसी

जींद। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि 24 फसलों की एमएसपी पर खरीदी का झूठ का राग बजाने वाली भाजपा हरियाणा में किसानों को गेहूं की फसल की खरीदी और भुगतान में भी रुला रही है। किसान विरोधी भाजपा की काली करतूतों और खेती विरोधी साजिशों से किसान का पीला सोना ही मुसीबतों का रोना बन गया है। किसानों की हकमारी और घोटालेबाजी में रफ्तार भरने वाला भाजपाई डबल इंजन किसानों को फसल खरीदी और उठान, भुगतान के नाम पर खून के आंसू रुला रहा है।

राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला गुरूवार को जींद, नरवाना तथा उचाना अनाज मंडी का दौरा कर रहे थे। सुरजेवाला ने कहा कि हरियाणा में खेती और किसानी के लिए भाजपा नासूर बनी हुई है। भाजपा मंडी व्यवस्था को ही निगल जाने पर तुली है। सरसों खरीदी में गड़बड़झाले व बेईमानी को लेकर विधान सभा के विशेष सत्र में एक दिन की चर्चा की जानी चाहिए। इसे लेकर सीएम नायब सैनी जिम्मेवारी लें और किसान, आढती, मजदूर को विशेष राहत पैकेज मिले। इस दौरान किसानों की भी समस्याएं सुनी। उन्होंने कहा कि हरियाणा की मंडियों में अब तक 80 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा गेहूं आ चुका है लेकिन केवल 55.81 लाख मीट्रिक टन की ही खरीद हो पाई है। करीब 25 लाख मीट्रिक टन गेहूं अभी भी खरीद के इंतजार में पड़ा है। खरीदे गए गेहूं में से भी केवल 26.63 लाख मीट्रिक टन का उठान हुआ है। जिससे हालात और बिगड़ गए हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 70 प्रतिशत गेहूं यानी 53 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा फसल अभी भी खुले आसमान के नीचे पड़ी है। मंडियों में पहुंचे 7.70 लाख किसानों में से केवल 4.62 लाख किसानों की ही फसल खरीदी गई है। जबकि तीन लाख से ज्यादा किसान अब भी अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। सुरजेवाला ने कहा कि जींद जिले की स्थिति और चिंताजनक है। यहां 8.51 लाख मीट्रिक टन गेहूं की आवक हुई है लेकिन केवल 6.6 लाख मीट्रिक टन की खरीद हुई।

क्लासिक लीजेंड्स ने अमेरिकी बाजार से मोड़ा रुख, यूरोप-मेक्सिको पर ध्यान

कंपनी ने अब यूरोप और मेक्सिको को बनाया नया ठिकाना, घरेलू बाजार में भी बंपर उछाल

नई दिल्ली ।

जावा, बीएसए और येज्दी जैसे प्रतिष्ठित मोटरसाइकिल ब्रांड्स की मूल कंपनी क्लासिक लीजेंड्स ने अपनी निर्यात रणनीति में एक बड़ा बदलाव किया है। अमेरिकी बाजार में बढ़ती अनिश्चितताओं और चुनौतियों के कारण कंपनी ने अब यूरोप और दुनिया के अन्य अधिक स्थिर बाजारों पर अपना ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया है। इस कदम से कंपनी की लगभग 5,000 फंसी हुई मोटरसाइकिलों को नए गंतव्य मिल गए हैं, जबकि कंपनी घरेलू मोर्चे पर भी शानदार वृद्धि और मुनाफा दर्ज कर रही है। क्लासिक लीजेंड्स के मुतो बिक अमेरिकी बाजार की अनिश्चितताओं के कारण कंपनी की लगभग 5,000 मोटरसाइकिलें रास्ते में ही फंस गई थीं। जो खेप पहले अमेरिका के लिए निर्धारित थी, उसे अब मेक्सिको और यूरोप जैसे अन्य बाजारों में भेजा जा रहा है, जहां इन मोटरसाइकिलों की ज़बरदस्त मांग है। कंपनी के एक अे धिकानरी ने कहा` कि अमेरिकी बाजार की स्थिति अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। जैसे ही वहां अनिश्चितता खत्म होगी, हम फिर से शुरुआत करेंगे, लेकिन फिलहाल वह बाजार व्यावहारिक नहीं है। कंपनी अब रणनीतिक रूप से अधिक स्थिर और मांग वाले बाजारों की ओर रुख कर रही है। अमेरिकी बाजार की बाधा के बावजूद, नए बाजारों में कदम रखने से कंपनी की निर्यात की रफ्तार मजबूत बनी हुई है। वर्तमान में, कंपनी की कुल बिक्री में निर्यात की हिस्सेदारी लगभग 10 प्रतिशत है, जिसे कंपनी भविष्य में दो से चार गुना तक बढ़ाने की योजना बना रही है। हालांकि, कंपनी ने यह भी कहा कि भारत में घरेलू बाजार भी बहुत तेजी से बढ़ रहा है, इसलिए कुल बिक्री में निर्यात की हिस्सेदारी में कोई बहुत बड़ा बदलाव नहीं आएगा। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में क्लासिक लीजेंड्स की खुदरा बिक्री में 40 प्रतिशत का उछाल आया, जो 32,482 वाहनों से बढ़कर 45,409 वाहन हो गई।

रीन्यू आंध्र प्रदेश में लगाएगी 4,200 करोड़ का सौर इंगट-वेफर प्लांट

6.5 गीगावॉट क्षमता से ऊर्जा आत्मनिर्भरता को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली ।

स्वच्छ ऊर्जा समाधान प्रदाता रीन्यू एनर्जी ग्लोबल पीएलसी (रीन्यू) ने आंध्र प्रदेश में 4,200 करोड़ रुपये के निवेश से एक अत्याधुनिक सौर इंगट-वेफर विनिर्माण इकाई स्थापित करने की घोषणा की है। विशाखापत्तनम के पास अनकापल्ली जिले में बनने वाली 6.5 गीगावॉट क्षमता की यह इकाई देश की पहली नई सौर इंगट-वेफर विनिर्माण इकाइयों में से एक होगी, जो भारत को स्वच्छ ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह परियोजना रीन्यू की आंध्र प्रदेश में 82,000 करोड़ रुपये के निवेश की व्यापक प्रतिबद्धता का हिस्सा है। 24 महीनों के भीतर चालू होने की उम्मीद के साथ, यह संयंत्र राज्य में 2,100 से अधिक प्रत्यक्ष और परोक्ष रोजगार के अवसर पैदा करेगा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू ने इस निवेश को राज्य को 'भारत के सिलिकन कोस्ट' के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक अहम कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह निवेश स्वच्छ ऊर्जा और आधुनिक विनिर्माण के केंद्र के रूप में राज्य की स्थिति को मजबूत करेगा, साथ ही आर्थिक विकास को गति देगा। यह इकाई देश की सौर आपूर्ति श्रृंखला को स्थानीय स्तर पर मजबूत करेगी, आयात पर निर्भरता कम करेगी और भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देगी। यह रीन्यू के मौजूदा सौर पीवी मॉड्यूल और सेल विनिर्माण के लिए महत्वपूर्ण अपस्ट्रीम घटक इंगट और वेफर का उत्पादन कर बैकवर्ड एकीकरण को सक्षम बनाएगी। रीन्यू के एक अे धिकारी ने कहा` कि यह इकाई देश के भीतर विनिर्माण क्षमता का निर्माण करने और एक एकीकृत, आत्मनिर्भर स्वच्छ ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र के हमारे दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। रीन्यू सौर विनिर्माण में एक दमदार खिलाड़ी है, जिसके पास पहले से ही 6.5 गीगावॉट की परिचालनगत सौर विनिर्माण क्षमता है। दिसंबर 2026 तक 6.5 गीगावॉट सेल तक विस्तार होने की उम्मीद है। यह नई इकाई कंपनी की पूरी सौर मूल्य श्रृंखला में उसकी स्थिति को और मजबूत करेगी, जिससे भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को गति मिलेगी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 999, निफ्टी 275 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट मध्य पूर्व में तनाव को देखते हुए दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के कारण आई है। इसके अलावा कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से भी बाजार पर दबाव पड़ा है जिससे वह नीचे आया है1 आज कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 999.79 अंक टूटकर 76,664.21 पर करोबार करता दिखा जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 275.10 अंक नीचे आकर 23,897.95 पर बंद हुआ।आज कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में बिकवाली रही। निफ्टी मिडकैप में 0.96 फीसदी जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.87 फीसदी की गिरावट रही। आज सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए, जिनमें निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा 5.29 फीसदी की गिरावट रही।

इसके अलावा, निफ्टी मीडिया में 1.87 फीसदी , निफ्टी फार्मा में 1.77 फीसदी, निफ्टी रियल्टी में 1.35 फीसदी, निफ्टी हेल्थकेयर में 1.49 फीसदी निफ्टी ऑयल एंड गैस में 0.72 फीसदी और निफ्टी एफएमसीजी में 0.73 फीसदी गिरावट रही।

वहीं निफ्टी के ट्रेंट, हिंडाल्को, नेस्ले इंडिया, श्रीराम फाइनेंस, एसबीआई के शेयरों में तेजी देखने को मिली, जबकि टीसीएस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, सन फार्मा के शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी।

इससे पहले आज सुबह बाजार भारी गिरावट के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 150 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 77,483.80 पर खुला। इसी तरह निफ्टी-50 भी 24,100 के स्तर पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद निफ्टी 153.90 अंकों की गिरावट के साथ 24,019.15 पर ट्रेड कर रहा था।

प्लेसिंपल 3,150 करोड़ का आईपीओ लाने के लिए तैयार

सेबी के पास दाखिल किए दस्तावेज

नई दिल्ली ।

स्वीडन की गेमिंग कंपनी मॉडर्न टाइम्स ग्रुप एमटीजी एबी की पूर्ण स्वामित्व वाली भारतीय अनुषंगी कंपनी प्लेसिंपल गेम्स लिमिटेड ने 3,150 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए बाजार नियामक के समक्ष मसौदा दस्तावेज दाखिल किए हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष दाखिल आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार यह आईपीओ पूरी तरह बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा। निर्गम का आकार लगभग 3,150 करोड़ रुपये तक हो सकता है। अंतिम निर्गम आकार अनुमत सीमा के भीतर बदल सकता है और इसे पेशकश खुलने के करीब तय किया जाएगा। एमटीजी ने कहा कि आईपीओ के बाद भी वह प्लेसिंपल में बहुलांश हिस्सेदारी बनाए रखने का इरादा रखती है। कंपनी ने कहा कि सार्वजनिक निर्गम लाने का समय बाद में तय किया जाएगा।

टेक दिग्गज मेटा करेगी बड़े पैमाने पर छंटनी, 8,000 कर्मचारियों पर गिरेगी गाज

लागत में कटौती और एआई निवेश को संतुलित करने के लिए कंपनी का फैसला

मुंबई ।

टेक दिग्गज मेटा एक बार फिर बड़े पैमाने पर छंटनी की तैयारी में है। कंपनी अपने ग्लोबल वर्कफोर्स का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा, यानी करीब 8,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकालेगी। यह फैसला 20 मई से लागू होगा और इसका मुख्य उद्देश्य कंपनी के खर्चों में कटौती करना तथा तेज़ी से बढ़ते आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सेक्टर में अपने बड़े निवेश को संतुलित करना है। कंपनी की एक प्रमुख अे धिकारी के एक आंतरिक मेमो से यह जानकारी मिली है। इन छंटनियों के अलावा मेटा ने लगभग 6,000 खाली पदों को भी न भरने का निर्णय लिया है, जिससे कुल मिलाकर कर्मचारियों की संख्या में और कमी आएगी। मेटा लगातार एआई इंफ्रास्ट्रक्चर पर अरबों डॉलर खर्च कर रही है और मार्क जुकरबर्ग का मानना है कि 2026 तक एआई काम करने के तरीके को पूरी तरह बदल देगा। कंपनी का दावा है कि यह कदम उसे अधिक कुशल बनाएगा और नई एआई क्नोलॉजी में निवेश बढ़ाने में मदद करेगा। प्रभावित कर्मचारियों के लिए मेटा ने एक व्यापक सेवरेंस पैकेज की घोषणा की है। अमेरिका में कर्मचारियों को 16 हफ्तों का मूल वेतन, हर साल की सेवा के लिए अतिरिक्त दो हफ्तों का वेतन और 18 महीने तक स्वास्थ्य सहायता मिलेगी। अन्य देशों में भी स्थानीय नियमों के अनुसार समान सहायता दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, कंपनी करियर सपोर्ट और जॉब सर्च असिस्टेंस भी प्रदान करेगी। यह कदम बड़े टेक कंपनियों में एआई पर बढ़ते फोकस और संगठनात्मक पुनर्गठन की व्यापक प्रवृत्ति को दर्शाता है।

डिजिटल तिजोरी पर एआई सेंध का डर वित्त मंत्री ने बैंको को किया अलर्ट

बैंकों को तत्काल अपने सुरक्षा तंत्र मजबूत करने और आपस में सूचना साझा करने का निर्देश दिया

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय बैंकों को एक नए, बेहद शक्तिशाली कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मॉडल क्लॉड माइथोस से उत्पन्न होने वाले गंभीर साइबर खतरों के प्रति आगाह किया है। यह एआई इतनी क्षमता रखता है कि वह बैंक प्रणालियों में छिपी हुई उन कमजोरियों को भी पहचान सकता है, जिन्हें मानवीय आंखें नहीं देख पातीं, जिससे हैकर्स के लिए मास्टर चाबी बनने का खतरा पैदा हो गया है। सरकार ने इस संभावित खतरे को देखते हुए बैंकों को तत्काल अपने सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने और सूचनाओं का आदान-प्रदान बढ़ाने का निर्देश दिया है, ताकि आम जनता के पैसे और डेटा को सुरक्षित रखा जा सके। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ बैंकों के शीर्ष अधिकारियों की एक उच्च-स्तरीय बैठक की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य एंथ्रोपिक द्वारा विकसित क्लॉड माइथोस नामक इस अत्यधिक उन्नत एआई मॉडल से उत्पन्न होने वाले साइबर खतरों को समझना था। यह एआई अपनी अनूठी क्षमताओं के लिए जाना जाता है, जो ऑपरेटिंग सिस्टम और इंटरनेट ब्राउज़रों में उन गुप्त कमजोरियों को भी उजागर कर सकता है

जो दशकों से अनछुई थीं। क्लॉड माइथोस को अभी तक आम जनता के लिए जारी नहीं किया गया है और इसका एक्सेस केवल अमेज़न, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी 40 चुनिंदा कंपनियों तक सीमित है। हालांकि, कुछ अनधिकृत लोगों द्वारा इसके एक्सेस की रिपोर्टों ने वैश्विक स्तर पर, खासकर बैंकिंग क्षेत्र में, चिंता बढ़ा दी है।

सिर्फ भारत ही नहीं, अमेरिका की सरकार भी वॉल स्ट्रीट के बैंकों के साथ इस खतरे पर चर्चा कर रही है।

वित्त मंत्रालय ने सभी बैंकों और वित्तीय संस्थानों को पहले से कहीं अधिक सतर्क रहने, अपनी तैयारी पुख्ता करने और आपस में मिलकर काम करने की आवश्यकता पर बल दिया है। सीतारमण ने बैंकों को अपने आईटी प्रणालियों को तत्काल मजबूत करने और ग्राहकों के डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आदेश दिया। सरकार एआई जनित हमलों को पहचानने और रोकने के लिए एक विशेष ढांचा तैयार करने की योजना बना रही है। इस पहल के तहत, इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम और अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर एक रियल-टाइम सूचना साझाकरण प्रणाली विकसित की जाएगी। इसका अर्थ है कि जैसे ही किसी एक बैंक पर कोई खतरा दिखेगा, उसकी जानकारी तुरंत पूरे देश के बैंकिंग सिस्टम को मिल जाएगी। इसके अतिरिक्त, इंडियन बैंक्स एसोसिएशन को भी साइबर हमलों के त्वरित जवाब के लिए एक संस्थागत व्यवस्था बनाने की सलाह दी गई है।

वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक अब इस बात की गहराई से जांच कर रहे हैं कि क्लॉड माइथोस से भारत के वित्तीय क्षेत्र को कितना बड़ा खतरा हो सकता है,

ताकि समय रहते बचाव के उपाय किए जा सकें और आम आदमी की मेहनत की कमाई सुरक्षित रहे।

भारत ने मालदीव को 30 अरब की पहली आर्थिक सहायता को दी मंजूरी

सार्क मुद्रा अदला-बदली ढांचे के तहत जारी हुई पहली किस्त, पड़ोसी पहले नीति का प्रमाण

माले ।

भारत ने मालदीव को उसकी मौजूदा आर्थिक एवं वित्तीय सहायता के तहत 30 अरब रुपए की पहली निकासी को मंजूरी दे दी है। भारतीय उच्चायोग ने बताया कि यह राशि सार्क मुद्रा अदला-बदली (करेंसी स्वैप) ढांचे के तहत जारी की जा रही है, जो दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों को दर्शाता है। यह समझौता भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और मालदीव सरकार के बीच अक्टूबर 2024 में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की नई दिल्ली यात्रा के दौरान हुआ था। इसी ढांचे के तहत मालदीव द्वारा अक्टूबर 2024 में ली गई 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर की पिछली निकासी गुरुवार को परिपक्व हो गई थी, जिसका मालदीव के विदेश मंत्रालय ने निपटान की पुष्टि की है। भारतीय उच्चायोग ने बताया कि 2012 में सार्क मुद्रा अदला-बदली ढांचे की शुरुआत के बाद से, आरबीआई ने मालदीव को कुल 1.1 अरब अमेरिकी डॉलर का समर्थन दिया है, जिसने उसकी वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत ने पिछले वर्ष मालदीव सरकार द्वारा जारी 10 करोड़ डॉलर के ट्रेजरी बिल को भी आपात वित्तीय सहायता के रूप में आगे बढ़ाया था। भारत अपनी पड़ोसी पहले और विजन महासागर नीतियों के तहत मालदीव को एक महत्वपूर्ण भागीदार मानता है। भारतीय दूतावास ने कहा कि एक मित्र

पड़ोसी के रूप में, भारत हमेशा से मालदीव के लिए प्रथम सहायता प्रदाता रहा है। सार्क दक्षिण एशिया के आठ देशों का एक आर्थिक एवं राजनीतिक संगठन है।

सोना रहेगा मजबूत- वैश्विक अनिश्चितता में निवेशकों का भरोसेमंद ठिकाना

एक साल में 47 फीसदी की उछाल, 2030 तक 5,000 डॉलर तक पहुंचने का अनुमान

मुंबई। वैश्विक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनाव के बढ़ते माहौल के बीच सोने की कीमतें अगले कुछ वर्षों तक मजबूत बनी रह सकती हैं। कई शीर्ष वित्तीय संस्थानों के विश्लेषकों का मानना है कि निवेशक सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की ओर रुख करते रहेंगे, जिससे 2026 के अंत तक इसे लगातार समर्थन मिलेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, युद्ध जैसे हालात, ब्याज दरों में अस्थिरता और बढ़ती महंगाई जैसी चिंताएं सोने को एक स्थिर और भरोसेमंद विकल्प बनाती हैं। यह तनावपूर्ण आर्थिक परिदृश्यों में एक सुरक्षित हेवन के रूप में काम करता है, जिससे इसकी मांग और कीमतों को बल मिलता है। पिछले एक साल में सोने ने जबरदस्त प्रदर्शन किया है। मार्च 2025 में 3,019 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस से बढ़कर मार्च 2026 तक यह लगभग 4,447 डॉलर तक पहुंच गया, जो 47 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि दर्शाता है। इस तेजी के पीछे कई प्रमुख कारक हैं, जिनमें वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, भू-राजनीतिक संघर्ष, केंद्रीय बैंकों द्वारा बड़े पैमाने पर खरीद और खुदरा निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी शामिल है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि 2030 तक सोने की कीमतें 5,000 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस तक भी पहुंच सकती हैं, हालांकि यह वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और मांग पर निर्भर करेगा।

प्याज फिर हुआ महंगा, 60 रुपये के पार पहुंची कीमतें

बेमौसम बारिश से फसलें प्रभावित, स्टॉक में कमी और बिचौलियों की जमाखोरी के कारण बढ़ी कीमतें

मुंबई ।

देशभर में प्याज की बढ़ती कीमतें एक बार फिर आम आदमी को रुलाने लगी हैं। कई शहरों और मंडियों में प्याज का भाव 50 से 60 रुपये प्रति किलोग्राम के आंकड़े को पार कर गया है, जिससे रसोई का बजट बिगड़ना तय है। विशेषज्ञों का मानना है कि बेमौसम बारिश से फसलें बर्बाद होने, पुराने स्टॉक में कमी और बाजार में आपूर्ति के अंतर ने इस महंगाई को बढ़ावा दिया है। प्याज की कीमतों में इस अप्रत्याशित उछाल के पीछे मुख्य वजह प्रमुख उत्पादक राज्यों, खासकर महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में हाल ही में हुई बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि है। इन प्राकृतिक आपदाओं ने खेतों में तैयार खड़ी और कटी हुई फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया, जिससे नई फसल की आपूर्ति में जबरदस्त गिरावट आई है।

इसके साथ ही, कोल्ड स्टोरेज में रखा पुरानी प्याज का स्टॉक भी अब तेजी से खत्म हो रहा है, जबकि नई खरीफ फसल की बाजार में पूरी उपलब्धता में अभी समय है। आपूर्ति और मांग के बीच इस बड़े अंतर ने कीमतों को और अधिक बढ़ाने का काम किया है। स्थिति को और गंभीर बनाने वाली बात यह है कि कुछ व्यापारियों द्वारा भविष्य में कीमतों में और वृद्धि की आशंका के चलते प्याज का स्टॉक रोकने की खबरें भी सामने आ रही हैं। इस तरह की जमाखोरी बाजार में कृत्रिम किल्लत पैदा कर रही है, जिससे कीमतें अनावश्यक रूप से बढ़ रही हैं। इसके अलावा, डीजल की बढ़ती कीमतें और परिवहन लागत में बढ़ोतरी ने भी प्याज को महंगा किया है। खेतों से मंडियों और फिर खुदरा दुकानों तक प्याज पहुंचाने का खर्च बढ़ने से अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचने वाली कीमत में इजाफा हुआ है। बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने और आम लोगों को राहत पहुंचाने के लिए सरकार ने कमर कस ली है। कृषि मंत्रालय ने अपने बफर स्टॉक से प्याज को खुले बाजार में उतारने की योजना बनाई है।

सहकारी संस्थाओं के माध्यम से सस्ती दरों पर प्याज उपलब्ध कराने की कोशिश की जा रही है, ताकि बाजार में आपूर्ति बढ़ाई जा सके और कीमतों को नियंत्रित किया जा सके। सरकार की इस पहल से उम्मीद है कि आने वाले दिनों में आम जनता को कुछ राहत मिल सकेगी।

अप्रैल में निजी क्षेत्र की गतिविधियों में जोरदार सुधार पीएमआई 58.3 पर पहुंचा

पश्चिम एशिया संकट से मार्च में आई नरमी के बाद अप्रैल में विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में तेजी

नई दिल्ली ।

अप्रैल महीने में भारत के निजी क्षेत्र की व्यावसायिक गतिविधियों में मजबूत सुधार दर्ज किया गया है, जो उत्पादन और बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि से प्रेरित है। पश्चिम एशिया संकट से जुड़ी बाधाओं के कारण मार्च में आई नरमी के बाद यह सुधार एक सकारात्मक संकेत है। एसएंडपी ग्लोबल द्वारा संकलित एचएसबीसी का फ्लैश इंडिया कंपोजिट परचेजिंग मैनेजर्स आउटपुट इंडेक्स (पीएमआई) अप्रैल में बढ़कर 58.3 हो गया, जबकि मार्च में यह 57 अंक था। यह सूचकांक लगातार 57 महीनों से 50 के ऊपर बना हुआ है, जो वृद्धि का संकेत देता है। फ्लैश पीएमआई, जो महीने के अंतिम पीएमआई आंकड़ों का प्रारंभिक संकेत है, दर्शाता है कि विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादन और बिक्री की वृद्धि दर में विशेष रूप से सुधार हुआ है। सर्वे में शामिल कंपनियों ने बताया कि क्षमता विस्तार, बेहतर मांग की स्थिति, नए काम के बढ़ते स्तर और तकनीकी निवेश ने व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया है। हालांकि, इस दौरान मूल्य का दबाव भी बढ़ गया है, जो मुद्रास्फीति के संकेत देता है। एचएसबीसी की एक

प्रमुख अर्थशास्त्री ने टिप्पणी की कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से जुड़ी बाधाओं के कारण मार्च में आई नरमी के बाद निजी क्षेत्र की गतिविधि में तेजी आई है। उन्होंने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन और नए ऑर्डर में तेज वृद्धि ने इस तेजी का नेतृत्व किया। कंपनियों ने आपूर्ति पक्ष से होने वाले झटकों और अनिश्चितताओं का प्रबंधन करने के लिए बफर स्टॉक बनाना भी शुरू कर दिया है। क्षेत्रीय आंकड़ों की बात करें तो एचएसबीसी फ्लैश इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई अप्रैल में मार्च के 53.9 अंक (जो लगभग 4 साल का निम्नतम स्तर था) से बढ़कर 55.9 हो गया है। इसी तरह एचएसबीसी फ्लैश इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स भी मार्च के 57.5 अंक से थोड़ा बढ़कर 57.9 पर पहुंच गया, जो सेवा क्षेत्र में भी मजबूत विस्तार का संकेत है। यह सुधार भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक गति का प्रतीक है।

जेपी मोरगन ने भारतीय बाजार की घटाई रेटिंग, 20,500 तक गिर सकता है निफ्टी

निफ्टी के सभी लक्ष्य घटाए, विदेशी ब्रोकरेज की चिंताएं बढ़ीं, एचएसबीसी भी पहले घटा चुका है ग्रेड

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार को विदेशी ब्रोकरेज हाउस से एक और झटका लगा है।

एचएसबीसी के बाद अब जेपी मोरगन ने भी भारतीय इक्विटी पर अपना रुख नरम करते हुए रेटिंग को ओवरवेट से घटाकर न्यूट्रल कर दिया है। इस कदम ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है, खासकर जब निफ्टी 50 के सभी लक्ष्यों में बड़ी कटौती की गई है। जेपी मोरगन ने अपने सभी अनुमानों में कटौती करते हुए निफ्टी 50 के बुल केस लक्ष्य को 33,000 से घटाकर 30,000, बेस केस को 30,000 से 27,000 और बेयर केस को 24,000 से 20,500 कर दिया है। ब्रोकरेज हाउस ने इस बदलाव के पीछे भारतीय बाजार के ऊंचे वैल्यूएशन, कंपनियों की कमाई पर दबाव, ढ्क्क्ष से बढ़ती सप्लाई और हाई-ग्रोथ टेक सेक्टर में सीमित एक्सपोजर जैसे कारणों का हवाला दिया है। जेपी मोरगन अब भारत के बजाय ताइवान और वैश्विक टेक सेक्टर में निवेश को प्राथमिकता दे रहा है। इससे पहले एचएसबीसी ने भी भारत की रेटिंग न्यूट्रल से घटाकर अंडरवेट कर दी थी। एचएसबीसी ने मध्य पूर्व में तनाव के चलते कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों (ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल के पार) को भारत के लिए चिंता का विषय बताया था,

जिससे आयात बिल, रुपया और महंगाई पर दबाव बढ़ने की आशंका है। विदेशी ब्रोकरेज हाउस का यह सतर्क रुख वैश्विक और घरेलू दोनों मोर्चों पर चुनौतियों का संकेत दे रहा है।

विदेशी निवेश छह महीने बाद बढ़ा फरवरी में एफडीआई सकारात्मक

फरवरी में शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 4.6 अरब डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के मोर्चे पर अच्छी खबर है। लगातार छह महीनों तक नकारात्मक रहने के बाद, फरवरी 2026 में शुद्ध एफडीआई सकारात्मक हो गया, जो 4.6 अरब डॉलर दर्ज किया गया। यह उछाल सकल आवक में उल्लेखनीय वृद्धि और विदेश भेजी गई पूंजी (प्रत्यावर्तन) में कमी के कारण संभव हुआ है। यह आंकड़ा जनवरी 2026 में 1.4 अरब डॉलर और फरवरी 2025 में 70.3 करोड़ डॉलर के नकारात्मक स्तर से बेहतर है। फरवरी 2026 में सकल एफडीआई आवक बढ़कर 8.98 अरब डॉलर हो गई, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 5.56 अरब डॉलर थी। इसी माह प्रत्यावर्तन भी घटकर 1.7 अरब डॉलर रहा, जबकि पिछले वर्ष यह 2.5 अरब डॉलर और जनवरी 2026 में लगभग 5 अरब डॉलर था। शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) बहिर्गमन में भी वार्षिक आधार पर 31.03 प्रतिशत की गिरावट आई, और फरवरी 2026 में यह 3.77 अरब डॉलर से घटकर 2.63 अरब डॉलर रह गया। इस माह में लगभग 75 प्रतिशत बहिर्गामी एफडीआई सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात और ब्रिटेन की ओर था। अप्रैल-फरवरी 2025-26 के दौरान, भारत में कुल सकल एफडीआई 18.1 प्रतिशत बढ़कर 88.3 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले वर्ष 74.7 अरब डॉलर था। इसी अवधि में शुद्ध एफडीआई भी बढ़कर 6.3 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले वर्ष मात्र 1.5 अरब डॉलर था। विनिर्माण, कंप्यूटर सेवाएं, वित्तीय सेवाएं, व्यावसायिक सेवाएं और संचार सेवाएं 2025-26 के दौरान कुल इक्विटी निवेश के दो-तिहाई से अधिक के लिए जिम्मेदार रहीं, जो भारत में विदेशी निवेशकों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।

सुरक्षित जीवन की दिशा में: मलेरिया मुक्त भविष्य का संकल्प

सुनील कुमार महला

मलेरिया को आज भी एक सामान्य रोग समझ लिया जाता है, किंतु यह आज भी विश्व की सबसे गंभीर जनस्वास्थ्य समस्याओं में से एक है और हर वर्ष लाखों लोगों की मृत्यु का कारण बनता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि यह वायरस से नहीं बल्कि प्लाज्मोडियम नामक परजीवी से फैलता है, जो संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से मनुष्य के शरीर में पहुँचता है।

प्रतिवर्ष 25 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस को मनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य मलेरिया जैसी जानलेवा, घातक और व्यापक संक्रामक बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना, इसके रोकथाम के उपायों को प्रोत्साहित करना, समय पर जाँच एवं उपचार की व्यवस्था पर बल देना तथा वैश्विक स्तर पर इसके उन्मूलन के प्रयासों को गति देना है।

मलेरिया को आज भी एक सामान्य रोग समझ लिया जाता है, किंतु यह आज भी विश्व की सबसे गंभीर जनस्वास्थ्य समस्याओं में से एक है और हर वर्ष लाखों लोगों की मृत्यु का कारण बनता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि यह वायरस से नहीं बल्कि प्लाज्मोडियम नामक परजीवी से फैलता है, जो संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से मनुष्य के शरीर में पहुँचता है।पाठक जानते होंगे कि हर मच्छर मलेरिया नहीं फैलाता।मलेरिया शब्द की यदि हम यहां पर बात करें तो यह शब्द इतालवी(इटली) भाषा के माला एरिया से बना है, जिसका अर्थ खराब हवा होता है, क्योंकि प्राचीन काल में लोग मानते थे कि यह बीमारी गंदी या दूषित हवा से फैलती है, जबकि बाद में विज्ञान ने सिद्ध किया कि इसका वास्तविक कारण मच्छर हैं।

पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि मलेरिया कोई नया नहीं बल्कि, यह एक अत्यंत प्राचीन रोग है, जिसका उल्लेख प्राचीन मिस्र, भारत तथा चीन के प्राचीन ग्रंथों में भी मिलता है। संक्रमित मच्छर के काटने पर प्लाज्मोडियम परजीवी रक्त में प्रवेश कर लाल रक्त कोशिकाओं में बहुगुणित होने लगता है, जिससे रक्तहीनता (एनीमिया), कमजोरी और अन्य जटिलताएँ उत्पन्न होती हैं। बहरहाल, इसके प्रमुख लक्षणों की यदि हम यहां पर बात करें तो इसके प्रमुख लक्षणों में क्रमशः तेज बुखार, ठंड लगना, कंपकंपी, सिरदर्द, मतली, उल्टी, अत्यधिक पसीना आना, चक्कर आना, साँस फूलना, तेज नाड़ी, थकान, कमजोरी तथा जुकाम जैसी अनुभूति शामिल हैं। गंभीर अवस्था में रोगी मूर्च्छा तक में जा सकता है और व्यक्ति की मृत्यु तक भी हो सकती है। कुछ लोगों में इसके लक्षण देर से प्रकट होते हैं, किंतु छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और कमजोर प्रतिरक्षा वाले व्यक्तियों में यह शीघ्र और अधिक घातक रूप ले सकता है। रोगी के ठीक होने के बाद भी यह रोग पुनः हो सकता है। वर्षा ऋतु में या वर्षा के बाद जब घरों, गलियों और आसपास के क्षेत्रों में पानी जमा हो जाता है, तब मच्छरों का प्रजनन तेजी से होता है और संक्रमण का प्रसार बढ़ जाता है। यही कारण है कि स्वच्छता और जलभराव रोकना मलेरिया नियंत्रण का अत्यंत महत्त्वपूर्ण उपाय माना जाता है। यह रोग मुख्य रूप से

अफ्रीका, एशिया, अमेरिका तथा अन्य उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है, क्योंकि वहाँ की जलवायु मच्छरों के पनपने के लिए अनुकूल होती है। मलेरिया गरीब क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है, क्योंकि वहाँ स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं, सुरक्षित आवास और रोकथाम के संसाधनों की कमी होती है।

बहरहाल, यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि वर्ष 2007 में विश्व स्वास्थ्य सभा के 60वें सत्र में इसे मनाने का निर्णय लिया गया था और पहला आधिकारिक विश्व मलेरिया दिवस 25 अप्रैल 2008 को मनाया गया था।हर साल इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और वर्ष 2025 की थीम-मलेरिया का अंत हमसे होगा: पुनर्निवेश करें, नए तरीके सोचें और प्रयासों को फिर से प्रज्वलित करें। रखी गई थी ,जिसका मतलब है कि मलेरिया का अंत हमारे अपने प्रयासों से ही संभव है। सरल शब्दों में कहें तो मलेरिया नियंत्रण और अनुसंधान में फिर से अधिक संसाधन, धन और ध्यान लगाना होगा,इस पर नियंत्रण के लिए हमें नए सिरे से सोचना होगा। हमें पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ नए, प्रभावी और आधुनिक उपाय अपनाने होंगे तथा मलेरिया उन्मूलन के वैश्विक प्रयासों में नई ऊर्जा और उत्साह पैदा करना होगा। वहीं इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में इसकी थीम-मलेरिया समाप्त करने के लिए प्रेरित: अब हम कर सकते हैं, अब हमें करना ही होगा। रखी गई है। वास्तव में इसका सीधा सा संदेश यह है कि अवसर और साधन मौजूद हैं, इसलिए अब देरी नहीं, बल्कि निर्णायक कार्रवाई का समय है।

हाल फिलहाल, यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो वैश्विक स्तर पर मलेरिया के मामले लगभग 28.2 करोड़ तक पहुँच चुके हैं और लगभग 6.10 लाख लोगों की मृत्यु हुई है, जिनमें अधिकांश पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चे हैं। पूर्व की विश्व मलेरिया रिपोर्टों में यह तथ्य भी सामने आया कि कुछ वर्षों में हर 50 सेकंड में एक व्यक्ति की मृत्यु मलेरिया के कारण हो रही थी। वर्ष 2020 में विश्व स्तर पर 6,27,000 लोगों की मृत्यु मलेरिया के कारण दर्ज की गई थी, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक थी।इन सभी के बीच राहत की बात यह है कि दुनिया के 47 देश मलेरिया मुक्त घोषित किए जा चुके हैं और चीन को भी मलेरिया मुक्त देश का दर्जा प्राप्त हुआ है। वहीं पर, भारत की स्थिति पिछले वर्षों में उत्साहजनक रही है। देश ने एक दशक में मलेरिया मामलों में लगभग 80 प्रतिशत कमी दर्ज की है,यह काबिले-तारीफ है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत सरकार ने 2027 तक मलेरिया मुक्त भारत और 2030 तक पूर्ण उन्मूलन का लक्ष्य रखा है। अतीत में ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ पश्चिम बंगाल और पंजाब जैसे राज्य मलेरिया से अधिक प्रभावित रहे, विशेषकर दूरस्थ ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 19वीं सदी के अंत और 20वीं सदी की शुरूआत में भारत की लगभग एक चौथाई आबादी मलेरिया से प्रभावित बताई जाती है। 1935 के एक सर्वेक्षण के अनुसार भारत को मलेरिया के कारण प्रतिवर्ष भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था। भारत सरकार ने 1953 में राष्ट्रीय मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम आरंभ किया, जो अत्यंत सफल रहा, और 1958 में राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। निरंतर सरकारी प्रयासों, चिकित्सा सेवाओं, दवाओं और जागरूकता अभियानों से रोगियों की संख्या में भारी कमी आई, किंतु अभी भी पूर्ण सफलता शेष है। मलेरिया से बचाव के लिए मच्छरदानी का उपयोग, घर के आसपास पानी जमा न होने देना, जल टंकियों को ढककर रखना, खड़े पानी को सुखाना या बहाना, पानी की सतह पर तेल डालना जिससे लार्वा साँस न ले सके, नियमित साफ-सफाई, पूरी बाँह के कपड़े पहनना, समय पर जाँच, डॉक्टर की सलाह से दवा लेना तथा कीटनाशकों का छिड़काव करना अत्यंत आवश्यक है।

बहुत कम लोग ही यह बात जानते होंगे कि सेनाओं और सुरक्षा बलों में मलेरिया रोकथाम पर विशेष ध्यान दिया जाता है, क्योंकि उनकी तैनाती प्रायः जंगलों, सीमावर्ती क्षेत्रों और मच्छर-बहुल स्थानों पर होती है, इसलिए मच्छरदानी का उपयोग वहाँ अनिवार्य माना जाता है। मलेरिया का उपचार कुनैन तथा आर्टिमीसिनिन जैसी दवाओं से किया जाता है। कुनैन सिनकोना नामक वृक्ष से प्राप्त होती है। आरटीएस ,एसऔर आर-21 ऐसे टीके हैं जिन्हें विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मंजूरी दी है और जिनसे विशेषकर बच्चों की सुरक्षा में सहायता मिली है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि मच्छर नियंत्रण के लिए डीडीटी (डाइक्लोरो-डाइफेनाइल-ट्राइक्लोरोइथेन) कभी अत्यंत प्रभावी हथियार सिद्ध हुआ था। यह पहला आधुनिक कीटनाशक माना जाता है। इसका संश्लेषण 1874 में ऑस्ट्रिया के रसायनज्ञ ओथमार जीडलर ने किया था तथा इसके कीटनाशी गुणों की खोज 1939 में पॉल हरमन मुलर ने की थी, जिन्हें 1948 में नोबेल पुरस्कार मिला। गौरतलब है कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सैनिकों और आम जनता को मलेरिया तथा टाइफस से बचाने के लिए इसका व्यापक उपयोग हुआ। बाद में पर्यावरणीय प्रभावों के कारण इसके उपयोग पर नियंत्रण लगाया गया, किंतु कुछ परिस्थितियों में मलेरिया नियंत्रण हेतु सीमित उपयोग को स्वीकृति दी गई। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, बढ़ती गर्मी, मच्छरों में कीटनाशक प्रतिरोधक क्षमता, परजीवियों में दवा प्रतिरोध, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, गरीबी, पर्याप्त कोष का अभाव, सामुदायिक भागीदारी की कमी, समय पर छिड़काव न होना, रोग की पहचान में देरी तथा दूरस्थ क्षेत्रों तक चिकित्सा सुविधा न पहुँच पाना मलेरिया उन्मूलन की बड़ी बाधाएँ हैं। इसलिए आवश्यक है कि जागरूकता अभियान चलाए जाएँ, रेडियो, फिल्म, विद्यालयों और सामाजिक माध्यमों से जानकारी पहुँचाई जाए, गरीबों को स्वास्थ्य संसाधन उपलब्ध कराए जाएँ, स्वच्छता पर बल दिया जाए और वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाए। अंत में यही कहूंगा कि विश्व मलेरिया दिवस हमें यह संदेश देता है कि यदि सरकार, समाज, चिकित्सा संस्थान और प्रत्येक नागरिक सामूहिक संकल्प के साथ आगे आएँ, तो मलेरिया जैसी बीमारी को हराकर मलेरिया मुक्त भारत और मलेरिया मुक्त विश्व का सपना अवश्य साकार किया जा सकता है।

संपादकीय

जीवनशैली के रोग

निस्संदेह, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानी एनएसओ की वह रिपोर्ट राष्ट्रीय चिंता बढ़ाने वाली है कि देश की पचास फीसदी आबादी जीवनशैली से जुड़े रोगों से ग्रस्त-त्रस्त है। यह भी फिक्र बढ़ाने वाला है कि एक दशक पहले देश में खान-पान, जीवन व्यवहार व तनाव से उपजे रोगों का प्रतिशत जहां 31 था, वो अब पचास फीसदी तक जा पहुंचा है। वहीं एक अच्छी बात यह है कि चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार व नये शोध अनुसंधान के चलते संक्रामक रोगों का प्रतिशत घटा है। लेकिन हमारे खानपान व जीवन व्यवहार में तेजी से आ रहे बदलावों के चलते लोग मोटापे, मधुमेह, तनाव व उच्च रक्तचाप जैसे रोगों के शिकार हो रहे हैं, जिसके चलते जानलेवा संकट भी बढ़ रहा है। हमें स्वीकार करना होगा कि आजादी के बाद देश में आम आदमी के जीवन स्तर में किसी न किसी तरह सकारात्मक बदलाव आया है, जिसके चलते जीवनशैली भी बदली है। लेकिन पौष्टिक व शरीर की जरूरतों के अनुकूल भोजन न करने, शारीरिक निष्क्रियता, स्क्रीन टाइम बढ़ने से नींद की कमी आदि अनेक ऐसे कारण हैं जो इन रोगों के वाहक बनते हैं। इसमें आनुवंशिक रोगों की भी भूमिका है। धीरे-धीरे शरीर को खोखला करने वाले ये रोग कालांतर जानलेवा बन जाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन भी चिंता जता रहे हैं कि भारत में विभिन्न रोगों से मरने वाले ज्यादातर लोगों की मौत की वजह संक्रामक रोग के बजाय जीवनशैली से जुड़े रोग हैं। जो हमारी गभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि चिकित्सा विज्ञान की आशातीत प्रगति के चलते आम भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इजाफा हुआ है, लेकिन जीवनशैली से जुड़े रोगों का बढ़ना इस कामयाबी पर पानी फेरने जैसा है। यही वजह है कि देश में स्वास्थ्य बीमा कारोबार में तेजी आई है, यह तेजी ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक है। लेकिन ये बीमा कंपनियां रोग से बचाव में मदद करने के बजाय व्यक्ति के रोगों के इलाज को प्राथमिकता देती हैं। हालांकि, देश में जीवनशैली से जुड़े रोगों से बचाव के लिये जागरूकता जरूर आई है। जिसके लिये राजग सरकार को श्रेय देना होगा। प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग का दुनिया में व्यापक प्रचार-प्रसार हुआ है। यह जागरूकता भारत में भी है। लेकिन बड़ी आबादी अब भी इससे दूर है। प्रधानमंत्री ह्यमन की बातह्व रेडियो कार्यक्रम व अन्य मंचों से मोटापे से बचाव और खानपान में मिलेट अपनाने पर अक्सर बल देते नजर आते हैं। लेकिन इस पर सकारात्मक प्रतिसाद अपेक्षित अनुपात में नहीं मिल पाया है। यही वजह है कि लोगों को महंगा इलाज कराने को बाध्य होना पड़ता है। विडंबना है कि उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसे रोगों से राहत के लिये डॉक्टर जीवनभर दवा खाने को कहते हैं। तमाम लोग निजी अस्पतालों में हृदयरोग आदि के महंगे इलाज से गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं। कोरोना संकट के सबक हमें याद रखने चाहिए, जब लोगों ने जेवर, जमीन व मकान तक गिरवी रखकर अपना उपचार कराया। लेकिन यदि लोग शारीरिक सक्रियता बढ़ाएं, योग, ध्यान और व्यायाम को जीवन का हिस्सा बनाएं तो इन रोगों से बच सकते हैं।

चिंतन-मनन

ईश्वर का स्वरूप क्या है?

पहले अपने स्वरूप को जानों

एक महात्मा से किसी ने पूछा- ईश्वर का स्वरूप क्या है?

महात्मा ने उसी से पूछ दिया-तुम अपना स्वरूप जानते हो?

वह बोला- नहीं जानता।

तब महात्मा ने कहा- अपने स्वरूप को जानते नहीं जो साढ़े तीन हाथ के शरीर में मैं-मैं कर रहा है और संपूर्ण विश्व के अधिष्ठान परमात्मा को जानने चले हो। पहले अपने को जान लो, तब परमात्मा को तुरंत जान जाओगे। एक व्यक्ति एक वस्तु को दूरबीन से देख रहा है। यदि उसे यह नहीं ज्ञान है कि वह यंत्र वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु के सही स्वरूप का ज्ञान कैसे होगा?

अतः अपने यंत्र के विषय में पहले जानना आवश्यक है। हमारा ज्ञान इन्द्रियों के द्वारा संसार दिखलाता है। हम यह नहीं जानते कि वह दिखाने वाला हमें यह संसार यथावत? ही दिखलाता है या घटा-बढ़ाकर या विकृत करके दिखलाता है। गुलाब को नेत्र कहते हैं- यह गुलाबी है। नासिका कहती है- यह इसमें एक प्रिय सुगंध है। त्वचा कहती है- यह कोमल और शीतल है। चखने पर मालूम पड़ेगा कि इसका स्वाद कैसा है। पूरी बात कोई इंद्री नहीं बतलाती। सब इन्द्रियां मिलकर भी वस्तु के पूरे स्वभाव को नहीं बतला पातीं।

आचार्य महाश्रमण की निर्गुण-चेतना से विश्व-शांति की नई दिशा

ललित गर्ग

मानव इतिहास के इस अशांत और संक्रमणकालीन दौर में जब विश्व का परिदृश्य युद्ध, हिंसा, आतंकवाद और वैचारिक टकरावों से आच्छादित है, तब शांति, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों की पुकार पहले से कहीं अधिक तीव्र हो उठी है। ऐसे समय में आचार्य महाश्रमण एक ऐसे आध्यात्मिक प्रकाशस्तंभ के रूप में उभरते हैं, जिनका चिंतन केवल किसी एक पंथ, सम्प्रदाय या राष्ट्र तक सीमित नहीं है, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के कल्याण का व्यापक दृष्टिकोण अपने भीतर समेटे हुए है। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व 'निर्गुण रंगी चदरिया' की उस अनुभूति को मूर्त करता है, जो गुणों के पार जाकर आत्मा की शुद्ध चेतना में स्थित होने का संदेश देती है। भगवद्गीता में अर्जुन को दिए गए श्रीकृष्ण के उपदेश 'त्रिगुणातीत बन जा' के अनुरूप आचार्य महाश्रमण का जीवन एक सजीव उदाहरण बनकर सामने आता है। उन्होंने सत्व, रज और तम के बंधनों को पार कर उस निर्गुण अवस्था को साधने का प्रयास किया है, जहाँ व्यक्ति न केवल आत्मबोध को प्राप्त करता है, बल्कि समष्टि के कल्याण का माध्यम भी बन जाता है। उनका यह दृष्टिकोण केवल दार्शनिक विमर्श नहीं, बल्कि व्यवहारिक जीवन में उतरा हुआ सत्य है। उनकी साधना 'सत्य की पूजा' नहीं करती, बल्कि 'सत्य की शल्य-चिकित्सा' करती है अर्थात् वे सत्य को केवल स्वीकार नहीं करते, बल्कि उसकी गहराई में उतरकर उसे परिष्कृत करते हैं।

आचार्य महाश्रमण का जीवन 'रहें भीतर, जीएँ बाहर' के सूत्र पर आधारित है। यह सूत्र आधुनिक जीवन की जटिलताओं में संतुलन स्थापित करने का एक अद्वितीय मार्ग प्रस्तुत करता है। आज का मनुष्य बाहरी उपलब्धियों की दौड़ में अपने भीतर के शून्य को अनदेखा कर देता है, जिसके परिणामस्वरूप तनाव, असंतोष और हिंसा का जन्म होता है। आचार्य महाश्रमण का चिंतन इस अंतर्विरोध को समाप्त करने का प्रयास करता है। वे सिखाते हैं कि यदि भीतर शांति और संतुलन है, तो बाहर का जीवन स्वतः ही सुव्यवस्थित हो जाता है। यही कारण है कि उनकी साधना केवल आत्मिक उन्नति तक सीमित नहीं रहती, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का भी आधार बनती है। उनकी 'अहिंसा यात्रा' आज के समय की एक ऐतिहासिक और युगान्तरकारी पहल है, जो हमें दांडी यात्रा और भूदान आंदोलन की याद दिलाती है। यह यात्रा केवल एक पदयात्रा नहीं, बल्कि विचारों की क्रांति है-एक ऐसी क्रांति, जो हथियारों से नहीं, बल्कि संवाद, संवेदना और संस्कारों से संचालित होती है। देश-विदेश के विभिन्न क्षेत्रों में पैदल चलकर उन्होंने लाखों लोगों से सीधा संवाद स्थापित किया, उन्हें नशामुक्ति, सदाचार, नैतिकता और अहिंसा के मार्ग पर अग्रसर किया। आज जब विश्व के अनेक देश युद्ध और आतंकवाद की विभीषिका से जूझ रहे हैं, तब आचार्य महाश्रमण का यह प्रयास एक वैकल्पिक मार्ग प्रस्तुत करता है-एक ऐसा मार्ग, जहाँ शांति केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि एक व्यवहारिक संभावना बन जाती है। उनकी दृष्टि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को साकार करती है, जहाँ सम्पूर्ण विश्व एक परिवार के रूप में देखा जाता है। वे किसी व्यक्ति को उसके धर्म, जाति, वर्ग या क्षेत्र के आधार पर नहीं, बल्कि उसके भीतर विद्यमान गुणों के आधार पर आंकते हैं। यह दृष्टिकोण न केवल सामाजिक समरसता को बढ़ावा देता है, बल्कि वैश्विक स्तर पर शांति और सहयोग की नींव भी रखता है। आज जब पहचान की राजनीति और सांस्कृतिक विभाजन समाज को खंडित कर रहे हैं, तब आचार्य महाश्रमण का यह समन्वयवादी दृष्टिकोण अत्यंत प्रासंगिक हो उठता है।

आचार्य महाश्रमण की सादगी, विनम्रता और अनुशासन उनके व्यक्तित्व की विशिष्ट पहचान हैं। आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ जैसे महान आचार्यों के सान्निध्य में विकसित उनका जीवन एक ऐसी परंपरा का प्रतिनिधित्व करता है, जो आत्मानुशासन और सेवा को सर्वोच्च मूल्य मानती है। बाल्यावस्था में ही दीक्षा लेकर उन्होंने जिस तप, त्याग और समर्पण का मार्ग अपनाया, वह आज के भौतिकतावादी युग में एक प्रेरणास्रोत है। उनकी जीवन यात्रा मोहनलाल से मुनि मुदितकुमार, फिर महाश्रमण और अंततः आचार्य बनने तक एक ऐसी साधना गाथा है, जो यह सिद्ध करती है कि आत्मबल और संकल्प से किसी भी ऊँचाई को प्राप्त किया जा सकता है। आचार्य महाश्रमण की बौद्धिक प्रतिभा भी उतनी ही प्रभावशाली है, जितनी उनकी आध्यात्मिक साधना। उत्तराध्ययन सूत्र और भगवद्गीता जैसे महान ग्रंथों का तुलनात्मक अध्ययन कर उन्होंने यह सिद्ध किया है कि सत्य किसी एक परंपरा का एकाधिकार नहीं है। उनके प्रवचनों का संकलन 'सुखी बनो' इस दृष्टि का सशक्त उदाहरण है, जिसमें उन्होंने जीवन को सरल, सार्थक और संतुलित बनाने के सूत्र प्रस्तुत किए हैं। उनका चिंतन आगम, दर्शन, तर्कशास्त्र, मनोविज्ञान और समाजशास्त्र जैसे विविध क्षेत्रों को समाहित करता है, जिससे उनका व्यक्तित्व एक बहुआयामी मनीषी के रूप में उभरता है।

आज के वैश्विक परिदृश्य में, जहाँ युद्ध की विभीषिका और परमाणु हथियारों की होड़ मानव अस्तित्व के लिए एक गंभीर खतरा बन चुकी है, वहाँ आचार्य महाश्रमण का 'अहिंसा का शंखनाद' एक जीवनदायी संदेश के रूप में सामने आता है। उनका यह विश्वास कि 'अहिंसा केवल एक सिद्धांत नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है', हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या वास्तव में हिंसा के माध्यम से स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है? उनका उत्तर स्पष्ट है-नहीं। शांति का मार्ग केवल संवाद, सहिष्णुता और करुणा से होकर गुजरता है। उनके प्रयासों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे केवल उपदेश नहीं देते, बल्कि स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। प्रतिदिन नई ऊर्जा और संकल्प के साथ वे मानव उत्थान के कार्यों में जुटे रहते हैं। उनकी दिनचर्या, उनका अनुशासन और उनका समर्पण यह दशार्ता है कि सच्चा नेतृत्व वही है, जो अपने आचरण से दूसरों को प्रेरित करे। उनके नेतृत्व में तेरापंथ धर्मसंघ न केवल संगठित और सशक्त हुआ है, बल्कि उसने समाज सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य और नैतिक जागरण के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

निश्चित तौर पर जैन धर्म के महान तपस्वी, अनुशासनप्रिय, दूरदर्शी और तेजस्वी आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में आध्यात्मिकता और आधुनिकता का अद्भुत संगम बनी जैन विश्व भारती में इस वर्ष योगक्षेम वर्ष के रूप में एक नया आध्यात्मिक इतिहास रचा जा रहा है, आध्यात्मिक प्रशिक्षण की एक नई परंपरा विकसित की जा रही है। देशभर में विचरण करने वाले साधु-संतों को एक जगह बुलाकर आचार्य महाश्रमण उन्हें अध्यात्म का प्रशिक्षण दे रहे हैं। यह वास्तव में जैन धर्म का एक अनूठा और संभवतः पहला ऐसा व्यापक प्रयोग है, जिसमें वर्षभर तक साधु-साध्वियों के साथ-साथ श्रावक समाज को भी गहन एवं व्यवस्थित रूप से जैन एवं तेरापंथ दर्शन, अध्यात्म, योग, ध्यान, स्वाध्याय, संयम और जीवन मूल्यों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आचार्य श्री महाश्रमण की दूरदर्शी सोच, उनका अनुशासन, उनका साधना-प्रधान जीवन और समाज को आध्यात्मिक दिशा देने का उनका प्रयास वास्तव में अद्वितीय है। उन्होंने धर्म को केवल परंपरा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जीवन और समाज से जोड़ा। समय को बांधने की अद्भुत खूबी है उनमें। कम समय में अधिक काम। वह भी इतनी सहजता और निर्भरता से सम्पादित कर लेने की सामर्थ्य, उनकी कार्य व्यस्तता कभी व्यग्रता में नहीं बदलती। यह सब इसीलिए हो सकता है कि उनकी प्रत्येक प्रवृत्ति निवृत्ति से निथर कर आती है। उनकी क्रियाशीलता आंतरिक स्थिरता स्थितप्रज्ञता से अभिनिःसृत होती है।

बंपर वोटिंग का संदेश: क्या ज्यादा मतदान सत्ता की वापसी का संकेत है या बदलाव की आहट–जनता की चुप्पी में छिपा जनादेश

कांतिलाल मांडोत

तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनावों में रिकॉर्ड तोड़ मतदान ने भारतीय लोकतंत्र की जीवंतता और परिपक्वता को एक बार फिर रेखांकित किया है। भीषण गर्मी, लंबी कतारें और कई जगहों पर तनावपूर्ण माहौल के बावजूद जिस तरह मतदाताओं ने उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया, वह सिर्फ एक चुनावी प्रक्रिया नहीं बल्कि लोकतांत्रिक भागीदारी का सशक्त प्रदर्शन है। यह सवाल अब स्वाभाविक रूप से उठता है कि इतनी भारी वोटिंग का अर्थ क्या है–क्या यह सत्तारूढ़ दल के पक्ष में जनसमर्थन का संकेत है या फिर परिवर्तन की इच्छा का प्रतीक?

इतिहास बताता है कि अधिक मतदान को एक ही नजरिए से नहीं देखा जा सकता। कई बार ज्यादा मतदान सत्ता में बैठे दल के पक्ष में गया है, तो कई बार यह बदलाव की लहर का संकेत भी बना है। इसलिए इस बार भी केवल प्रतिशत के आधार पर निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है कि जब सामान्य से कहीं अधिक मतदाता मतदान के लिए निकलते हैं, तो उसके पीछे कोई न कोई मजबूत भावनात्मक या राजनीतिक कारण जरूर होता है।

पश्चिम बंगाल में इस बार मतदान का प्रतिशत 90% के पार चला गया, जो अपने आप में एक असाधारण स्थिति है। यहां चुनाव हमेशा से राजनीतिक रूप से संवेदनशील और कभी-कभी हिंसक भी रहे हैं। इस बार भी छिटपुट हिंसा की घटनाएं सामने आईं, लेकिन इसके बावजूद लोगों का बड़ी संख्या में मतदान करना यह दशार्ता है कि वे अपने वोट के महत्व को समझते हैं और किसी भी परिस्थिति में लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग करना चाहते हैं। यहां मुख्य मुकाबला तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच है, और दोनों ही दल इस भारी मतदान को अपने-अपने पक्ष में बता रहे हैं।

तृणमूल कांग्रेस का मानना है कि यह मतदान उनके खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों और कथित मतदाता सूची पुनरीक्षण (SIR) के विरोध में जनता की प्रतिक्रिया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसे 'जनता की आवाज' बताया है, जो उनके अनुसार बाहरी हस्तक्षेप और राजनीतिक दबाव के खिलाफ है। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी इसे 'परिवर्तन की लहर' के रूप में पेश कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषणों में दावा किया है कि जहां ज्यादा मतदान हुआ है, वहां भाजपा को बढ़त मिलती दिख रही है।

तमिलनाडु की स्थिति थोड़ी अलग लेकिन उतनी ही रोचक है। यहां परंपरागत रूप से द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के बीच सीधी टक्कर रहती है। इस बार भी यही मुकाबला देखने को मिल रहा है, लेकिन अभिनेता विजय की नई पार्टी ने समीकरणों को थोड़ा जटिल बना दिया है। रिकॉर्ड मतदान को यहां स्पष्ट जनादेश की संभावना के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि आमतौर पर तमिलनाडु में जब मतदान प्रतिशत बहुत अधिक होता है, तो मतदाता किसी एक पक्ष में स्पष्ट रूप से झुकाव दिखाते हैं।

इस बार के चुनावों में एक और महत्वपूर्ण पहलू महिलाओं की बढ़ती भागीदारी है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, कई क्षेत्रों में महिलाओं ने पुरुषों से अधिक मतदान किया है। यह केवल संख्या का मामला नहीं है, बल्कि यह सामाजिक बदलाव का संकेत भी है। महिलाएं अब केवल मतदाता नहीं रहीं, बल्कि वे निर्णायक भूमिका निभा रही हैं। उनके मुद्दे–महंगाई, सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और परिवार की आर्थिक स्थिति–चुनावी विमर्श के केंद्र में आ चुके हैं।

अगर मुद्दों की बात करें तो दोनों राज्यों में स्थानीय और राष्ट्रीय दोनों तरह के मुद्दे प्रभावी रहे हैं। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा, भ्रष्टाचार के आरोप, केंद्र-राज्य संबंध और पहचान की राजनीति प्रमुख मुद्दे रहे हैं। वहीं तमिलनाडु में विकास, रोजगार, शिक्षा और क्षेत्रीय अस्मिता जैसे विषयों ने मतदाताओं को प्रभावित किया है। महंगाई और बेरोजगारी जैसे राष्ट्रीय मुद्दों का असर भी दोनों राज्यों में साफ दिखाई देता है।

बंपर वोटिंग का एक मनोवैज्ञानिक पहलू भी होता है। जब लोग बड़ी संख्या में मतदान करने निकलते हैं, तो यह

संकेत होता है कि वे मौजूदा स्थिति से संतुष्ट नहीं हैं या फिर वे किसी बदलाव को लेकर उत्साहित हैं। यह असंतोष भी हो सकता है और उम्मीद भी। इसलिए यह कहना मुश्किल है कि यह मतदान किसके पक्ष में जाएगा, लेकिन इतना तय है कि यह सामान्य चुनाव नहीं है। राजनीतिक दलों के दावे अपनी जगह हैं, लेकिन असली तस्वीर 4 मई को सामने आएगी जब नतीजे घोषित होंगे। तब यह स्पष्ट होगा कि जनता ने किस पर भरोसा जताया और किसे नकार दिया। फिलहाल, यह कहा जा सकता है कि इस बार का चुनाव केवल सत्ता की लड़ाई नहीं है, बल्कि यह जनता की आकांक्षाओं, उम्मीदों और असंतोष का प्रतिबिंब है।

अंततः, बंपर वोटिंग लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह दशार्ता है कि जनता जागरूक है, सक्रिय है और अपने अधिकारों के प्रति गंभीर है। चाहे परिणाम कुछ भी हों, यह भागीदारी ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में प्रदर्शन के दौरान अधिकारी पर हमला करने का आरोप

कोलोराडो , एजेंसी। अमेरिका के कोलोराडो में एक इमिग्रेशन अधिकारी पर एक महिला प्रदर्शनकारी के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है। अधिकारी पर तीसरे दर्जे के हमले और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया है। घटना तब हुई जब लोग एक आईसीई केंद्र के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। महिला ने आरोप लगाया कि अधिकारी ने उसे पकड़कर गला दबाया और सड़क के दूसरी ओर फेंक दिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिससे मामला और गंभीर हो गया है। इस मामले की जांच कोलोराडो जांच ब्यूरो कर रही है। पुलिस ने इसे गंभीर मामला बताया है और आगे की कार्रवाई जारी है। यह घटना अमेरिका में पुलिस और जनता के बीच बढ़ते तनाव को भी दिखाती है।

श्रीलंका : अवैध रूप से रह रहे एक भारतीय समेत 51 विदेशी गिरफ्तार

नेगोम्बो , एजेंसी। श्रीलंका के नेगोम्बो शहर में वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी अवैध रूप से रह रहे 50 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक भारतीय नागरिक भी शामिल है। आव्रजन और आप्रवासन विभाग ने मंगलवार को एक आवास पर छापा मारकर यह कार्रवाई की। गिरफ्तार किए गए लोगों में 47 चीनी, 2 मलयेशियाई और एक भारतीय नागरिक है। अधिकारियों के अनुसार ये सभी व्यापार वीजा पर श्रीलंका आए थे।

इंडोनेशिया : 16 वर्ष से कम के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर रोक

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया की संचार मंत्री मेउत्या हाफिद ने बुधवार को बताया कि वीडियो प्लेटफॉर्म यूट्यूब ने बच्चों के लिए लागू सोशल मीडिया प्रतिबंधों का पालन करने पर सहमति दे दी है। गूगल के स्वामित्व वाले यूट्यूब ने इस संबंध में अनुपालन पत्र सौंप दिया है। नए नियमों के तहत, इंडोनेशिया ने उच्च जोखिम वाले प्लेटफार्मों को 16 साल से कम उम्र के बच्चों के अकाउंट निष्क्रिय करने का निर्देश दिया है। कंपनी भविष्य में बच्चों और किशोरों को लक्षित करने वाले विज्ञापनों को भी हटाएगी। यूट्यूब ने बाल सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता जताई।

ट्रंप की मीडिया कंपनी टीएमटीजी ने ट्रुथ सोशल के सीईओ को हटाया

वाशिंगटन, एजेंसी। सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल की मूल कंपनी ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ने पूर्व कांग्रेसी डेविन नुनेस को सीईओ पद से हटा दिया है। उनकी जगह डिजिटल मीडिया कार्यकारी केविन मैकगर्न को जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह बदलाव कंपनी के शेयरों में 67 फीसदी की भारी गिरावट के बाद हुआ है, जिससे निवेशकों के 6 अरब डॉलर से अधिक डूब गए। नए सीईओ मैकगर्न ने कहा कि कंपनी अब ऊंची उड़ान भरने के लिए तैयार है। ट्रंप ने इस प्लेटफॉर्म को ट्विटर के विकल्प के रूप में बनाया था।

आईएनएस निरीक्षक पहुंचा श्रीलंका... और बढ़ेगा समुद्री सहयोग

कोलंबो, एजेंसी। भारतीय नौसेना पोत (आईएनएस) निरीक्षक ऑपरेशनल टर्नअराउंड यानी संक्षिप्त पड़ाव और प्रशिक्षण यात्रा के लिए श्रीलंका पहुंच गया हैं। इस दौरे का मकसद दोनों पड़ोसी देशों के बीच समुद्री सहयोग को और मजबूती देना है। भारतीय उच्चायोग ने बताया, श्रीलंकाई नौसेना ने मंगलवार को पुरानी नौसैन्य परंपराओं के मुताबिक कोलंबो बंदरगाह पर आईएनएस निरीक्षक का स्वागत किया। यह कमांडर शैलेश कुमार त्यागी के नेतृत्व में श्रीलंकाई गोताखोरों को प्रशिक्षण देगा व अन्य गतिविधियों में भाग लेगा।

फिटनेस से जीतना चाहते हैं चुनाव लूला दा सिल्वा

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा 80 साल की उम्र में भी चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। उम्र को लेकर उठ रहे सवालों के बीच वह रोज जिम में वर्कआउट कर रहे हैं और खुद को फिट दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। उनका कहना है कि वह 120 साल तक जीना चाहते हैं। उनके प्रतिद्वंदी फ्लेवियो बोल्सोनारो उनसे लगभग आधी उम्र के हैं और वह भी फिटनेस दिखाकर लोगों को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। दोनों के बीच अब चुनाव सिर्फ नीतियों का नहीं बल्कि छवि का भी बन गया है। कुछ लोग लूला की उम्र को लेकर चिंतित हैं, जबकि कई लोग उनकी फिटनेस से प्रेरित भी हो रहे हैं। ब्राजील में 60 साल से ऊपर के मतदाताओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जिससे यह चुनाव और दिलचस्प हो गया है। इस बार मुकाबला काफी कड़ा माना जा रहा है।

ईरान ने मेरे सम्मान में 8 महिलाओं की फांसी रोकी, ट्रंप का दावा; लेकिन खुल गई पोल

तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के बीच आठ ईरानी महिला प्रदर्शनकारियों की कथित फांसी की सजा को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। एक तरफ ट्रंप दावा कर रहे हैं कि उनके कहने पर ईरान ने फांसी रोक दी है, वहीं ईरान ने उनके दावों को पूरी तरह से झूठा और मनगढ़ंत करार दिया है।

ट्रंप का दावा: ईरान ने मेरा सम्मान किया : बुधवार को डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान ने उनके प्रति सम्मान दिखाते हुए आठ महिला प्रदर्शनकारियों की फांसी रद्द कर दी है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर इसे बहुत अच्छी खबर बताते हुए कहा कि इन आठ में से चार महिलाओं को तुरंत रिहा कर दिया जाएगा और बाकी चार को सिर्फ एक महीने की जेल होगी। ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा- बहुत अच्छी खबर! मुझे अभी-अभी सूचित किया गया है कि ईरान में आज रात जिन आठ महिला प्रदर्शनकारियों को फांसी दी जाने वाली थी, उन्हें अब नहीं मारा जाएगा। चार को तुरंत रिहा कर दिया जाएगा, और चार को एक महीने की जेल की सजा सुनाई जाएगी। मैं इस बात की बहुत सराहना करता हूं कि ईरान और उसके नेताओं ने संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में मेरे अनुरोध का सम्मान किया और प्रस्तावित फांसी को रद्द कर दिया। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद! राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप।

ईरान का खंडन: ट्रंप अफवाहों का शिकार हुए : ईरान ने ट्रंप के इन दावों को सिरे से खारिज करते हुए इसे अपनी इज्जत बचाने की कोशिश बताया है। ईरानी न्यायपालिका की समाचार एजेंसी 'मीजान' ने स्पष्ट किया कि इन महिलाओं को फांसी देने की कोई योजना ही नहीं थी। एजेंसी ने बताया कि इनमें से कई महिलाओं को पहले ही रिहा किया जा चुका है। कुछ महिलाओं पर ऐसे आरोप जरूर हैं जिनमें उन्हें जेल हो सकती है, लेकिन मौत की सजा का कोई सवाल ही नहीं था। मीजान ने तंज कसते हुए कहा कि युद्ध के मैदान में खाली हाथ रहने के कारण ट्रंप हताश हैं और झूठी खबरों के जरिए अपनी फर्जी उपलब्धियां गढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। उनका कहना है कि ट्रंप ईरान विरोधी गुटों द्वारा फैलाई गई झूठी अफवाहों के झांसे में आ गए हैं।

मंगलवार को ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर सोशल मीडिया एक्टिविस्ट इयाल याकोबी की एक पोस्ट का स्क्रीनशॉट शेयर किया था। याकोबी ने अपनी पोस्ट में दावा किया था कि ईरान आठ महिलाओं को फांसी पर लटकाने की तैयारी कर रहा है। इस पोस्ट में उन महिलाओं की तस्वीरें भी शामिल थीं, जिन्हें फांसी दिए जाने का खतरा था।

इस जानकारी के सामने आने के बाद, ट्रंप ने सीधे ईरानी सरकार को संबोधित करते हुए एक सख्त लेकिन कूटनीतिक संदेश दिया थाः ईरानी नेताओं को, जो जल्द ही मेरे प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करने वाले हैंः मैं इन महिलाओं की रिहाई की बहुत सराहना करूंगा। मुझे पूरा यकीन है कि वे (अमेरिकी प्रतिनिधि) इस बात का सम्मान करेंगे कि आपने ऐसा किया है। कृपया उन्हें (महिलाओं को) कोई नुकसान न पहुंचाएं! यह हमारी बातचीत के लिए एक शानदार शुरुआत होगी!!! इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। इस बयानबाजी के पीछे एक बड़ा युद्ध और व्यापारिक तनाव छिपा है। दरअसल यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा शुरू किए गए युद्ध में अमेरिका ने एकतरफा युद्धविराम की घोषणा की है। ट्रंप ने 8 अप्रैल को इस युद्धविराम का ऐलान किया था और मंगलवार को इसकी अवधि आगे बढ़ाई थी। ट्रंप की हताशा का एक बड़ा कारण यह है कि युद्धविराम की घोषणा के बावजूद, ईरान ने स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को दोबारा खोलने से इनकार कर दिया है। यह समुद्री रास्ता दुनिया के लिए बेहद अहम है, क्योंकि विश्व का 20% (पांचवां हिस्सा) तेल और गैस का व्यापार इसी रास्ते से होता है। इस पूरे घटनाक्रम और विवाद पर बुधवार को न तो वाइट हाउस और न ही ईरान के विदेश मंत्रालय ने तुरंत कोई आधिकारिक टिप्पणी की है। मीजान न्यूज एजेंसी लगातार इस बात पर जोर दे रही है कि ईरान ने अमेरिका के सामने कोई रियायत नहीं दी है।

अब पाकिस्तान की नेशनल तेल रिफाइनरी पर बड़ा हमला, अज्ञात लोगों ने चलाईं ताबड़तोड़ गोलियां

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की प्रमुख तेल कंपनी 'नेशनल रिफाइनरी लिमिटेड' ने बुधवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि उनके दारिगवान प्लांट पर अज्ञात बंदूकधारियों द्वारा हमला किया गया है। यह घटना पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित दारिगवान साइट पर घटी। कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, हमले के तुरंत बाद पाकिस्तानी सुरक्षाबल मौके पर पहुंच गए। उन्होंने तेजी से कार्रवाई करते हुए पूरी साइट और उसके आस-पास के इलाके को अपने घेरे में ले लिया है।

तलाशी अभियान जारी

इलाके को सुरक्षित करने के बाद, सुरक्षाबलों द्वारा वहां व्यापक स्तर पर 'क्लीयरेंस ऑपरेशन' चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि साइट के भीतर या आस-पास कोई भी हमलावर छिपा न हो और किसी भी प्रकार के विस्फोटक या खतरे को पूरी तरह से नष्ट किया जा सके। खबर लिखे जाने तक हमलावरों की पहचान नहीं हो सकी है। साथ ही, अभी तक किसी भी विद्रोही या आतंकी समूह ने आधिकारिक तौर पर इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। क्या है नेशनल रिफाइनरी लिमिटेड नेशनल रिफाइनरी लिमिटेड पाकिस्तान की प्रमुख तेल रिफाइनरी कंपनियों में से एक है। यह कच्चे तेल को प्रोसेस करके पेट्रोल, डीजल और अन्य ईंधन उत्पाद बनाती है। दारिगवान साइट कंपनी की महत्वपूर्ण सुविधाओं में से एक है, जहां तेल संबंधी कामकाज होता है। बलूचिस्तान में खूब होते हैं हमले बलूचिस्तान पाकिस्तान में सुरक्षा चुनौतियों से भरा इलाका है। यहां बलूच अलगाववादी संगठन अक्सर सरकारी और विदेशी निवेश वाली परियोजनाओं को निशाना बनाते हैं। हाल के वर्षों में खनन क्षेत्रों (कोयला खदानें) और सुरक्षा बलों पर भी हमले हुए हैं। बलूचिस्तान प्राकृतिक संसाधनों, गैस, तेल और खनिज से काफी समृद्ध है। लेकिन यहां लंबे समय से अलगाववादी और विद्रोही गुट सक्रिय रहे हैं। फिलहाल, कंपनी और प्रशासन की ओर से स्थिति को नियंत्रण में बताया गया है और सुरक्षा बल इलाके को पूरी तरह से खतरे से मुक्त करने के लिए अपना अभियान जारी रखे हुए हैं। पिछले 50 दिनों के भीतर भारत सहित दुनियाभर के छह देशों की प्रमुख तेल रिफाइनरियों में आग लगने और धमाकों की एक बेहद रहस्यमयी घटनाएं देखी गई हैं।

अमेरिकी नाकेबंदी से ईरान पर कसा शिकंजा, अमेरिकी आर्मी बोली- अब तक 31 जहाज लौटे वापस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने गुरुवार को पुष्टि की है कि अमेरिकी सेना ने ईरान की नाकाबंदी के तहत 31 जहाजों को वापस लौटने या बंदरगाह पर जाने का निर्देश दिया है। सैन्य अधिकारियों के अनुसार, इनमें से ज्यादातर जहाज तेल टैंकर थे।

सेंट्रल कमांड ने क्या कहा सेना ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि इस कार्रवाई में उन्हें काफी सहयोग मिला है। पकड़े जाने के बाद ज्यादातर जहाजों ने अमेरिकी निर्देशों का पालन किया। इस मिशन का पैमाना बहुत बड़ा है। ईरान के बंदरगाहों की नाकाबंदी करने के लिए 10,000 से ज्यादा अमेरिकी सैनिक, 17 युद्धपोत और 100 से ज्यादा विमान तैनात किए गए हैं।

सैन्य कार्रवाई से बढ़ा तनाव : इस बड़ी सैन्य कार्रवाई की वजह से पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर पहुंच गया है। बुधवार तनाव तब और बढ़ गया जब ईरानी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन व्यापारिक जहाजों पर गोलियां चलाईं और उनमें से दो पर कब्जा कर लिया। यह घटना राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस फैसले के ठीक 24 घंटे बाद हुई, जिसमें उन्होंने युद्धविराम को आगे बढ़ाने के साथ-साथ नाकाबंदी जारी रखने की बात कही थी। ट्रंप प्रशासन चाहता है कि ईरान संकट को कम करने के लिए बातचीत की मेज पर आए। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि अमेरिका ने युद्धविराम के लिए कोई औपचारिक समय सीमा तय नहीं की है। हालांकि, उन्होंने एक बड़ी शर्त रखी है। किसी भी स्थायी समझौते के लिए ईरान को अपने संवर्धित यूरेनियम का पूरा भंडार सौंपना होगा। यह शर्त गैर-परक्राम्य है, यानी इस पर कोई समझौता नहीं होगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ कर दिया है कि जब तक तेहरान कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं देता और बातचीत का कोई ठोस नतीजा नहीं निकलता, तब तक यह समुद्री नाकाबंदी जारी रहेगी। दूसरी तरफ, ईरान ने इस पर कड़ी नाराजगी जताई है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इस नाकाबंदी को युद्ध की कार्रवाई बताया है। उन्होंने कहा कि यह मौजूदा युद्धविराम का सीधा उल्लंघन है।

कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका के बीच अमेरिका ने रूसी तेल पर छूट का बचाव किया

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने रूस के तेल पर लगाए गए प्रतिबंधों में दी गई अस्थायी छूट का बचाव किया। उन्होंने कहा कि इस फैसले से दुनिया भर में तेल की कीमतों में अचानक बड़ी बढ़ोतरी होने से रोका जा सका। हालांकि, डेमोक्रेट नेताओं ने चेतावनी दी कि इससे रूस को युद्ध के लिए पैसा मिल सकता है और ईंधन महंगा बना रह सकता है। सीनेट की एक समिति के सामने बोलते हुए बेसेंट ने कहा कि यह कदम उस समय उठाया गया जब बाजार में काफी अनिश्चितता थी, ताकि तेल की सप्लाई स्थिर रखी जा सके। उन्होंने बताया, 'हम 25 करोड़ बैरल से ज्यादा तेल बाजार में बनाए रखने में सफल रहे।'

बेसेंट ने कहा कि अगर यह छूट नहीं दी जाती, तो कीमतें और ज्यादा बढ़ सकती थीं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, 'आज तेल की कीमत करीब 100 डॉलर है।

अगर हमने यह राहत नहीं दी होती, तो यह 150 डॉलर तक जा सकती थी।' उन्होंने कहा कि यह नीति आम लोगों को राहत देने के लिए बनाई गई है। कम कीमत लोगों के लिए बेहतर है।

वहीं, डेमोक्रेट नेताओं ने इस फैसले का विरोध किया। क्रिस कून्स ने कहा कि इस छूट से रूस को अरबों डॉलर मिल सकते हैं और इससे उस पर दबाव कम हो जाएगा, जो इस समय बहुत जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि आम लोग आज भी महंगा पेट्रोल खरीद रहे हैं। उन्होंने कहा, 'डेलावेयर में लोग 4 डॉलर प्रति गैलन के हिसाब से पेट्रोल खरीद रहे हैं।

कून्स ने सवाल उठाया कि क्या इस नीति से सच में लोगों को कोई राहत मिली है। इस पर बेसेंट ने जवाब दिया कि रूस या ईरान को इससे कोई बड़ा फायदा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, 'मैं इस बात से बिल्कुल सहमत नहीं हूं। उन्होंने बताया कि इस छूट को बढ़ाने का फैसला दुनिया के कई गरीब और कमजोर देशों की मांग पर लिया गया था। उन्होंने कहा, '10 से ज्यादा गरीब देशों ने हमसे इस छूट को बढ़ाने की अपील की थी, इसलिए इसे सिर्फ 30 दिनों के लिए बढ़ाया गया।

इसी बीच, कुछ नेताओं ने बढ़ती ईंधन कीमतों पर भी चिंता जताई। जैक रीड ने कहा कि अमेरिका में लोग 4 डॉलर प्रति गैलन से ज्यादा कीमत पर पेट्रोल खरीद रहे हैं, जो आम परिवारों पर बोझ है।

बेसेंट ने कहा कि बाजार के हालात धीरे-धीरे बेहतर हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि तेल बाजार इस समय 'बैकवर्डेशन' की स्थिति में है, यानी आगे चलकर कीमतें कम हो सकती हैं। उन्होंने उम्मीद जताई, 'मुझे लगता है कि यह संघर्ष खत्म होगा और पेट्रोल की कीमतें फिर पहले जैसी या उससे भी कम हो जाएंगी। यह पूरी बहस अमेरिका की राजनीति में मतभेद को दिखाती है। सरकार का कहना है कि थोड़ी लचीलापन रखने से बाजार स्थिर रहता है, जबकि आलोचकों का मानना है कि इससे रूस पर दबाव कम होता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से रूस के ऊर्जा क्षेत्र पर प्रतिबंध पश्चिमी देशों की नीति का अहम हिस्सा रहे हैं। कोशिश यह रही है कि रूस की कमाई कम हो, लेकिन दुनिया में तेल की सप्लाई पर बड़ा असर न पड़े।

दुनिया में तेल की कीमतें अब भी अंतरराष्ट्रीय तनाव, खासकर मध्य पूर्व की स्थिति से प्रभावित होती हैं। वहां किसी भी तरह की गड़बड़ी से कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं, जिसका असर भारत जैसे बड़े तेल आयात करने वाले देशों पर भी पड़ता है।

होर्मुज में तीन जहाजों पर हमले के बाद भ्रम की स्थिति, इस्राइली हमले में पत्रकार की मौत

वॉशिंगटन।, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्धविराम को अनिश्चित काल के लिए बढ़ा दिया है। पाकिस्तान ने बातचीत के दूसरे दौर की मेजबानी करने का प्लान बनाया था, लेकिन ईरान के बातचीत फिर से शुरू करने की कोशिशों को मना करने पर व्हाइट हाउस ने वाइस प्रेसिडेंट जेडी वेंस की इस्लामाबाद की प्लान की गई यात्रा को रोक दिया। ईरानी सरकारी टीवी के अनुसार, ईरान ने युद्धविराम बढ़ने की बात तो मानी है, लेकिन वह नई बातचीत के लिए तैयार नहीं है।

इस बीच, ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड ने बुधवार को होर्मुज जलडमरूमध्य में तीसरे जहाज पर हमला किया, जिससे युद्ध खत्म करने की कोशिशों पर सवाल उठ रहे हैं। जिस जहाज पर हमला हुआ उसका नाम यूफोरिया है। मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि यह जहाज ईरानी तट पर फंस गया था, लेकिन उन्होंने ज्यादा जानकारी नहीं दी गई। इससे पहले ईरान ने दो अन्य जहाजों पर हमला करके उन्हें अपने कब्जे में ले लिया था।

दक्षिणी लेबनान में इस्राइली हवाई हमले में लेबनानी पत्रकार अमल खलील की मौत हो गई। वह इस्राइल-हिजबुल्ला संघर्ष की रिपोर्टिंग कर रही थीं और हमले के दौरान एक घर में शरण ली हुई थी। बचावकर्मियों के अनुसार, उनका शव मलबे से कई घंटे बाद निकाला गया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमला दक्षिणी गांव अल-तिरी में हुआ। खलील इससे पहले एक अन्य हवाई हमले के बाद अपने सहयोगी के साथ कार से उतरकर इस घर में छिप गई थीं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि पहले हमले में दो लोगों की मौत हुई, जबकि दूसरे हमले में उसी घर को निशाना बनाया गया जहां खलील और उनकी सहयोगी जैनब फराज मौजूद थीं। बचावकर्मी शुरुआत में फराज को गंभीर हालत में निकालने में सफल रहे। लेकिन इस्राइली गोलीबारी के कारण उन्हें खलील तक पहुंचने का प्रयास रोकना पड़ा। कई घंटों बाद लेबनानी सेना, पुलिस और रेड क्रॉस की मदद से उनका शव निकाला जा सका। इस्राइली सेना ने कहा कि गांव में कुछ लोगों ने युद्धविराम का उल्लंघन किया था, जिससे उनके सैनिकों को खतरा था। हालांकि, सेना ने पत्रकारों को निशाना बनाने और बचाव कार्य में बाधा डालने के आरोपों से इनकार किया है और मामले की जांच की बात कही है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने अमेरिका को एक कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा है कि वे बातचीत और समझौते के लिए तैयार हैं। उनके मुताबिक कूटनीति के रास्ते अभी बंद नहीं हुए हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि इसके लिए अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य की नौसैनिक नाकाबंदी तुरंत खत्म करनी होगी।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए 'साहसी बने रहें : मैकी सैल

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार की दिशा में 'हमें साहसी बने रहना होगा', यह बात संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद के उम्मीदवार मैकी सैल ने कही। संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद के उम्मीदवार मैकी सैल ने बुधवार को यहां एक उम्मीदवार फोरम में कहा, सुरक्षा परिषद में सुधार पर चल रही बहस 30 वर्षों से अधिक समय से जारी है लेकिन 'जिस बात पर हम सभी सहमत हो सकते हैं, वह यह है कि आज सुरक्षा परिषद मौजूदा दुनिया का प्रतिनिधित्व नहीं करती।' उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद में सुधार के कई अलग-अलग प्रस्ताव हैं, और कुछ का यह भी मानना है कि 'यह अभी तनाव के समय में नहीं हो सकता, इसके लिए और समय की आवश्यकता है।

उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, 'मैं जो कर सकता हूं वह है इस एजेंडे को आगे बढ़ाना,' यह जवाब उन्होंने भारत, जर्मनी, जापान और ब्राजील (जी 4) के प्रतिनिधि के रूप में दिया, जो संयुक्त रूप से सुधार की वकालत करते हैं। उन्होंने कहा, 'हमें समावेश सुनिश्चित करना होगा, साथ ही परिषद की विश्वसनीयता और सबसे महत्वपूर्ण उसकी प्रभावशीलता को बनाए रखने की आवश्यकता को भी ध्यान में रखना होगा क्योंकि पांच वीटो शक्तियों के साथ यह पहले से ही एक कठिन काम है। उन्होंने कहा, 'सभी विकल्प खुले हैं, और मैं जितना संभव हो सके उतना प्रयास करूंगा।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि 'बेशक, अंतिम निर्णय महासचिव का नहीं होता। यदि यह सुधार आगे बढ़ना है, तो यह सदस्य देशों का निर्णय होगा।' सेनेगल के पूर्व राष्ट्रपति मैकी सैल इस वर्ष एंटोनियो गुटेरेस का कार्यकाल समाप्त होने के बाद संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद की दौड़ में चार उम्मीदवारों में से एक हैं। वे अफ्रीका से एकमात्र उम्मीदवार हैं, जबकि अन्य तीन लैटिन अमेरिका से हैं। उन्हें बुरुंडी द्वारा नामित किया गया है, जिसके राष्ट्रपति एवरिस्टे नदायिशिमीये अफ्रीकी संघ (एयू) के अध्यक्ष हैं। हालांकि, उनके अपने देश ने उनका समर्थन नहीं किया है। तीन घंटे के सत्र के दौरान जब उन्होंने राजनयिकों और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों के सवालों का सामना किया, तब उनके समर्थक और विरोधी संयुक्त राष्ट्र भवन के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। मैकी सैल 2022-23 में अफ्रीकी संघ के अध्यक्ष रहे थे, जब संगठन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नई दिल्ली शिखर सम्मेलन के दौरान जी 20 का सदस्य बना। उन्होंने जी 20 में अफ्रीकी संघ की सदस्यता के अपने प्रयासों को यह दिखाने के उदाहरण के रूप में पेश किया कि अगर वे संयुक्त राष्ट्र प्रमुख बने तो कैसे नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि अफ्रीकी संघ का जी 20 में शामिल होना 'उस समय एक स्वाभाविक बात नहीं थी लेकिन यह संवाद और बातचीत के माध्यम से संभव हुआ।

लेबनान में इजरायली हमले में एक और पीसकीपर की मौत, यूएन महासचिव गुटेरेस ने जताया दुख

वाशिंगटन, एजेंसी। लेबनान में इजरायली हमले में एक फ्रांसीसी सैनिक की मौत हो गई। संयुक्त राष्ट्र ने इजरायली हमले में मारे गए फ्रांसीसी सैनिकों को लेकर चिंता जाहिर की है। यूएन महासचिव के प्रवक्ता के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, लेबनान में यूनाइटेड नेशंस इंटरिम फोर्स (यूएनआईएफआईएल) में काम कर रहे दूसरे फ्रांसीसी सैनिक की शनिवार को हुए हमले में घायल होने से मौत से दुखी हैं।

गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बुधवार (लोकल टाइम) को एक बयान में कहा कि पीसकीपर्स पर हमले बंद होने चाहिए। ये अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का गंभीर उल्लंघन हैं और वॉर क्राइम की श्रेणी में आ सकते हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने यूएन प्रवक्ता के हवाले से बताया कि पीसकीपर्स पर हुए सभी हमलों की तुरंत जांच होनी चाहिए और जो लोग इसके लिए जिम्मेदार हैं, उन पर असरदार तरीके से मुकदमा चलाया जाना चाहिए और उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। इस बारे में, महासचिव शनिवार की घटना के बारे में लेबनानी अधिकारियों के बताए गए प्रतिबद्धता का स्वागत करते हैं। गुटेरेस ने सभी लोगों से गुरुवार को घोषित इजरायल-लेबनान सीजफायर का सम्मान करने की अपील की। ??बयान में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र दुश्मनी खत्म करने और सुरक्षा परिषद प्रस्ताव 1701 को पूरी तरह लागू करने की दिशा में डिप्लोमैटिक कोशिशों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसका मकसद हिज्बुल्लाह और इजरायल के बीच लड़े गए 2006 के लेबनान युद्ध को सुलझाना है। गुटेरेस ने दूसरे शांति सैनिक के परिवार, दोस्तों और सहकर्मियों के साथ-साथ फ्रांस की सरकार और लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना जताई है। बुधवार को पहले, स्टीफन दुजारिक ने मारे गए फ्रांसीसी

सैनिक की पहचान 31 साल के कॉर्पोरल अनिसेट गिरार्डिन के रूप में की, जो एक स्पेशलिस्ट डॉग हैंडलर थे।

गिरार्डिन इतनी बुरी तरह से घायल हुए थे कि बुधवार को पेरिस के एक हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया। दुजारिक ने कहा कि जब दक्षिणी लेबनान में सड़क साफ करते समय यूएनआईएफिल की फ्रांसीसी टुकड़ी के साथ काम कर रही विस्फोटक ऑर्डनेंस डिस्पोजल टीम पर हमला हुआ, तो वह बुरी तरह घायल हो गए। यह कार्रवाई यूएनआईफिल के अलग-थलग पड़े ठिकानों तक दोबारा पहुंच बहाल करने के प्रयास के तहत की जा रही थी। गिरार्डिन शनिवार की घटना में मरने वाले दूसरे सैनिक थे। एक और फ्रांसीसी सैनिक, जो बुरी तरह घायल हो गया था, उसे भी इलाज के लिए मंगलवार को पेरिस वापस भेज दिया गया। वह अभी भी मेडिकल केयर में है। दुजारिक ने कहा कि एक चौथा पीसकीपर, जिसे मामूली चोटें आई थीं, दक्षिणी लेबनान में अपनी यूनिट के साथ अपनी पोस्ट पर लौट आया है। यूएन महासचिव के प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र का शुरुआती अंदाजा था कि पीसकीपर पर नॉन-स्टेट हथियारबंद समूह हिज्बुल्लाह ने शायद हमला किया था।

ब्रिटेन में आने वाली पीढ़ी के लिए सिगरेट पर रोक की तैयारी : लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की संसद ने एक नया बिल पास किया है, जिसके तहत 31 दिसंबर 2008 के बाद जन्मे लोग कभी भी सिगरेट नहीं खरीद पाएंगे। यह कानून लागू होने के बाद देश में धूम्रपान को कम करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने इसे ऐतिहासिक फैसला बताया और कहा कि इससे लोगों की जान बचेगी और स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव कम होगा। इस बिल के तहत वेपिंग (ई-सिगरेट) पर भी कई जगहों पर रोक लगाई जाएगी, जैसे स्कूल, पार्क और अस्पताल। हालांकि, लोग अपने घरों में धूम्रपान कर सकेंगे और कुछ खुले स्थानों पर भी इसकी अनुमति होगी। यह कदम ब्रिटेन को दुनिया के सबसे सख्त एंटी-स्मोकिंग देशों में शामिल कर सकता है।

5 आसान होममेड लिप स्क्रब बनाएंगे होंठों को खूबसूरत

जब बात लिप स्क्रब की आती है, तो अधिकतर लोगों का ध्यान बाजार के प्रोडक्ट्स पर ही जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं, आप घर पर भी कई आसान तरीके से अलग-अलग फ्लेवर के लिप स्क्रब बना सकते हैं। ये लिप स्क्रब आपके होंठों को नर्म, मुलायम व खूबसूरत बना देंगे, तो आइए जानते है इन्हें बनाने का तरीका।

मिंट लिप स्क्रबः यह स्क्रब एक प्राकृतिक एक्सफोलिएटर की तरह काम करता है, क्योंकि इसमें मौजूद चीनी व पुदीना आपके रक्त संचार को बढ़ाकर होंठों को खूबसूरत बनाता है। यह आपके होंठो को नर्म व मुलायम बनाता है। इसे बनाने के लिए आपको दो चम्मच जैतून या नारियल के तेल में दो चम्मच चीनी मिलाएं। इन दोनों को अच्छे से मिलाने के बाद पांच से सात बूंदे पुदीना का तेल मिलाएं और अब इस मिश्रण में अंगूर के बीज का तेल मिलाएं। इसके बाद आप इस स्क्रब को अपने होंठों पर कुछ मिनट तक आराम सेरब करें और फिर गुनगुने पानी से धों लें। ऐसा करने से आपके होंठ नर्म रहेंगे। अंगूर के तेल में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, यह आपके होंठों को मॉश्चरराइज रखता है।

ब्राउन शुगर और हनी का लिप स्क्रबः शहद आपके होंठों के लिए फायदेमंद होता है, यह आपके होंठों को फटने से बचाता है। आप ब्राउन शुगर और हनी का लिप स्क्रब बनाने के लिए एक चम्मच शहद के साथ एक चम्मच ब्राउन शुगर मिलाएं। अब आप इसमें चाहें तो लैवेंडर का तेल या फिर नारियल के तेल को भी मिला सकते हैं। अच्छे से मिलाने के बाद आप इस स्क्रब को अपने होंठों पर अप्लाई करें और दो या तीन मिनट तक रब करें। इसके बाद आप अपने होंठों को गुनगुने पानी से धो लें। लैवेंडर व नारियल का तेल आपके होंठों को पोषण देगा।

चॉकलेट लिप स्क्रबः चॉकलेट लिप स्क्रब आपके होंठों को मॉइश्चराइज करेगा और टैन भी हटाएगा। आपको यह स्क्रब बनाने के लिए आपको एक बाउल में एक चम्मच कोको पाउडर, दो चम्मच ब्राउन सुगर, एक वनीला एक्स्ट्रैक्ट, तीन चौथाई चम्मच शहद, दो चम्मच जैतून का तेल डालना है। अब इस मिश्रण को आपको अच्छे से मिक्स करके अपने होंठों पर हल्के हाथों से थोड़ी देर रब करना है। इसे थोड़ी देर अपनी होंठों पर लगा रहने दें। उसके बाद आप इसे गुनगुने पानी या फिर कॉर्टन से साफ कर लें। वनीला एक्सट्रेक्ट में एंटी- एजिंग और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण मौजूद हैं। यह आपके होंठों को होने वाले नूकसान से बचाता है।

दाल चीनी का लिप स्क्रबः अगर आपके होंठ छोटे हैं और आप अपने होंठों को मोटे दिखाना चाहते हैं, तो यह लिप स्क्रब आपके लिए फायदेमंद होगा। दालचीनी में प्राकृतिक तरीके से आपके होंठो को मोटा और आकर्षित दिखा सकती हैं। इसके अलावा दालचीनी में एक प्राकृतिक एक्सफोलिएटर है और इसके इस्तेमाल से आपके होंठ उभरे व मुलायम दिखेंगें। आपको इसे बनाने के लिए आधा चम्मच दालचीनी पाउडर को आधा चम्मच शहद के साथ अच्छे से मिक्स करना है। उसके बाद आपको उसमें आधा चम्मच जैतून का तेल मिलाना है। अच्छे से मिल जाने के बाद आपको इसे अपने होंठों पर अच्छे से रब करना है। जिससे आपके होंठों की डेड स्किन निकल जाएगी। इसके बाद आप अपने होंठों को गुनगुने पानी से धो सकते हैं।

संतरे के छिल्के का लिप स्क्रबः संतरे के छिल्के से आप अपने चेहरे ही नहीं बल्कि अपने होंठों के लिए भी स्क्रब बना सकते हैं। संतरे के लिप स्क्रब से आप अपने होंठों के रंग में निखार ला सकते हैं। यह स्क्रब आपके होंठों को मुलायम व खूबसूरत बनाता है।

खाली पेट सोना हो सकता है घातक

कई लोगों को लगता है कि रात के समय शरीर को खाने की जरूरत नहीं होती है। लेकिन ये बहुत गलत है इसके परिणाम घातक हो सकते हैं।

आधुनिक जीवन में लोग अपने काम के अलावा किसी और बात का ध्यान रखना भूल ही जाते हैं। काम के प्रेशर और थकान भरे दिन के बाद हम में से अधिकतर लोग रात के समय बिना खाए ही सो जाते हैं। वहीं कुछ लोग मोटापे के डर से रात में खाना नहीं खाते हैं। लेकिन बिना कुछ खाए सोने की आदत सेहत को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकती है। वहीं, खाली पेट सोने से कई बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है।

आइए जानते हैं खाली पेट सोने से शरीर को किस तरह नुकसान पहुंचता है।कई लोगों को लगता है कि रात के समय शरीर को खाने की जरूरत नहीं होती है। शरीर 24 घंटे एनर्जी प्रोड्यूस करता है और हर समय कैलोरी बर्न करने का काम करता है। इसके लिए शरीर को न्यूट्रिएंट्स की जरूरत पड़ती है। हेल्थ सोर्स के मुताबिक जो पुरुष रात को सोने से पहले प्रोटीन शेक का सेवन करते हैं, वो दूसरे लोगों के मुकाबले ज्यादा एनर्जेटिक महसूस करते हैं। इसी तरह रात को खाली पेट सोने से अगले दिन थकान महसूस हो सकती है, जिससे काम करने की क्षमता प्रभावित होती है। जिन लोगों को रात का खाना खाए बिना ही सोने की आदत होती है, उनके मेटाबॉलिज्म पर बुरा असर पड़ता है। इससे शरीर का इंसुलिन लेवल भी प्रभावित होता है। इसके अलावा खाली पेट सोने से कोलेस्ट्रोल और थायरॉयड लेवल भी बिगड़ता है। यह आदत कई बीमारियों का शिकार बना सकती है। खाली पेट सोने से देर रात भूख की वजह से पेट दर्द हो सकता है, जिससे आपकी नींद में भी खलल पड़ सकता है। इसलिए अगर आप सुकून भरी नींद लेना चाहते हैं तो बिना आहार लिए ना सोएं। मोटापे से पीड़ित कई लोगों को ऐसा लगता है, कि रात को खाली पेट सोने से वजन जल्दी कम होता है। आपको भी अगर ऐसा लगता है तो आप गलत हैं। हालांकि, हेल्थ एक्सपर्ट रात के समय हल्का खाना खाने की सलाह देते हैं। लेकिन बिना खाए सोना सेहत को नुकसान पहुंचाने के साथ वजन भी बढ़ाता है।

रेसिपी

मैंगो राइस

सामग्री

■ 100 ग्राम चावल ■ 100 ग्राम कच्चा आम घिसा हुआ ■ 4 साबुत लाल मिर्च ■ आधा चम्मच पिसी हुई हल्दी ■ 1 चम्मच सूखे नारियल की कतरन ■ 1 चम्मच चना दाल ■ 2 चम्मच मूंगफली के दाने ■ कड़ी पत्ते ■ थोड़ी सी राई ■ चुटकीभर हींग ■ स्वादानुसार नमक ■ घी

विधि

चावल को अच्छे से साफ करके पानी में कुछ देर के लिए भिगो कर रख दे। फिर चावल में घी और नमक मिलाकर पकाने रख दीजिए। मिक्सर में आधी राई, 3 साबुत लाल मिर्च, हल्दी, सूखा नारियल, हींग, नमक और आधी कैरी मिलाकर पीस लीजिए। फिर एक कड़ाही में तेल गर्म करके बची हुई राई, चना दाल और बची हुई साबुत लाल मिर्च तड़का लीजिए। अब इसमें मूंगफली, कढ़ी पत्ते और बची हुई कैरी डालकर 5 मिनट मध्यम आंच पर पकने दीजिए। 5 मिनट बाद इसमें मसाले का पेस्ट डालिए और 5 मिनट कम आंच पर पका लीजिए। जरुरत पड़ने पर थोड़ीथोड़ी देर में इसे चलाते रहे। अंत में इसमें पके हुए चावल डालकर अच्छी तरह मिला लीजिए।

मसाला पास्ता

सामग्री

■ पास्ता- 1 कप ' पानी- उबालने के लिए ' नमक- 1/2 चम्मच ■ तेल- 1 चम्मच ' बटर- 1 चम्मच ■ बारीक कटा लहसुन- 1 चम्मच ■ बारीक कटा अदरक- 1 चम्मच ■ बारीक कटा प्याज- 1/2 ■ टमाटर प्यूरी- 1 कप हल्दी- 1/4 चम्मच ■ कश्मीरी लाल मिर्च- 1/2 चम्मच ■ टौमैटो सॉस- 2 चम्मच ■ गरम मसाला- 1/2 चम्मच ■ नमक- 1/2 चम्मच ■ स्वीटकॉर्न- 2 चम्मच ■ बारीक कटी शिमला मिर्च- 1/4 कप ■ बारीक कटा गाजर- 1/4 कप ■ मटर- 2 चम्मच ■ ब्रोकली- 5 कलियां ■ पानी- 3 चम्मच

विधि

पास्ता को उबालकर पानी से निकालकर रख लें। पैन में तेल और बटर गर्म करें और उसमें अदरक- लहसुन को कुछ देर फ्राई करें। पैन में प्याज डालें और सुनहरा होने तक भूनें। टोमैटो प्यूरी डालकर प्यूरी के गाढ़ा होने तक पकाएं। अब पैन में हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला और नमक डालें। मसालों को अच्छी तरह से भूनें। अब पैन में कॉर्न, शिमला मिर्च, गाजर, मटर और ब्रोकली डालकर कुछ देर तक पकाएं। तीन चम्मच पानी डालकर मिलाएं। पैन को ढककर सब्जियों को धीमी आंच पर पांच मिनट तक पकाएं। टोमैटो सॉस डालकर मिलाएं। अब उबला हुआ पास्ता डालें और धीमी आंच पर अच्छी तरह से मिलाते हुए पकाएं। गैस ऑफ करें और गर्मागर्म सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-6

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-3-5-6

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें। शुभांक-4-6-8

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-6-7-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। दान-पुण्य का कार्य करें। यात्रा शुभ रहेगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-6

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-1-4-6

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-6-8-9

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-6-8

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति होगी। शुभांक-2-4-6

लॉफिंग ज़ोन

चिंकी (सोनू से)- तुम्हें पता है, मेरा भतीजा इतना खराब है कि दिन में कम से कम सात-आठ बार कपड़े बदल ही लेता है।

सोनू परेशान होकर- ऐसा क्यों? क्या उसे कपड़े बदलने की बीमारी हो है?

चिंकी- नहीं नहीं....! अरे पगली! अभी तो वह छः माह का ही है।

□ □ □

शादी की पच्चीसवीं सालगिरह पर पार्टी में आए मेहमानों ने जब नरेश से पूछा कि- बताओ नरेश! आपके हिसाब से सफल वैवाहिक जीवन का राज क्या है?

नरेश बोला- यह वैवाहिक जीवन तभी सफल साबित हो सकता है जब पत्नी बहरी और पति पूरी तरह अंधा बनकर जीवन बिताएँ।

□ □ □

पेशी के दौरान वकील महिला से बोला- जब तुम उस अपराधी से मिलने गई थी और उसने तुमसे जो कहा था, वो अदालत में जज साहब से कह दो।

महिला- नहीं...! मैं वो बात किसी भले आदमी के सामने नहीं कह सकती।

वकील बोला- तो ठीक है! जाकर जज साहब के कान में तो कह ही सकती हो।

□ □ □

काकुरो पहेली - 4034

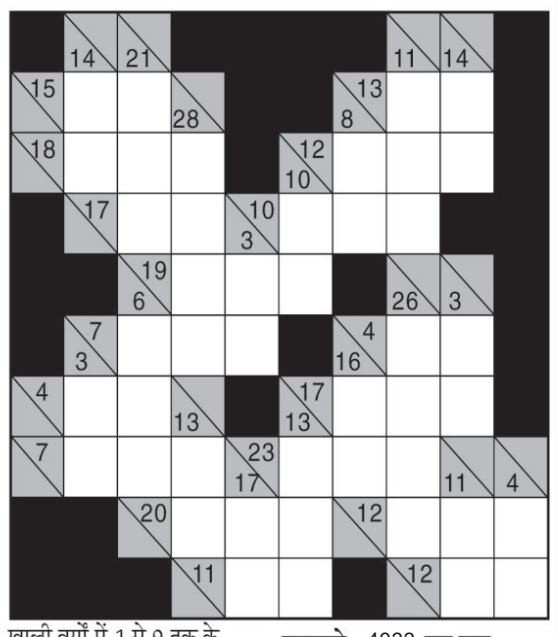

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

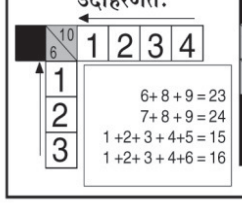

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4=15
1+2+3+4=16

काकुरो -4033 का हल

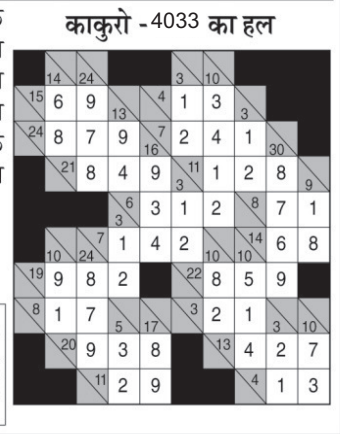

फिल्म वर्ग पहेली-4034

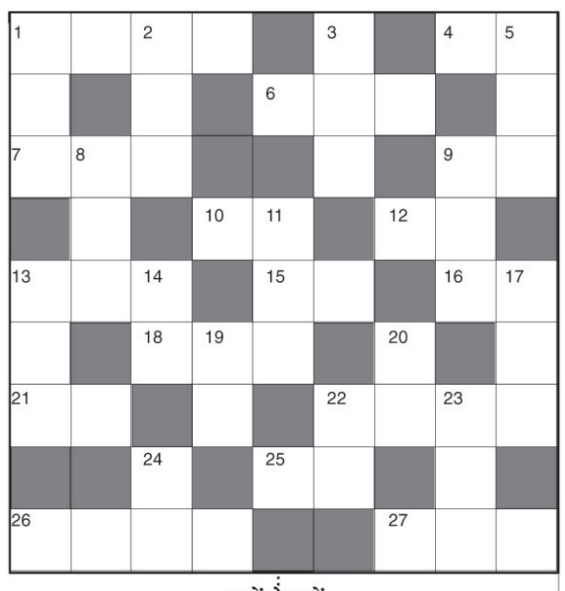

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की 'होरी खेले' गीत वाली फिल्म-४
४. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली अमिताभ, जैकी श्रॉफ, मधु सप्रे, कैटरीना कैफ, जीनत, सीमा की फिल्म-२
६. सुनील शेट्टी, सोनाली बेंद्रे की 'तुम से मिलने को' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चढ़ गया ऊपर रे' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
९. अमजद, विनोद मेहरा, बिंदिया की 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१२. बलराज साहनी, नूतन की 'तु प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मेरी पैंट भी सैक्सी' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, पुजा, सोनाली की 'तुम आये तो' गीत वालीफिल्म-२
१६. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
१८. अजय, अभिषेक, बिपाशा की 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
२१. अमिताभ वाली फिल्म 'याराना' की नायिका कौन थी-२
२२. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी की फिल्म-४
२५. धर्मेन्द्र, हेमा की 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'अल्हड़ मस्त जवानी' गीत वाली अजय देवगन, ग्रेसी सिंह की फिल्म-४
२७. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'जब दिल चुराये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षय, रवीना की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
२. 'आँखों के रस्ते' गीत वाली बॉबी देओल रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. गोविंदा, करिश्मा की 'तुमसा कोई प्यारा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'चुपके से दिल' गीत वाली राजकुमार, राजेश खन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
८. अनिल कपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'लड़की है क्या' गीत वाली फिल्म-३
९. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली अमोल पालेकर, रंजीता की फिल्म-३
११. संजय, सलमान, माधुरी की 'जियें तो जियें' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'बत्तो तेरी आँखियाँ' गीत वाली सनी, जैकी, मनीषा की फिल्म-३
१४. डिनो, बिपाशा की 'कितना प्यारा है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'रहें ना रहें हम' गीत वाली धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-३
१९. 'मैं चुप रहूँगी' में सुनीलदत्त के साथ नायिका कौन थी?-२
२०. फिल्म 'करीब' में बॉबी देओल के साथ नायिका कौन थी?-२
२२. आफताब, उर्मिला की 'सुना था देखा ना था' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली ऋषि कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
२४. जाकिर, शबाना, अरूणा की 'बादल चाँदी बरसाये' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4033

ऐ	त	बा	र		जु	मं		जी	
त		द		क	मां		घा	त	क
रा	हु	ल		री	ना	रा	य		मं
ज			हि	ना		जा	ल		यो
	फ	की	रा		शी	बा		बा	गी
क	र्ज		स	नी		बू	म		
र		शी	त	ल			ह्म	सि	ल
म	ह्म	न		क	न्या	दा	न		व
	द		ना	म		दा	ता		स्ते
सं	सा	र		ल	की			नू	री

सूडोकु -4034

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4033 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली -4034

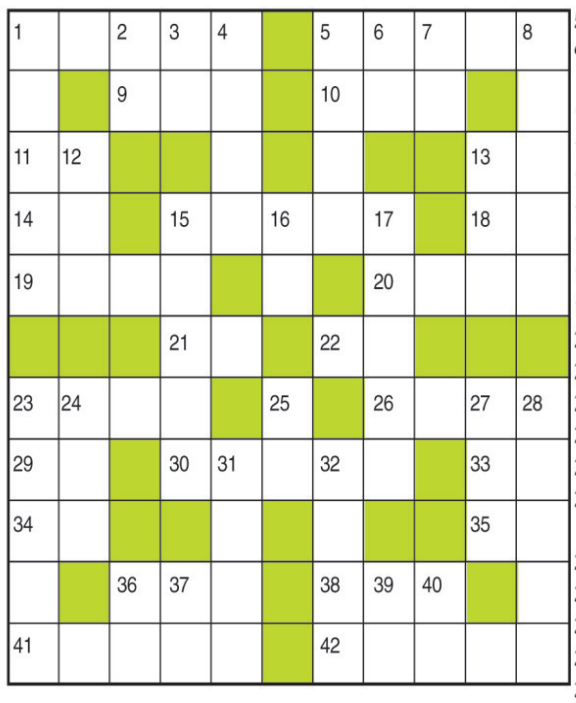

बाएँ से दाएँ
1.मन मोहने वाला-5
5.प्रस्थान करना,रवानगी-5
9.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
10.तेल में पकाना-3
11.प्रेम,प्यार-2
13.थोड़ा,जरा-2
14.मैं का बहुवचन-2
15.उम्मीद करना-5
18.धन,संपदा-2
19.पक्षियों की चहचहाट-4
20.अभिप्राय-4
21.सद्,अच्छा-2
22.दम,ताकत-2
23.प्रकाशवान-4
26.ठसाठस-4
29.माईल,दूरी नापने की इकाई-2
30.क्रोधित होना-2,3
33.विदेशी शराब-2
34.झुका हुआ-2
35.भाग्य (अंग्रेजी-2)
36.आखेट मंच-3
38.खुजली-3
41.मनमोहकता-5
42.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.आकर्षक.चिताकर्षक-5
2.वैक्स,मधुज-2
3.अधिकार-2
4.फिल्म 'मदर इंडिया' की नायिका-4
5.जागरण-4
6.दीवार (अंग्रेजी-2)
7.मां के पिता-2
8.असफल-5
12.गर्भ,कोख-3
13.करामात-3
15.खातिरदारी -5
16.उद्देश्य-2
17.नामकरण-2,3
23.भूस्वामी-2,3
24.सही का विलोम-3
25.मृत्यु-2
27.इमामदस्ता-3
28.कांतिमान, चमकीला-5
31.उदारता,बड़प्पन-4
32.मालगोदाम-4
36.रत्न,नग-2
37.टी,चहा-2
39.याचिका,वाद (अंग्रजी-2)
40.वहम,संदेह-2

शब्द पहेली 4033 का हल

का	ज		आ	ग		सा	थ		सु	रा
ल		ता	ना		आ	स		ख	ब	र
	ली	ला		सा	था		क	ल	ह	
म	न		रा	त		र	म	ल		वि
स्ती		फि	जा		अ	ग	ला		सा	दा
	शू	र		की	च	ड़		ता	र	
कु	ल		अ	म	ल		ख	त		मी
ली		ग	ल	त		प	ता		जा	न
	दो	ज	ख		क	ल		ता	ल	
धा	य	ल		दा	म		उ	प्र		मो
न	म		प	ग		कृ	ष्ण		क	र

डिजिटल इंडिया के दौर में सरकारी वेबसाइटों से 'मूल हिन्दी' गायब, गृह मंत्री को लिखा पत्र

एजेंसी

लखनऊ। देश में डिजिटल गवर्नेंस के विस्तार के बीच एक बड़ा भाषाई विवाद खड़ा हो गया है। सरकारी वेबसाइटों से मूल हिन्दी संस्करण हटाकर मशीनी अनुवाद आधारित सिस्टम लागू करने के खिलाफ अब आवाजें तेज हो गई हैं। इस मुद्दे को लेकर एक विस्तृत और तीखा विरोध पत्र सीधे गृह मंत्रालय और संसदीय राजभाषा समिति तक भेजा गया है, जिसमें इसे हिन्दी की संवैधानिक स्थिति पर सीधा प्रहार बताया गया है। सिद्धार्थनगर, खटाऊ मिल लेन, बोरीवली पूर्व, मुंबई निवासी प्रवीण कुमार जैन की ओर से भेजे गए इस पत्र में आरोप है कि भारत सरकार की अधिकांश वेबसाइटों पर अब अंग्रेजी ही मूल भाषा के रूप में बची है। जबकि हिन्दी को केवल अनुवाद टूल्स भाषिणी और अनुवादिनी के सहारे दिखाया जा रहा है। इससे हिन्दी की स्थिति राजभाषा से घटकर अनुवाद की भाषा तक सीमित हो गई है। पत्र में सबसे गंभीर सवाल संविधान के अनुच्छेद 343 और राष्ट्रपति के आदेशों के उल्लंघन को लेकर उठाया गया है। इसमें कहा गया है कि संघ की राजभाषा हिन्दी है, जिसका अर्थ मूल भाषा होना चाहिए, न कि अनुवादित विकल्प। साथ ही 2 जुलाई 2008 के उस आदेश का भी हवाला दिया गया है, जिसमें सभी सरकारी वेबसाइटों को द्विभाषी बनाए रखना अनिवार्य बताया गया था। आरोप है कि वर्तमान व्यवस्था इस आदेश की भी अनदेखी कर रही है।

आईआईटी रुड़की : जेईई एडवांस्ड परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन 2 मई तक

हरिद्वार। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंजीनियरिंग कोर्स में प्रवेश के लिए जेईई (एडवांस्ड) 2026 परीक्षा का आयोजन आईआईटी रुड़की कर रही है। इसके लिए ऑनलाइन पंजीकरण 23 अप्रैल से प्रारंभ होगा। आईआईटी रुड़की के जनसंपर्क विभाग द्वारा जानकारी दी गई है कि जेईई (एडवांस्ड) 2026 के लिए, जेईई (मेन) 2026 में योग्य अभ्यर्थियों हेतु ऑनलाइन पंजीकरण 23 अप्रैल 2026 (10 बजे) से प्रारंभ होकर 2 मई 2026 (23:59 बजे) तक खुला रहेगा। पंजीकृत अभ्यर्थियों के लिए शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि 4 मई 2026 (23:59 बजे तक)है। योग्य अभ्यर्थी निर्धारित समयसीमा के भीतर आधिकारिक पोर्टल : https://jeeadv.nic.in/applicant के माध्यम से अपना पंजीकरण पूर्ण करें। जेईई एडवांस्ड 2026 के लिए केवल वही उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं, जो जेईई मेन - 2026 में शामिल हुए हों और टॉप 2.5 लाख रैंक में आते हों।

13 हजार किमी की साइकिल यात्रा ने जगाई नई सोच, साक्षी बना लखनऊ

लखनऊ। देश में नशा मुक्ति के लिए युवाओं को खेल और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति प्रेरित करने तथा विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से निकली 'ऑपरेशन सिंदूरः 9 संकल्प विकसित भारत-चारधाम साइकिल यात्रा' उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पहुंची है। हरियाणा के पानीपत से शुरू हुई यह यात्रा अब एक व्यक्तिगत प्रयास से आगे बढ़कर राष्ट्रीय स्तर के जनजागरण अभियान का रूप ले चुकी है। यात्रा की शुरुआत 25 मई 2025 को पानीपत निवासी युवा सामाजिक कार्यकर्ता दीपक शर्मा ने की थी। अब तक वे 13 हजार किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर चुके हैं और 20 से ज्यादा राज्यों का भ्रमण कर चुके हैं। उनका लक्ष्य करीब 15 हजार किलोमीटर की दूरी पूरी कर देशभर में जागरूकता फैलाना है। दीपक शर्मा ने हिन्दुस्थान समाचार से कहा कि देश में युवाओं के सामने नशे की बढ़ती प्रवृत्ति,शारीरिक निष्क्रियता और लक्ष्यहीनता जैसी गंभीर चुनौतियां हैं। इन्हीं मुद्दों को ध्यान में रखते हुए साइकिल के माध्यम से सीधे लोगों तक पहुंचने का रास्ता चुना है। उन्होंने कहा कि साइकिल न केवल पर्यावरण के लिए अनुकूल साधन है, बल्कि आमजन से संवाद का सरल और प्रभावी माध्यम भी है।

मुख्यमंत्री ने अरुणा आसफ अली अस्पताल का औचक निरीक्षण किया

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अरुणा आसफ अली अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान मरीजों और उनके परिजनों से व्यवस्थाओं और डॉक्टरों की उपलब्धता की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि डॉक्टरों, कर्मचारियों और अस्पताल प्रबंधन से फीडबैक लेकर स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक, तेज, संवेदनशील और नागरिक-केंद्रित बनाने की दिशा में आवश्यक निर्देश दिए। हमारा संकल्प है कि दिल्ली का हर नागरिक ऐसे स्वास्थ्य तंत्र का अनुभव करे जहां समय पर उपचार मिले, आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हों, स्वच्छ वातावरण हो और हर मरीज को सम्मान के साथ सेवा प्राप्त हो। मुख्यमंत्री ने गर्मी को देखते हुए अस्पताल प्रशासन को दवाइयों की उपलब्धता, पीने के पानी, स्वच्छता, मरीजों की सुविधा और सभी आवश्यक इंतजाम सर्वोच्च प्राथमिकता पर सुनिश्चित करने को कहा गया है। हर नागरिक को समय पर उपचार और सभी अस्पताल सेवा, संवेदना एवं विश्वास का केंद्र बनें। इसी दिशा में दिल्ली सरकार निरंतर कार्य कर रही हैं।

ऋषिकेश एम्स के दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति ने किया मेडिकल छात्रों से सेवा भाव अपनाने का आह्वान

एजेंसी

देहरादून। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने एम्स ऋषिकेश के 6वें दीक्षांत समारोह में मेडिकल स्नातकों से सहानुभूति, ईमानदारी और राष्ट्र-निर्माण के प्रति समर्पण के साथ सेवा करने का आह्वान किया। यहां उपराष्ट्रपति ने एम्स विस्तार की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचनी चाहिए। स्वास्थ्य सेवाएं केवल अस्पतालों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। उप राष्ट्रपति ने एम्स ऋषिकेश में टेलीमेडिसिन और नवाचार की सराहना की। उन्होंने कहा कि इससे दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों को लाभ मिलेगा।

उपराष्ट्रपति ने भारत की न्यायसंगत कोविड प्रतिक्रिया पर प्रकाश डाला और 'वैक्सीन मैत्री' पहल की सराहना की। इसके अलावा उन्होंने बुनियादी ढांचे और सेवाओं को सुदृढ़ बनाने में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के

नेतृत्व की सराहना की।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने एम्स ऋषिकेश के 6वें दीक्षांत समारोह में डीएम, एम.सी.एच., एमएस, एमडी, एमबीबीएस, बीएससी नर्सिंग की स्नातक उपाधि भी वितरित की। समारोह में डॉ. मेहुल अग्रवाल, एम.सी.एच. (यूरोलॉजी), बैच (जुलाई-2022), डॉ. मयंक कपूर डी.एम. (मेडिकल ऑन्कोलॉजी) बैच (जनवरी-2023), डॉ. लखविंदर सिंह एम.सी.एच. (गायनोकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजी) बैच (जुलाई-2022), डॉ. कृष्णप्रिया एस. कुमार, डी.एम. (पल्मोनरी, क्रिटिकल केयर और स्लीप मेडिसिन) बैच (जनवरी-2023), एम.डी.एम.एस. कोर्स, डॉ. श्रीजीत जे एम.डी. (इमरजेंसी मेडिसिन) बैच (जुलाई-2022), डॉ. बालाचंद्र रौथु, एम.डी. (जनरल मेडिसिन) बैच (जनवरी-2023), डॉ. के. विद्या एमडी (परमाणु चिकित्सा) बैच (जनवरी-2023) को योग्यता के आधार पर पदक देकर सम्मानित किया गया।

मल्लिकार्जुन खरगे के विरुद्ध पुलिस अधीक्षक को परिवाद पेश, कार्यवाही की मांग

एजेंसी

बांसवाड़ा। असम की चुनावी रैलियों में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के एक बयान को लेकर बांसवाड़ा जिले में विरोध के स्वर उठने लगे हैं। कलिंजरा निवासी हरीश कुमार पटेल ने जिला पुलिस अधीक्षक को परिवाद सौंपकर खरगे के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की मांग की है। परिवादी हरीश कुमार पटेल ने अपने आवेदन में बताया कि गत 6 अप्रैल को असम के श्रीभूमि और कछार जिलों में चुनावी रैलियों के दौरान मल्लिकार्जुन खरगे ने कथित तौर पर आरएसएस और भाजपा के विरुद्ध आपत्तिजनक और भड़काऊ भाषा का प्रयोग किया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो का हवाला देते हुए परिवादी ने आरोप लगाया कि खरगे ने धार्मिक प्रतीकों की आड़ में नफरत फैलाने वाला भाषण (हेट स्पीच) दिया है। परिवाद में कहा गया है कि खरगे के इस बयान से आरएसएस और भाजपा के कार्यकर्ताओं सहित आम जन की भावनाएं आहत हुई हैं। हरीश पटेल ने पुलिस अधीक्षक से निवेदन किया है कि यह मामला आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के साथ-साथ बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) और साइबर क्राइम की धाराओं के तहत आता है। उन्होंने मांग की है कि इस मामले में कलिंजरा थाना पुलिस को मुकदमा दर्ज कर उचित अनुसंधान के आदेश दिए जाएं।

पश्चिम बंगाल के उलूबेरिया में भाजपा की जीत पक्की : हिमंता बिस्वा सरमा

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में एक ओर जहां पहले चरण के तहत 152 सीटों पर मतदान जारी है, वहीं दूसरे चरण की 142 सीटों के लिए चुनाव प्रचार भी पूरी तेजी पर है। इसी कड़ी में असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने पश्चिम बंगाल के उलूबेरिया में आयोजित एक जनसभा को संबोधित किया। सीएम सरमा ने जनसभा में दावा किया कि दक्षिण उलूबेरिया से भाजपा उम्मीदवार स्वामी मंगलानंद पुरी महाराज मजबूती से चुनाव लड़ रहे हैं और उनकी जीत तय है। उन्होंने कहा कि यहां 'मंत्री भी हारेंगे और संत्री भी हारेंगे', भाजपा जीतेगी। चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सीएम सरमा ने कहा, 'स्वामी जी जीतेंगे या नहीं? क्या वे जरूर जीतेंगे? अगर हां, तो मेरे साथ कहिए, भारत माता की जय।' उन्होंने कहा कि इस बार बदलाव जरूरी है और उन्हें पूरा विश्वास है कि भाजपा उम्मीदवार 100 प्रतिशत जीत हासिल करेंगे। उन्होंने मतदान को लेकर भी बड़ा दावा किया। सीएम सरमा ने कहा कि दोपहर करीब 12:30 बजे तक पहले चरण के मतदान में लगभग 50 प्रतिशत लोग

वोट डाल चुके हैं। हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा, 'सुबह से जो भी जानकारी मिल रही है, उसमें एक ही बात सामने आ रही है कि इस बार लोग बदलाव के लिए वोट कर रहे हैं। ' सीएम सरमा ने कहा, 'अगर हमने अब इन्हें नहीं हटाया, तो 20 साल बाद ये हमें हटा देंगे।' उन्होंने बांग्लादेश की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि छह महीने पहले वहां हिंदुओं के साथ क्या हुआ, इसे याद रखना चाहिए। सीएम सरमा ने इस चुनाव को बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह सिर्फ राजनीतिक चुनाव नहीं, बल्कि 'जीने और मरने' का चुनाव है। उन्होंने कहा कि बहुत समय बाद पश्चिम बंगाल में परिवर्तन का माहौल बना है और अब ऐसी सरकार बनानी है जो सनातन और हिंदू समाज का सम्मान करे। बता दें कि दूसरे चरण के लिए 142 सीटों पर 29 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे और 4 मई को वोटों की गिनती होगी, इसके साथ ही चुनाव के नतीजे घोषित कर दिए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ सरकार ने 24 घंटे में वापस लिया कर्मचारियों के राजनीतिक गतिविधियों पर रोक का आदेश

एजेंसी

रायपुर । छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को राजनीतिक गतिविधियों से दूर रखने संबंधी अपना आदेश महज 24 घंटे के भीतर वापस ले लिया। इस फैसले ने राज्य में सियासी हलचल तेज कर दी है। बुधवार देर रात जारी निर्देश में कहा गया था कि कोई भी सरकारी अधिकारी या कर्मचारी किसी राजनीतिक दल में पद नहीं रखेगा और न ही राजनीतिक गतिविधियों में हिस्सा लेगा। उल्लंघन करने पर सिविल सेवा आचरण नियमों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई थी। हालांकि, इस आदेश का तुरंत विरोध शुरू हो गया। कांग्रेस पार्टी ने इसके समय और मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसे नियम पहले से ही पूरे देश में लागू हैं, फिर नया सर्कुलर जारी करने की जरूरत क्यों पड़ी। कांग्रेस ने यह भी पूछा कि क्या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठनों के कार्यक्रमों में भाग लेना भी इन नियमों का उल्लंघन

माना जाएगा। इस सवाल ने विवाद को और बढ़ा दिया और सरकार पर स्पष्टीकरण का दबाव बढ़ा। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियमों के तहत सरकारी कर्मचारियों को अपने कार्यों में निष्पक्षता और ईमानदारी बनाए रखना अनिवार्य है। इन नियमों में कर्मचारियों को राजनीतिक दलों की सक्रिय सदस्यता लेने और राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने से स्पष्ट रूप से रोका गया है।

सरकार का कहना है कि वापस लिया गया सर्कुलर इन्हीं प्रावधानों की पुनरावृत्ति मात्र था, लेकिन विपक्ष ने इसे राजनीतिक दृष्टि से प्रेरित कदम बताया।

आदेश वापस लेकर साय सरकार ने फिलहाल विवाद को शांत करने की कोशिश की है, लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने सरकारी कर्मचारियों की राजनीतिक भूमिका और प्रशासनिक निष्पक्षता की सीमाओं को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

विपक्षी दल अब भी इस बात पर स्पष्टता की मांग कर रहे हैं कि किन गतिविधियों को राजनीतिक माना जाएगा, खासकर कुछ संगठनों से जुड़े कार्यक्रमों के संदर्भ में।

बंगाल में भाजपा सरकार बनाओ, हर घुसपैठिए को चुन-चुनकर बाहर निकाल देंगे: अमित शाह

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पुरुलिया में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में केंद्रीय गृह मंत्री ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर तीखा हमला बोला। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की कानून-व्यवस्था, घुसपैठ और राजनीतिक माहौल को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए। अमित शाह ने कहा कि आज बंगाल के हर कोने में टीएमसी के खिलाफ भारी गुस्सा देखने को मिल रहा है। प्रदेश की जनता मौजूदा सरकार से परेशान हो चुकी है और बदलाव चाहती है। तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ यह आक्रोश अब पूरे राज्य में फैल चुका है, जो आने वाले चुनाव में साफ दिखाई देगा। अपने संबोधन में घुसपैठ के मुद्दे को प्रमुखता से उठाते हुए उन्होंने कहा कि बंगाल में घुसपैठ एक बड़ी समस्या बन चुकी है और इसे रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत है। यहां से घुसपैठियों को बाहर निकालना चाहिए, लेकिन जब एसआईआर के दौरान

घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाते हैं, तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी (दीदी) को इससे तकलीफ होती है। अमित शाह ने आगे कहा कि अगर राज्य में भाजपा की सरकार बनती है, तो हर एक घुसपैठिए को चिन्हित कर बाहर निकालने का काम किया जाएगा। आप 5 तारीख को भाजपा सरकार बना दो। हम पूरे बंगाल से चुन-चुन कर एक-एक घुसपैठिये को बंगाल से बाहर निकाल देंगे। उन्होंने आगे कहा कि तृणमूल का यह 'जंगल राज', जिसकी पहचान किसानों की ज़मीन पर कब्जा करने वालों को सौंप देना और गरीबों के अधिकारों को सिंडिकेट के हवाले कर देना है, 4 मई को समाप्त होने जा रहा है। जनता भी अब केवल 'कमल' खिलाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

किसानों का जिक्र करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बंगाल के किसानों को उनके आलू का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है, फिर भी ममता सरकार पूरी तरह से उदासीन बनी हुई है। इसके विपरीत, उन्होंने आलू के निर्यात पर रोक लगा दी है। परिणामस्वरूप, आलू किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

जब भाजपा सरकार बनाएगी, तो वह आलू किसानों के साथ खड़ी होगी और उन्हें अपनी उपज के निर्यात में सहायता प्रदान करेगी। अमित शाह ने कहा कि बंगाल में अभी अभी मुझे कुछ लोग मिले, जो कह रहे थे कि अमित भाई, लोग वोट तो देना चाहते हैं, लेकिन गुंडों से डरते हैं। लोगों को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि इनसे मत डरना।

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में भाजपा भारी बहुमत से बनाएगी सरकार : अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के लिए आज मतदान हो रहा है जिसको लेकर हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने दोनों राज्यों में भाजपा की जीत का दावा किया और कहा कि दोनों राज्यों में भाजपा भारी बहुमत से सरकार बनाएगी। विज पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। पहलगाम में हुई आतंकी घटना को पूरा साल हो गया है जिस पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ये जो हमारा कायर पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान है ये निहत्थों पर छिपकर वार करता है, धर्म जाति पूछकर कत्ल करवाता है। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि अब वो राज चले गए जब श्रद्धांजलियां देकर घरों में बैठ जाया करते थे। अब ये नरेंद्र मोदी की सरकार है जिन्होंने पाकिस्तान के दांत तोड़ दिए और उसको सबक सिखा दिया है, अब ये सहने वाला भारत नहीं है बल्कि समझाने वाला भारत है।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने

बयान दिया कि हम सब आतंकवाद से मिलकर लड़ेंगे जिस पर मंत्री अनिल विज ने कटाक्ष करते हुए कहा कि राहुल गांधी सुबह कुछ है, शाम को कुछ है, आज कुछ है और कल कुछ है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अगर अपने ही बयान निकाल कर देख लें तो उन्हें समझ आ जाएगा।

राज्यपाल ने आवारा सांडों को छोड़े जाने पर जताई चिंता, सामूहिक कार्रवाई का आह्वान

एजेंसी

जयपुर । राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सड़कों पर छोड़े गए नंदियों (सांडों) की बढ़ती संख्या पर चिंता जताई है। उन्होंने इस समस्या के समाधान के लिए समाज और सरकार द्वारा मिलकर प्रयास किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने चारे का दान और गौशालाओं के जरिए आश्रय जैसी पहलों पर जोर दिया, और यह भी बताया कि राजस्थान सरकार उनकी सुरक्षा के लिए विशेष अभियान चला रही है। उन्होंने 'नंदी' (सांडों) के पालन-पोषण और खेती में उनके इस्तेमाल को बढ़ावा देने वाली एक खास योजना का भी जिक्र किया, जिसके तहत किसानों को हर साल 30,000 रुपए की आर्थिक मदद मिलती है।

हरिभाऊ बागड़े ने बहरोड़ इलाके के बिजोरवास गांव का दौरा किया, जहां उन्होंने 'बाबा बिशाह मंदिर परिसर' में बने एक शिव मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लिया।

इस मौके पर उन्होंने पारंपरिक धार्मिक ग्रंथों में बताए गए तरीकों के अनुसार पूजा-अर्चना और अनुष्ठान किए, और राज्य के लोगों की खुशी, समृद्धि और भलाई के लिए प्रार्थना की।

सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि भगवान शिव अज्ञान और नकारात्मकता को दूर करने का प्रतीक हैं, और वे लोगों को ज्ञान और सकारात्मकता की ओर ले जाते हैं।

सांस्कृतिक निरंतरता के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी के लिए अपनी परंपराओं और विरासत से गहराई से जुड़े रहना बहुत जरूरी है।

राज्यपाल ने कहा, 'भगवान शिव ही वह शक्ति हैं जो अज्ञान और नकारात्मकता के अंधेरे को मिटाकर हमारे जीवन में ज्ञान और सकारात्मकता का प्रकाश लाते हैं। युवाओं के लिए यह बहुत जरूरी है कि वे अपनी परंपराओं और संस्कृति को अपने जीवन में उतारें, ताकि उनकी सांस्कृतिक पहचान, मूल्य और निरंतरता बनी रहे। ऐसा करने से लोग अपनी जड़ों से जुड़े रहते हैं और साथ ही आधुनिकता के साथ तालमेल भी बिठा पाते हैं, जिससे एक मजबूत समाज और राष्ट्र के निर्माण में योगदान मिलता है। '

उन्होंने कहा कि आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में संस्कृति और मूल्यों की गहरी समझ भी पैदा की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि इस तरह का संतुलन लोगों को बदलते समय के साथ ढलते हुए भी अपनी पहचान से जुड़े रहने में मदद करता है, और अंततः एक मजबूत और सौहार्दपूर्ण समाज के विकास में योगदान देता है।

एक और अहम मुद्दे पर बात करते हुए राज्यपाल ने सड़कों पर आवारा घूमते सांडों की समस्या का जिक्र किया। राज्यपाल ने आगे बताया कि राजस्थान सरकार ऐसे जानवरों को सुरक्षित आश्रय देने के लिए विशेष अभियान चला रही है।

'सशक्त किसान-समृद्ध भारत' के विजन को धरातल पर साकार करने के लिए हम प्रतिबद्ध : भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जयपुर में 23 से 25 मई तक ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम)-2026 का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत किसानों, कृषि विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और निवेशकों को एक मंच पर लाकर कृषि प्रौद्योगिकी के माध्यम से किसानों की मजबूती पर बल दिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सशक्त किसान, समृद्ध भारत' के विजन को धरातल पर साकार करने के लिए यह सम्मेलन अहम भूमिका निभाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी निवेशकों एवं उद्यमियों को ग्राम-2026 में भाग लेने का आमंत्रण भी दिया। मुख्यमंत्री नई दिल्ली में आयोजित ग्राम-2026 इन्वेस्टर मीट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'ग्राम' के तहत गिरदावर सर्किल, उपखण्ड, जिला सहित प्रत्येक स्तर पर गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, जिससे ज्यादा से ज्यादा किसान लाभान्वित हो सकें। उन्होंने कहा कि राजस्थान कृषि उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य है। बाजरा, सरसों, तिलहन, जौ, ग्वार, ईसबगोल और जीरे के

उत्पादन में राजस्थान देश में पहले स्थान पर है। इस विविधता से फूड प्रोसेसिंग, स्पाइस पार्क और एग्री-एक्सपोर्ट जैसे क्षेत्रों में उद्यमियों के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार उद्यमियों को निवेश अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन कर कृषि क्षेत्र में करीब 44 हजार करोड़ रुपये के एमओयू साइन किए गए, जिनमें से 9 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश धरातल पर उतर भी चुका है। ग्राम-2026 इसी निवेश यात्रा को और आगे ले जाने का मंच है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पहली बार पश्चिम क्षेत्रीय जोनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। दलहन उत्पादन के मामले में झालावाड़ व टोंक जिलों को मॉडल जिलों के तौर पर? विकसित किया जा रहा है। वहीं, केंद्र सरकार द्वारा भी प्रदेश में 3 लाख क्विंटल से अधिक बीज वितरण के लिए किसानों को अनुदान दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में सौर ऊर्जा उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार ने दो साल में एक हजार करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान जारी कर राज्य में 65 हजार से अधिक सौर पंप संयंत्र स्थापित करवाए हैं। इससे किसानों की बिजली लागत में भारी कमी आई है और कृषि उत्पादकता में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि हमारी मंशा है कि किसानों को निकटतम ही प्रसंस्करण इकाई मिले और उनकी आय बढ़े। इस हेतु हम प्रोसेसिंग यूनिट, वेयरहाउस, डेयरी, मछली पालन, पशुपालन सहित अन्य कृषि से जुड़ी गतिविधियों पर भी फोकस कर रहे हैं। प्रदेश में डेढ़ हजार से अधिक कृषि प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित की गई हैं। साथ ही, प्रदेश में प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए फूड पार्कों हेतु भूमि चिन्हित की जा चुकी है। मसाला प्रकोष्ठ की स्थापना, राजस्थान स्पाइस कॉन्क्लेव का आयोजन तथा राजस्पाइस मोबाइल एप्लिकेशन विकसित करने जैसे नवाचार भी किए गए हैं।

भीषण गर्मी में पशुधन बचाने की अपील, मंत्री जोराराम कुमावत ने दिए सतर्कता और देखभाल के निर्देश

एजेंसी

जयपुर। भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए पशुपालन, गोपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने प्राकृतिक परिवर्तनों के प्रभाव से पशुधन को स्वस्थ रखने हेतु प्रदेश के पशुपालकों से सचेत और जागरूक रहने की अपील की है तथा पशुपालन विभाग को भी पशुओं के रखरखाव पोषण एवम् स्वास्थ्य रक्षा हेतु आवश्यक कदम उठाये जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में गर्मी की शुरुआत हो चुकी है। आगामी महीनों में तापमान बढ़ने के साथ लू और तापघात के कारण पशुधन के स्वास्थ्य और उत्पादन क्षमता पर असर पड़ सकता है। गर्मी के कारण पशुओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होने से विभिन्न संक्रामक रोग की संभावना भी रहती है। खासकर दुधारू पशुओं के दुग्ध उत्पादन पर गर्मी का बहुत असर पड़ता है। अधिक गर्मी के कारण दुधारू पशु अक्सर जल्दी बीमार पड़ते हैं और दूध देना कम कर देते हैं. इसके कारण पशुपालकों को भी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। पशुपालन मंत्री ने कहा कि विभाग द्वारा पशुओं की देख भाल को लेकर समय समय पर निर्देश जारी किए जाते हैं पशुपालक उन निर्देशों का पालन करें। जरूरत पड़ने पर अपने नजदीक के पशु चिकित्सालय या उप केंद्र में संपर्क करें। प्रमुख शासन सचिव पशुपालन, गोपालन तथा मत्स्य विकास सीतारामजी भाले ने भी सभी जिला पशु चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने अपने क्षेत्रों में पशुधन के लू और तापघात से बचाव के लिए विशेष प्रयास करें, पशुपालकों को जागरूक करें और सभी उपयोगी जानकारियों को विभिन्न प्रचार माध्यमों से अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि पशुपालकों की जागरूकता तथा समय पर उठाए गए कदम पशुधन को लू से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रमुख शासन सचिव ने निराश्रित पशुओं के लिए पशु आश्रय स्थलों, चारागाहों और रास्ते में उपयुक्त स्थानों पर जलकुंडों और पक्षियों के लिए जन सहभागिता से सभी उपयुक्त सार्वजनिक स्थानों और घरों में परिंडे लगाने के लिए आमजन और स्वयंसेवी संगठनों को प्रेरित करने के निर्देश दिए हैं जिससे पशु पक्षियों को पर्याप्त स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि स्थापित किए गए जल कुंडों एवं परिंडों में नियमित रूप से जल भराव सुनिश्चित करने हेतु संबंधित विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं, गौशालाओं, सामाजिक संगठनों एवं जन सहयोग को प्रोत्साहित किया जाए, ताकि इन व्यवस्थाओं का सतत संचालन बना रहे।

आईपीएल में आज होगा रॉयल्स और सनराइजर्स के बीच मुकाबला

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की टीम शनिवार को अपने घरेलू मैदान पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करने। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरा जोर लगा देंगी। राजस्थान को हालांकि घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा।

राजस्थान रॉयल्स की टीम में कप्तान रियान पराग के अलावा यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाज हैं। टीम के पास रविंद्र जडेजा जैसा ऑलराउंडर हैं। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद टीम के पास कप्तान ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज , हैं। गेंदबाजी की बात करें तो रॉयल्स के पास जोफ्रा आर्चर और रवि बिश्नोई जैसे गेंदबाज वहीं सनराइजर्स के पास हर्ष दुबे, साकिब हुसैन जैसे गेंदबाज हैं।

सनराइजर्स की बल्लेबाजी की ताकत उनके शीर्ष क्रम में है, जहां ईशान और क्लासेन पहले ही कई मौकों पर आक्रामक प्रदर्शन कर चुके हैं। हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाने वाले अभिषेक और हेड भी तेज शुरुआत देने की कोशिश करेंगे।

प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन दोनों ने रॉयल्स के खिलाफ अपने आईपीएल पदार्पण में चार-चार विकेट लिए, लेकिन सनराइजर्स की गेंदबाजी अपेक्षाकृत अनुभवहीन है। टीम कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति में संघर्ष कर रही है, हालांकि हाल के मैचों में कुछ सुधार देखने को मिला है।

जयपुर के इस मैदान पर अधिकतर मैच लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमें जीतती रही हैं ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करना चाहेगी। अब तक दोनो बीच 22 मुकाबले हुए हैं जिसमें से राजस्थान रॉयल्स ने 9 जबकि सनराइजर्स हैदराबाद ने 13 मैच जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स = यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रियान पराग, शिमरोन हेटमायर, रविंद्र जडेजा, डोनोवन फरेरा, जोफ्रा आर्चर, नंद्रे बर्गर, बृजेश शर्मा, रवि बिश्नोई। इम्पैक्ट प्लेयर- शिवम दुबे।

सनराइजर्स हैदराबाद = ईशान किशन (कप्तान), हेनरिक अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, क्लासेन, साहिल अरोड़ा (विकेटकीपर), अनिकेत वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवांग कुमार, हर्ष दुबे, साकिब हुसैन प्रफुल्ल हिंगे। इम्पैक्ट प्लेयरः ईशान मलिंगा।

53 के हुए सचिन को मिली बधाईयां

-हजारों करोड़ की संपत्ति के हैं मालिक

मुम्बई (एजेंसी)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर आज 53 साल के हो गये। इस अवसर पर उन्हें प्रशंसकों के साथ ही खेल जगत से भी बधाईयां मिल रही हैं। सचिन का क्रिकेट करियर इतना सुनहरा रहा है कि उनको क्रिकेट का भगवान तक कहा जाता है जिस प्रकार की लोकप्रियता उन्हें हासिल हुई है वैसी किसी अन्य क्रिकेटर को नहीं मिली है। अपने दो दशक से अधिक के क्रिकेट करियर में सचिन ने हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति भी अर्जित की है।

उन्होंने 16 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से करीब 40 साल की उम्र तक भारतीय क्रिकेट को सेवाएं दी। इतना लंबा करियर भारत ही नहीं विश्व में किसी क्रिकेटर का नहीं रहा। सचिन ने अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक लगाने का ऐसा रिकार्ड बनाया, जिसे तोड़ना असंभव नजर आता है। 200 टेस्ट मैचों में 15921 रन और 463 वनडे मैचों में 18426 रन उनके नाम दर्ज हैं। वनडे में पहला दोहरा शतक लगाने का गौरव भी सचिन के ही नाम है।

सचिन का मुंबई के बांद्रा (वेस्ट) में पेरी क्रॉस रोड पर एक बेहद आलीशान बंगला है। लगभग 6000 स्क्वायर फीट में फैला यह तीन मंजिला घर करीब 80 से 100 करोड़ रुपए का है। इसके अलावा, उनका केरल में एक वॉटरफ्रंट बंगला और लंदन में भी संपत्ति है। इसके अलावा उनके पास करोड़ों रुपये की लक्जरी कारें भी हैं।

इसमें बीएमडब्लयू , फरारी ओर पोर्श जैसी गाड़ियां रही हैं।

उनकी ब्रांड वैल्यू रिटायरमेंट के इतने सालों बाद भी कम नहीं हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, उनकी कुल संपत्ति लगभग 1350 करोड़ से 1500 करोड़ रुपए के बीच है। रिटायरमेंट के बाद उनकी कमाई का मुख्य जरिया ब्रांड एंडोर्समेंट, विभिन्न व्यवसायों में निवेश और अन्य बिजनेस वेंचर हैं। सचिन आज भी अपोलो टायर्स, आईटीसी और ल्यूमिनस जैसे बड़े ब्रांड्स का चेहरा हैं। इसके अलाव वह उनका इंडियन सुपर लीग की टीम में और कई स्टार्टअप्स में भी निवेश है।

दिल्ली कैपिटल्स की ओर से एक मई के मैच में खेल सकते हैं स्टार्क

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अब अपनी चोट से उबर गये हैं और सब कुछ ठीक रहा तो एक मई को होने वाले मैच में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से उतरेंगे। स्टार्क को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने आईपीएल में खेलने की अनुमति मिल गयी है। स्टार्क की वापसी से दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजी बेहतर होगी। टीम का इस सत्र में मिला-जुला प्रदर्शन रहा है। ऐसे में उसके लिए स्टार्क का आना लाभदायक रहेगा। स्टार्क को बिग बैश लीग के दौरान कंधे और कोहनी में चोट लगी थी, जिसने उन्हें लंबे समय तक खेल से दूर रखा। हालांकि, अब वह पूरी तरह से फिट हो चुके हैं और सिडनी में कड़ी ट्रेनिंग के जरिए अपने वर्कलोड को धीरे-धीरे बढ़ा रहे हैं। उनकी फिटनेस पर लगातार नजर रखी जा रही थी और अब मेडिकल टीम ने उन्हें हरी झंडी दे दी है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मिचेल स्टार्क 25 अप्रैल तक दिल्ली पहुंचें सकते हैं। इसके बाद वह भारतीय हालातों के अनुरूप अपने को ढालने और टीम के साथ तालमेल बिठाने में कुछ समय लेंगे। ऐसे में वह 1 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले में चयन के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। यह मुकाबला टीम के लिए बेहद अहम होगा और स्टार्क की मौजूदगी निश्चित रूप से विरोधियों पर दबाव डालेगी।वह 25 अप्रैल को पंजाब किंग्स और 27 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ होने वाले मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे। उनकी वापसी के बाद टीम प्रबंधन को एक विदेशी खिलाड़ी को बाहर करना पड़ेगा। संभावना है कि टीम ओपनर पथुम निसांका को बाहर होना पड़े। जिससे ताकि स्टार्क को अंतिम एकादश में जगह मिल सके। हालांकि, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर और लुंगी एनगिडी में से किसी को बाहर किये जाने की संभावना नहीं है। पिछले सीज़न में मिचेल स्टार्क ने 11 मैचों में 14 विकेट हासिल किए थे, जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उनका 5 विकेट का शानदार प्रदर्शन भी शामिल था। हालांकि, उस सीज़न में उनका इकॉनमी रेट 10 से ज़्यादा रहा था, जो कि टी20 प्रारूप में थोड़ा चिंताजनक माना जाता है। इस सीज़न दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन अब तक मिला-जुला रहा है। टीम ने 6 मैचों में 3 जीत और 3 हार के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर है और उनका नेट रन रेट -0.821 है, जो उनकी प्लेऑफ की राह को मुश्किल बना सकता है।

आईपीएल में आज होगा पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स की टीम शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने घरेलू मैदान पर पंजाब किंग्स का मुकाबला करेगी। इस मैच में दिल्ली का प्रयास जहां जीत दर्ज कर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखना रहेगा। वहीं दूसरी ओर अंक तालिक में नंबर एक चल रही पंजाब किंग्स अपनी जीत के अभियान हो जारी रख प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ाने उतरेगी। पंजाब ने अब तक अपने सभी मैच जीते हैं और वह 11 अंक लेक तालिक में नंबर एक स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर दिल्ली केवल तीन मैच जीतने के साथ ही छठे स्थान पर है। ऐसे में इस मैच में भी पंजाब जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। उसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दिल्ली से काफी अच्छी रही है। करना होगा।

वहीं पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से हार के कारण दिल्लीका मनोबल भी गिरा हुआ है। अगर उसे जीत के साथ वापसी करनी है तो उसके सभी लिए खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन करना होगा।

इस सत्र में दिल्ली की सबसे बड़ी कमजोर उसकी बल्लेबाजी रही है। उसकी ओर से केवल केएल राहुल, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स और समीर रिजवी ही अब तक रन बना पाये हैं। पूरी टीम एकजुट होकर प्रदर्शन करने में विफल रही है। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका भी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में असफल रहे हैं, जिससे मध्यक्रम पर दबाव बढ़ गया है। कप्तान अक्षर पटेल भी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं उनकी रणनीति भी असफल रही है ।

उनके कुछ फैसले भी गलत साबित हुए हैं जो टीम की हार का कारण बन हैं। दिल्ली का क्षेत्ररक्षण भी भी खराब रहा है। जिससे भी उसे नुकसान हुआ है।

उसके लिए राहत की बात गेंदबाजी ठीक रहना है हालांकि पिछले कुछ समय से जिस प्रकार से पंजाब के बल्लेबाजों ने खेला है उसको देखते हुए उसके बल्लेबाजों को और अधिक बेहतर गेंदबाजी करनी होगी। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स टीम ने पिछले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ सात विकेट पर 254 रनों का इस सत्र का सबसे अधिक स्कोर बनाया था। ऐसे में उसे रोकना आसान नहीं लगता। श्रेयस सहित उसके उसके बल्लेबाजों ने इस सत्र में काफी रन बनाये है। इस मैच में हालांकि टीम को कूपर कोनोली की कमी खेलेगी। कूपर फिट नहीं होने के कारण इस मैच से बाहर रहेंगे। टीम के पास अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, मार्को यानसन, विजयकुमार वैशाक जैसे बेहतरीन गेंदबाज हैं।

वहीं आंकड़ों पर जायें तो दोनो के बीच 35 मुकाबले हुए है जिसमें से दोनो ने ही 17-17 मुकाबले जीते हैं वहीं एक मैच का परिणाम नहीं निकला।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

दिल्ली कैपिटल्सः अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, औकिब नबी डार, नीतीश राणा, टी. नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगिसानी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव।

पंजाब किंग्सः श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, पायला अविनाश, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), विष्णु विनोद (विकेटकीपर), नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, मिचेल ओवेन, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, प्रवीण दुबे, बेन ड्वारशुइस, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विशाल निशाद, विजयकुमार वैशाख, यश ठाकुर।

मैड्रिड ओपन : वालेजो ने दिमित्रोव को चौंकाया, सितसिपास बाल-बाल बचे

मैड्रिड । पैरागवे के क्वालिफायर अडोल्फो डेनियल वालेजो ने गुरुवार को मैड्रिड ओपन में अपने एटीपी मास्टर्स 1000 डेब्यू पर जीत हासिल की। उन्होंने पूर्व वर्ल्ड नंबर 3 ग्रिगोर दिमित्रोव को 6-4, 6-4 से हराकर दूसरे राउंड में जगह बनाई। 21 साल के वालेजो मास्टर्स 1000 में मैच जीतने वाले पैरागवे के सिर्फ दूसरे खिलाड़ी हैं। 1990 में इस सीरीज की शुरुआत के बाद से, वह रामोन डेलगाडो के बाद ऐसा करने वाले दूसरे खिलाड़ी बने हैं। वालेजो का अगला मुकाबला लर्नर टिएन से होगा। वालेजो ने जीत के बाद कहा, 'यह अविश्वसनीय है। यह किसी फिल्म जैसा लग रहा है। मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या हो रहा है। मैं (दिमित्रोव) को और उनके सभी हाइलाइट्स को देखा करता था। आज उन्होंने मेरे खिलाफ जितने भी पॉइंट्स बनाए, उन्हें मैं टीवी पर देखा करता था। अब उनके खिलाफ खेलना, 'वाह'। मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या हो रहा है, लेकिन मैं बस इसका मज़ा लेने की कोशिश कर रहा हूं।'

शुरुआती विकेट गंवाना बना हार का कारण : पांड्या

मुम्बई । मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली हार पर निराशा जताई है। मुम्बई की ये लगातार पांचवीं हार है। इसके लिए पांड्या ने टीम की खराब बल्लेबाजी पर निराशा जताई है। उनका कहना है कि पावरप्ले में ही शुरुआती विकेट गिरने से मुम्बई को नुकसान हुआ। सीएसके की जीत में संजू सैमसन के शतक के साथ ही स्पिनर अकील हुसैन की घातक गेंदबाजी की भी अहम भूमिका रही है।

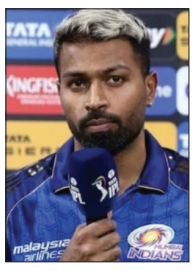

सीएसके के हाथों मुम्बई को 103 रनों से बड़ी हार का सामना करना पड़ा है। इस जीत से जहां सीएसके छह अंक लेकर तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई है, वहीं मुंबई इंडियंस चार अंकों के साथ आठवें स्थान पर फिसल गई है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके ने सैमसन के नाबाद 101 रनों की पारी से 20 ओवर में 6 विकेट पर 207 रन बना दिये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियंस केवल 104 रन ही बना पायी। यह मुंबई इंडियंस की आईपीएल इतिहास में रनों के मामले में इतनी बड़ी हार है। पांड्या ने कहा, पावरप्ले में शुरुआती विकेट खोना टीम के लिए नुकसानदेह रहा। इससे टीम लक्ष्य का पीछा करते समय दबाव में आ गयी। उन्होंने माना है कि टीम की बल्लेबाजी उम्मीद के अनुसार नहीं रही। पांड्या ने आगे कहा, हमें बेहतर बल्लेबाजी करनी चाहिए थी। लक्ष्य का पीछा करने के लिए लय की आवश्यकता होती है पर हम उसे हासिल करने में विफल रहे। उन्होंने भविष्य की रणनीति पर बात करते हुए कहा, अब हमें कुछ दिनों का समय मिलेगा सोचने के लिए कि हम क्या बदलाव कर सकते हैं और कैसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं।

कोच जयवर्धने बोले, मुम्बई इंडियंस के पास अभी भी प्लेऑफ का अवसर

-बचे हुए मैचों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस क्रिकेट टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा है कि उनकी टीम के पास अभी भी प्लेऑफ में जाने का अवसर है, इसलिए टीम अगले सात मैचों के लिए पूरी योजना के साथ उतरेगी। मुम्बई की टीम को आईपीएल में सात में से पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। कोच ने सूर्यकुमार यादव और कप्तान हार्दिक पंड्या जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के अलावा टीम के कई सदस्यों के टी20 विश्व कप में खेलने को लेकर हुई थकान की आशंकाओं को खराब प्रदर्शन का कारण नहीं माना है। मुंबई इंडियंस की टीम में सूर्यकुमार और हार्दिक के अलावा जसप्रीत बुमराह और तिलक वर्मा भी आईसीसी टी20 विश्व कप खिताब विजेता टीम में शामिल थे। मुंबई इंडियंस को गुरुवार को चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ 103 रन की करारी हार का सामना करना पड़ा था।

कप्तान हार्दिक पांड्या ने छह मैचों में केवल तीन विकेट लिए हैं और 97 रन बनाए हैं, जबकि सूर्यकुमार ने यादव सात मैचों में 156 रन ही बनाये हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट और तिलक वर्मा ने 181 रन रन बनाये हैं। जयवर्धने ने मैच के बाद कहा, मौजूदा दौर में सभी खिलाड़ी पेशेवर हैं। विश्व कप खेलने वाले कई खिलाड़ी ब्रेक के बाद आईपीएल में लौटे हैं। मुझे नहीं लगता कि खिलाड़ी स्वयं भी थकान को कारण मानेंगे। साथ ही कहा कि हमें जीत केलिए लय और निरंतरता हासिल करनी है। यही हमारी सबसे बड़ी कमी रही है। गेंदबाजी में सुधार की जरूरत है, लेकिन बल्लेबाजी भी लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा, हमें वह संतुलन ढूंढना होगा जहां हम मुकाबला कर सकें। हम अगर अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलें तो हमारे पास अच्छा मौका है, लेकिन अगले सात मैचों के लिए आत्मविश्वास, एकाग्रता और अनुशासन जरूरी है।

बेथेल को लेकर कुक के बयान से सहमत नहीं पीटरसन

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट के दो दिग्गज, पूर्व कप्तान एलिस्टर कुक और केविन पीटरसन युवा बल्लेबाज जैकब बेथेल के आईपीएल खेलने को लेकर आमने-सामने आ गये हैं। जहां कुक का मानना है कि बेथेल को आईपीएल छोड़कर काउंटी क्रिकेट खेलना चाहिये। वहीं पीटरसन इससे सहमत नहीं हैं उनका कहना है कि बेथेल को काउंटी से ज्यादा अनुभव और एक्सपोजर इस लीग में खेलने से अनुभव मिलेगा। ऐसे में उसे आईपीएल में ही बने रहना चाहिये। वहीं इससे पहले कुक ने कहा था कि आरसीबी टीम में शामिली बेथेल को आईपीएल में अबतक अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिल रही। ऐसे में उनका बैंच पर बैठे रहना अच्छा नहीं है। इससे बेहतर तो ये रहेगा कि वह इंग्लैंड लौटकर काउंटी में खेलें। कुक ने कहा, बेटेल आईपीएल में बैठा हुआ है और कुछ कर नहीं रहा, ऐसे में उसे काउंटी क्रिकेट खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर बेथेल इंग्लैंड के लिए सलामी बल्लेबाज के रूप में जगह बनाना चाहते हैं, तो उन्हें लगातार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलना होगा और वारविकशायर के लिए रन बनाकर अपनी क्षमता साबित करनी होगी। कुक के अनुसार, किसी भी क्रिकेटर के लिए मैच अभ्यास जरुरी है और इसे बिना खेले हासिल नहीं किया जा सकता है। बेथेल को इस सत्र में अब तक आरसीबी की अंतिम ग्यारह में मौका नहीं मिला है। टीम अपने विदेशी खिलाड़ियों के संयोजन में फिल साल्ट, जोश हेजलवुड, टिम डेविड और रोमारियो शेफर्ड जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही उतर रही है। ऐसे में बेथेल लगातार बेंच पर बैठे हैं और उन्हें मैदान पर बल्लेबाजी करने का अवसर नहीं मिल पा रहा है। यही वजह है कि उनके बाहर बैठने पर सवाल उठाये जा रहे हैं। वहीं पीटरसन ने कहा कि कुक की बात गलत है। पीटरसन के अनुसार कुक को आईपीएल का कोई अनुभ नहीं है और उन्हें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं है कि यहां क्या होता है। साथ ही कहा कि आईपीएल में विश्व के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना, उनसे सीखना और बड़े टूर्नामेंट के माहौल का अनुभव मिलत है जो किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कुक की बातों को खारिज करते हुए कहा है कि बेथेल आईपीएल में ही बने रहें। पीटरसन ने अपने बयान में जैकब बेथेल को सीधा संदेश दिया, फजैकब, भारत में ही रहो। भले ही तुम खेल नहीं रहे हो पर तुम सीख रहे हो और इससे तुम बेहतर खिलाड़ी बनोगे। साथ ही कहा कि इस अनुभव का लाभ उन्हें भविष्य में मिलेगा।

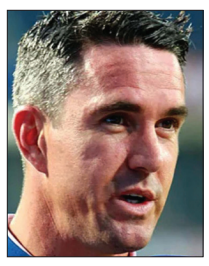

पीएसएल में शुभंकर के बीच टकराव का तमाशा कराकर मजाक का पात्र बना पाकिस्तान

लाहौर । पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2026 के मुकाबले खेले जा रहे हैं। इसी दौरान कुछ अलग करने के प्रयास में अपनी एक अजीब हरकत के कारण ये लीग मजाक का पात्र बनकर रही गयी है। यहां लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच खेले गए 35वें मैच से पहले दोनों टीमों के शुभंकर पस में टकरा गये गए। जिसको लेकर पाकिस्तान की हंसी उड़ रही है। गद्दाफी स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में टॉस के लिए जब दोनों टीमों के कप्तान शाहीन अफरीदी और डेविड वॉर्नर प्रजेंटर रमीज राजा के साथ मैदान पर आए, तो उनके साथ उनकी टीमों के शुभंकर भी थे। टॉस से ठीक पहले, कैमरे के सामने ही दोनों शुभंकर एक-दूसरे से टकरा गये और उनके बीच भिड़ंत का नाटक हुआ। ये सब मनोरंजन के लिए मजाकिया अंदाज में किया गया था पर इसे देखकर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेविड वॉर्नर और शाहीन अफरीदी हैरान हो गये। इसके बाद ये मालला तत्काल ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई और इसे लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आईं, जिसमें कई लोगों ने इसे पीएसएल की छवि के लिए खराब बताया। यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब पीएसएल पहले ही कई मुश्किलों का सामना कर रही है। लीग की बदहाली का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अधिकांश मैच खाली स्टेडियमों में खेले जा रहे हैं। इसके पीछे मुख्य वजह देश में गहराता आर्थिक संकट और ईंधन की कमी है। इसी कारण आयोजक प्रशंसकें का मनोरंजन करने के लिए अनोखे तरीके अपना रहे हैं।

संजू सैमसन ने खोला राज, इस चीज ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ शतक बनाने के लिए प्रेरित किया

मुंबई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन ने बताया कि कट्टर प्रतिद्वंद्वी मुंबई इंडियंस के खिलाफ रन बनाने की ऊंची उम्मीदों और दबाव ने उन्हें अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने और वानखेड़े स्टेडियम में मैच जिताने वाला शतक बनाने के लिए प्रेरित किया। सैमसन की 54 गेंदों पर शानदार 101 रनों की पारी, जिसमें 10 चौके और छह छक्के शामिल थे, ने CSK को 207/6 के कुल स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में MI नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही और 19 ओवरों में सिर्फ 104 रनों पर ही ऑल आउट हो गई।

IPL द्वारा X पर जारी एक वीडियो में सैमसन ने कहा, 'IPL में यह एक बहुत बड़ा मौका होता है; हर कोई CSK और मेरे खेल पर नजर रखता है, और मैं पहली बार इसका हिस्सा बना हूं। इसलिए मैं माहौल को बनते हुए देख सकता था, मैं उस तीव्रता को महसूस कर सकता था और ठीक उसी समय मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी सामने आता है।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे चुनौतियां पसंद हैं, मुझे तब अच्छा लगता है जब हालात मुश्किल होते हैं। इसलिए मैंने आज के खेल का सचमुच आनंद लिया। मुझे लगता है कि विकेट वानखेड़े के सामान्य विकेट जैसा नहीं था; गेंद स्विंग हो रही थी और बुमराह नई गेंद से गेंदबाजी कर रहे थे। सच कहूं तो यह एक बहुत ही प्रतिस्पर्धी मुकाबला था। इसलिए मैं बहुत खुश हूं कि मैंने टीम की जीत में योगदान दिया और आज हमें जीत मिली।'

पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद CSK ने हर क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन किया। सैमसन ने 101 रनों की शानदार नाबाद पारी खेलकर टीम की अगुवाई की जबकि डेवाल्ड ब्रेविस (21) और कार्तिक शर्मा (18) जैसे खिलाड़ियों ने भी उपयोगी रन बनाकर योगदान दिया। जवाब में MI की शुरुआत ही खराब रही और अंततः वे 19 ओवरों में 104 रनों पर ऑल आउट हो गए। गेंदबाजी में अकील हुसैन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार विकेट चटकाए, जबकि नूर अहमद ने उन्हें अहम सहयोग दिया।

सैमसन के अनुसार हर खिलाड़ी के छोटे-छोटे योगदान ने भी इस मैच के परिणाम में बहुत बड़ा अंतर पैदा किया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि टीम में जितने युवा खिलाड़ी हैं, मैं निश्चित रूप से उन सभी खिलाड़ियों को श्रेय देना चाहूंगा जिन्होंने योगदान दिया है। बात सिर्फ 100 रन या 4 विकेट की नहीं है, मुझे लगता है कि बल्लेबाजों और गेंदबाजों के छोटे-छोटे योगदान भी इस बड़े मैच में बहुत मायने रखते हैं। इसलिए इस जीत से मैं बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि हम इस लय को बनाए रखना चाहेंगे और अगले मैच में भी सकारात्मक सोच के साथ उतरेंगे।'

इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने उस भावना के बारे में भी बताया जब वह शतक के करीब पहुंचे थे और आखिरी ओवर से पहले अकील हुसैन के साथ हुई बातचीत का भी खुलासा किया। उस ओवर में सैमसन ने सभी गेंदों का सामना किया और कृष्ण भगत के खिलाफ 16 रन बनाकर इस सीजन का अपना दूसरा शतक पूरा किया। उन्होंने कहा, 'जब आप अपने शतक के करीब पहुंचते हैं, तो आप निश्चित रूप से शतक बनाना चाहते हैं। लेकिन मैंने हमेशा टीम को प्राथमिकता देने की कोशिश की है। मुझे लगता है कि मेरी शुरुआत बहुत अच्छी रही। आम तौर पर विकेट पर जमने के बाद मैं थोड़ा और आक्रामक खेलना पसंद करता हूं, लेकिन विकेट लगातार गिर रहे थे। इसलिए मैं साझेदारी बनाना चाहता था और आखिर तक क्रीज पर टिके रहना चाहता था।'

उन्होंने आगे कहा, 'तो किस्मत से मुझे एक बड़ा ओवर मिला और मैं शतक के करीब पहुंच गया। उस ओवर से पहले मेरी और अकील की बातचीत हुई थी कि मैं उस ओवर की सभी छह गेंदों का सामना करना चाहूंगा। मुझे लगता है कि हम वहां से ज्यादा से ज्यादा रन बटोरना चाह रहे थे और अकील को भी ऐसा ही लगा। इसलिए मैं बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि शतक बनाना हमेशा ही बहुत खास एहसास होता है और जब यह MI के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में बने, तो यह और भी ज्यादा खास एहसास होता है।'

ऑस्ट्रेलिया पहुंचकर इलाज कर रहे कॉनोली

चंडीगढ । आईपीएल अंक तालिका में नंबर एक पर चल रही पंजाब किंग्स को बड़ा झटका लगा है। उसके बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के कूपर कॉनोली चोटिल हो गये हैं। कूपर कॉनोली पीठ की चोट के कारण टूर्नामेंट बीच में ही छोड़कर स्वदेश लौट गए हैं। कॉनोली ने खुद सोशल मीडिया के माध्यम से अपने प्रशंसकों को इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि वह ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुके हैं और अपनी चोट का प्रबंधन कर रहे हैं पर साथ ही कहा कि जैसे ही वह फिट होने पंजाब की टीम से जुड़ जाएंगे। कॉनोली ने इस सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। जिससे उनकी कमी टीम को खलेगी।

कॉनोली ने अपनी आक्रामक शैली और मैच जिताने की क्षमता का प्रदर्शन किया। पंजाब किंग्स के लिए, कॉनोली इस सीजन के सबसे बड़े मैच विजेताओं में से एक बनकर उभरे थे। उन्होंने कई महत्वपूर्ण पारियां खेलीं, जिसमें गुजरात टाइटन्स के खिलाफ नाबाद 72 रन की पारी रही है, जिसने टीम को एक कठिन लक्ष्य का पीछा करने में मदद की। इसके अतिरिक्त, लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ उनकी 87 रन की तेज पारी ने भी टीम को दबाव की स्थिति से निकालकर जीत दिलायी। पंजाब किंग्स ने मौजूदा सीजन में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 6 में से 5 मुकाबले जीते हैं और आत्मविश्वास से लबरेज होकर अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज हैं। कॉनोली जैसे प्रभावशाली ऑलराउंडर की अनुपस्थिति निश्चित रूप से टीम के संतुलन और रणनीति पर असर डालेगी। उनकी धमाकेदार बल्लेबाजी की कमी टीम को मध्य क्रम में महसूस हो सकती है, और उनकी जगह भरना कप्तान और टीम प्रबंधन के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। टीम को अब ऐसे खिलाड़ी की तलाश होगी जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और जरूरत पड़ने पर गेंदबाजी की भूमिका को कुछ हद तक पूरा कर सके।

गर्मी के मौसम के लिए मुनमुन दत्ता ने साझा किए देसी ड्रिंक

छोटे परदे की लोकप्रिय अभिनेत्री मुनमुन दत्ता ने अपने समर मॉर्निंग रूटीन की एक झलक सोशल मीडिया पर साझा की है। यह पोस्ट उनके फैंस को बेहद पसंद आ रही है। मुनमुन दत्ता ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए यह बताया है कि वह अपनी सुबह की शुरुआत किस तरह से करती हैं ताकि गर्मियों में भी तरोताजा और स्वस्थ रह सकें। तारक मेहता का उल्टा चश्मा सीरियल में बबीता जी के किरदार से घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो और कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें उनके हेल्दी नाश्ते और पेय पदार्थों की स्पष्ट झलक देखने को मिल रही है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैंने सुबह के लिए एक ऐसी ड्रिंक तैयार की है, जो पेट की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है और शरीर को अंदर से मजबूत बनाती है। यह कैप्शन ही उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और आयुर्वेदिक सिद्धांतों में उनके विश्वास को दर्शाता है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि मुनमुन दत्ता छाछ से एक विशेष पेय बना रही हैं, जिसे वह पेट की सेहत के लिए बेहद बेहतरीन ड्रिंक मानती हैं। इसे तैयार करते समय उन्होंने उसमें बारीक कटा हुआ प्याज, ताजा हरा धनिया और अन्य कई स्वास्थ्यवर्धक चीजों को मिलाया, जिससे इसका स्वाद और पौष्टिकता दोनों बढ़ जाती है। छाछ, जिसे दही से बनाया जाता है, पारंपरिक रूप से गर्मियों में शरीर को ठंडक देने और पाचन को सुधारने के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसके अलावा, मुनमुन ने एक और तस्वीर के माध्यम से एक और खास देसी ड्रिंक के बारे में जानकारी दी, जिसे रागी अंबली कहा जाता है। उन्होंने कैप्शन में बताया, यह देसी पेय पाचन को बेहतर बनाता है। साथ ही, यह गर्मियों में शरीर को ठंडक पहुंचाने का भी काम करता है। यह शरीर को हल्का महसूस कराता है और ऊर्जा का स्तर बनाए रखता है। रागी अंबली, जो रागी के आटे से बनता है, दक्षिण भारत में एक लोकप्रिय और पौष्टिक पेय है, जो फाइबर और कैल्शियम से भरपूर होता है। मुनमुन दत्ता अपनी फिटनेस और हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर व्यायाम, योग और स्वस्थ खानपान से जुड़े वीडियो और तस्वीरें साझा करती रहती हैं। उनका दृढ़ता से मानना है कि फिट और स्वस्थ रहने के लिए नियमित व्यायाम के साथ-साथ सही और संतुलित खानपान भी उतना ही आवश्यक है।

समीरा रेड्डी का आखिरी सवाल से कमबैक

संजय दत्त की आगामी फिल्म 'आखिरी सवाल' इस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बन गई है, जिसकी दर्शक बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे हैं। हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर इसका टीजर जारी किया गया, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के इतिहास की एक ऐसी झलक दिखाई गई है, जिसे पहले कभी इस अंदाज में नहीं देखा गया था। यह टीजर दर्शकों के बीच गहरी उत्सुकता जगा रहा है और उन्हें एक नई कहानी से जोड़ने का वादा करता है। इस फिल्म के जरिए लंबे अंतराल के बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहीं अभिनेत्री समीरा रेड्डी ने अपने किरदार और फिल्म के चुनाव को अपने करियर का सबसे बड़ा और निडर फैसला बताया है। उन्होंने कहा, मैंने फिल्मों में वापसी सिर्फ सुरक्षित भूमिकाएं निभाने के लिए नहीं की है, और 'आखिरी सवाल' बिल्कुल भी आसान फिल्म नहीं है। समीरा ने आगे बताया, आरएसएस को लेकर मेरी समझ पहले सीमित थी, लेकिन जब मैंने इसकी स्क्रिप्ट पढ़ी तो महसूस हुआ कि कई बातें वैसी नहीं हैं जैसी दिखती हैं।

एक समय खुद को बेहद अकेला महसूस करने लगी थीं मालविका

हाल ही में साउथ की मशहूर अभिनेत्री मालविका मोहनन ने बताया कि एक वक्त ऐसा आया था, जब वह अंदर से पूरी तरह टूट गई थीं। अभिनेत्री ने अपने फैंस के साथ दिल की बात साझा की। मालविका ने खुलासा किया कि परिवार और अपने करीबियों से दूर रहने की वजह से वह खुद को बेहद अकेला महसूस करने लगी थीं। यह खुलासा मालविका मोहनन ने इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के साथ आयोजित किए गए आस्क मी एनीथिंग सेशन के दौरान किया। इस सत्र के दौरान एक प्रशंसक ने उनसे पूछा कि वह आखिरी बार कब रोई थीं? इस सवाल का जवाब देते हुए मालविका ने बेहद ईमानदारी से अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया, पिछले महीने में काम के सिलसिले में चेन्नई में थी। मुझे वहां काफी लंबे समय तक रुकना पड़ा। मेरी टीम बहुत अच्छी थी और काम भी सुचारु रूप से चल रहा था, लेकिन लंबे समय तक घर और परिवार से दूर रहने के कारण मैं धीरे-धीरे अकेलापन महसूस करने लगी थी। मालविका ने अपनी भावनाओं को विस्तार से बताते हुए कहा, दिनभर शूटिंग और काम में व्यस्त रहने के बाद, जब मैं रात को अपने होटल के कमरे में लौटती थी, तो वहां मुझसे बात करने वाला कोई नहीं होता था। यह बात मुझे अंदर ही अंदर परेशान करने लगी थी। मैं मानसिक रूप से काफी उदास थी और लगातार अकेले रहने का गहरा असर मेरे मन पर पड़ने लगा था, जिसकी वजह से मुझे रोना आता था। उनका यह अनुभव दिखाता है कि किस तरह बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री के सितारों को भी आम इंसानों की तरह भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, भले ही उनकी जिंदगी बाहर से कितनी भी चकाचौंध भरी क्यों न लगे। अपने निजी अनुभवों को साझा करने के साथ-साथ मालविका ने अपने आने वाले प्रोफेशनल प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बात की, जो उनके जीवन में आगे बढ़ने का एक संकेत है। उन्होंने बताया कि वह इस समय अभिनेता विजय सेतुपति के साथ एक तमिल फिल्म में काम कर रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन प्रतिभाशाली त्यागराजन कुमार राजा कर रहे हैं, जिनकी तारीफ करते हुए मालविका ने कहा कि वह सबसे बेहतरीन फिल्म निर्माताओं में से एक हैं। मालविका ने यह भी बताया कि इस फिल्म का नाम पॉकेट नॉवेल है और यह इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। उन्होंने कहा, इस प्रोजेक्ट को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं और उम्मीद करती हूं कि दर्शकों को यह फिल्म जरूर पसंद आएगी। इस फिल्म पर काम करना मेरे लिए एक खास अनुभव रहा है।

आमिर ने नए दौर के स्टार्स की आदतों पर जताई नाराजगी

फिल्म इंडस्ट्री में बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान ने कुछ चीजों को अपनी दूरदर्शिता और सिद्धांतों के दम पर बदला है। मीडिया चर्चा में आमिर खान ने खुलासा किया था कि जब वह नए-नए भारतीय सिनेमा जगत में आए थे, तो उन्होंने कुछ ऐसी चीजों को नोटिस किया जो उन्हें बेहद अजीब और अनुचित लगीं। आमिर खान ने इन चीजों को बदलने का फैसला किया और अपनी दृढ़ता से उन्हें बदलकर ही दम लिया, जिससे बॉलीवुड में एक नया मानक स्थापित हुआ। मीडिया से बातचीत में आमिर खान ने बताया, जब मैं इंडस्ट्री में आया था, तब एक सिस्टम था कि जब कोई स्टार आता है, तो उसके ड्राइवर का पैसा और उसके बॉय (पर्सनल असिस्टेंट) का पैसा प्रोड्यूसर देता है। इस प्रथा पर सवाल उठाते हुए आमिर खान ने आगे कहा, तब मैंने सोचा कि यार, बॉय और ड्राइवर तो मेरे लिए काम करते हैं ना। तो प्रोड्यूसर क्यों उनका पैसा देगा? मैं बहुत खुद्दार आदमी हूं, मुझे नहीं चाहिए कि आप मेरे पैसे दें। कल को क्या आप मेरे बच्चे के स्कूल की फीस भी भरेंगे? यह किसी हद पर जाकर तो रुकना चाहिए ना। आमिर खान का मानना था कि प्रोड्यूसर को सिर्फ उतना खर्च करना चाहिए जो फिल्म के निर्माण पर आधारित है। उन्होंने सुझाया कि प्रोड्यूसर को मेकअप मैन का पैसा, हेयर ड्रेसर का पैसा या कॉस्ट्यूम वाले का पैसा देना चाहिए, क्योंकि ये सब सीधे फिल्म से जुड़े होते हैं। आमिर खान ने स्पष्ट रूप से कहा कि उन्हें यह पसंद नहीं था कि प्रोड्यूसर उनके बॉय और ड्राइवर का पैसा क्यों देंगे। उन्होंने नए दौर के स्टार्स की कुछ आदतों पर अपनी नाराजगी भी जाहिर की। आमिर खान ने कहा, जब आप एक हद से ज्यादा प्रोड्यूसर को तंग करने लगते हो, तो वह गलत है। जब मैं सुनता हूं कि आपकी जरूरतों और फरमाइशों की लिस्ट जब बहुत लंबी होती चली जाती है, तो मुझे बहुत तकलीफ होती है। सुपरस्टार ने बताया कि उनके बॉय और ड्राइवर उनके लिए काम करते हैं और इसलिए वह उन्हें खुद पैसा देंगे।

मेरे लिए दोस्त ही सबसे बड़ी ताकत और खुशी है: मनीषा कोइराला

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री मनीषा कोइराला आज भी भारतीय सिनेमा और अन्य मंचों पर सक्रिय हैं। दिल से, मन और गुप्त जैसी कई फिल्मों में अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री को हाल ही में संजय लीला भंसाली की भव्य पीरियड ड्रामा हीरामंडी- द डायमंड बाजार में देखा गया। मनीषा कोइराला अक्सर कला और संस्कृति से जुड़े अपने अनुभवों को साझा करती रही हैं। हाल ही में उन्होंने नेपाल के एक प्रतिष्ठित म्यूजियम का दौरा किया, जहां उन्होंने अपने देश नेपाल की समृद्ध संस्कृति और अद्भुत कला से रूबरू होने का अवसर पाया। मनीषा कोइराला ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें वह अपने दोस्तों के साथ खुशी के पल बिताती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि उनके लिए उनके दोस्त ही सबसे बड़ी ताकत और खुशी की कुंजी हैं। इस व्यक्तिगत पोस्ट के अलावा, अभिनेत्री ने नेपाल म्यूजियम की कुछ अद्भुत तस्वीरें भी साझा की हैं, जिनमें बौद्ध और हिंदू धर्म की कलात्मक झलक एक साथ देखने को मिल रही है। इन तस्वीरों में एक तरफ भगवान शिव के नटराज अवतार की भव्य पेंटिंग दिखाई देती है, तो दूसरी तरफ बौद्ध संस्कृति को दर्शाती शांतिपूर्ण और गहन कलाकृतियां हैं। एक पेंटिंग में अलग-अलग भाषाओं में कई प्राचीन मंत्र लिखे हुए हैं, जबकि कुछ पेंटिंग मां काली के रौद्र और शक्तिशाली रूप को अत्यंत कलात्मक ढंग से प्रदर्शित करती हैं। इन प्यारी और कलात्मक तस्वीरों को साझा करते हुए मनीषा ने लिखा, मुझे कुछ अद्भुत कलाकारों और मेरे दोस्तों का काम नेपाली कला संग्रहालय में देखने का मौका मिला। थंका और पौभा, जो समृद्ध नेवारी कला परंपराओं के प्रतीक हैं, उनके प्रति मेरा प्रेम समय के साथ और गहरा होता जा रहा है। हर कलाकृति में ऐसी भक्ति, इतिहास और आत्मा समाई हुई है। इसे देखना और इसके बारे में सीखना सचमुच एक विशेष और प्रेरणादायक अनुभव था। अभिनेत्री ने अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि संग्रहालय में प्रदर्शित हर कलाकृति को इतने प्यार और बारीकी से तैयार किया गया था कि वे बिल्कुल जीवंत लगती थीं। उन्होंने महसूस किया कि हर प्रतिमा और पेंटिंग से कुछ न कुछ नया सीखने को मिल रहा है, जो उनके मन को शांति और प्रेरणा प्रदान कर रहा था। मनीषा ने इस बात का भी खुलासा किया कि उनकी भाभी भी काफी सालों से नेपाल में रहकर एक आर्ट एकेडमी चला रही हैं। उन्होंने कहा कि, किसी भी विदेशी महिला के लिए इस तरह की संस्था को बिल्कुल शुरुआत से शुरू करना आसान नहीं होता, लेकिन उनकी भाभी ने अपनी लगन और मेहनत से इसे संभव कर दिखाया है। मनीषा ने गर्व से बताया कि आज उनकी भाभी की दृढ़ता और परिश्रम की बदौलत ही इस संस्था ने कला जगत में एक मजबूत और सम्मानित नाम कमाया है, जो नेपाल की कला और संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

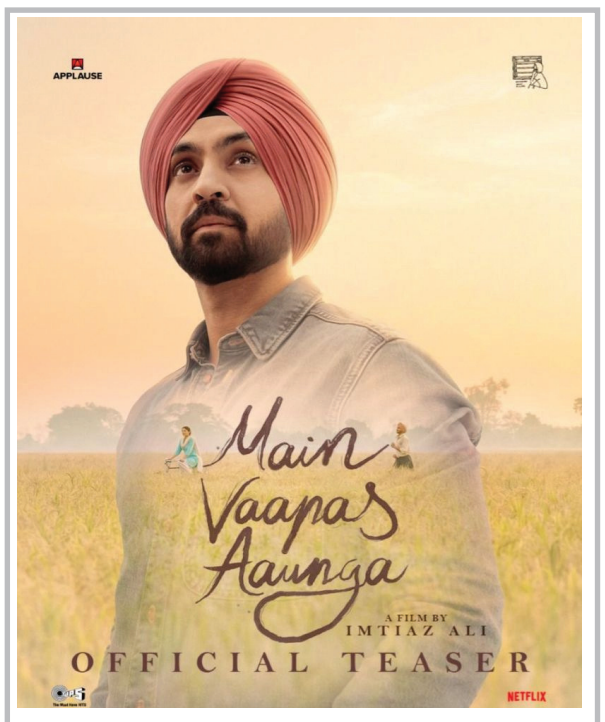

जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी में इम्तियाज अली की मैं वापस आऊंगा

मशहूर फिल्ममेकर इम्तियाज अली अपनी आगामी रोमांटिक पीरियड ड्रामा मैं वापस आऊंगा को जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी में हैं। यह फिल्म 1947 के भारत-पाकिस्तान विभाजन की हृदय विदारक पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें प्यार, यादें और घर वापसी की एक मार्मिक कहानी को खूबसूरती से दिखाया जाएगा। हाल ही में, इम्तियाज अली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पटियाला में फिल्म की टीम के साथ एक खूबसूरत सूर्यास्त का आनंद लेते हुए एक तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर में वे घर पर आराम से बैठे नजर आ रहे हैं, और उनके साथ अभिनेता वेदांग रैना, अभिनेत्री शरवरी सहित कई कलाकार मौजूद हैं। सभी लोग किसी मजेदार बातचीत में व्यस्त दिखाई दे रहे हैं, जिससे लगता है कि शूटिंग के दौरान का माहौल काफी खुशगवार और दोस्ताना रहा होगा। इम्तियाज अली ने अपनी इस पोस्ट के जरिए शूटिंग के उन यादगार पलों को फिर से ताजा किया, खासकर पटियाला के उस सुंदर सूर्यास्त को जो अब भी उनकी यादों में तरोताजा है। इस तस्वीर को साझा करते हुए इम्तियाज अली ने लिखा, शूटिंग की यादें, पटियाला में सुनहरे सूर्यास्त शरवरी और वेदांग रैना के साथ। फिल्म का नया गाना क्या कमाल है भी हाल ही में रिलीज हुआ है। मेकर्स ने दर्शकों में फिल्म के प्रति उत्सुकता जगाने के लिए पहले गाने का ऑडियो जारी किया था, और कुछ दिनों बाद ही इसका वीडियो भी रिलीज कर दिया। दर्शकों ने ऑडियो और वीडियो दोनों को ही बेहद पसंद किया है। इस गाने के जरिए निर्देशक इम्तियाज अली, संगीतकार एआर रहमान और गीतकार इरशाद कामिल की एक बार फिर से सफल तिकड़ी वापसी हुई है, जिन्होंने अतीत में कई यादगार गाने दिए हैं। इस खास गाने को दिलजीत दोसांझ ने अपनी भावपूर्ण आवाज दी है, जबकि इसका संगीत एआर रहमान ने तैयार किया है और इरशाद कामिल ने इसके दिल को छू लेने वाले बोल लिखे हैं। फिल्म मैं वापस आऊंगा में दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, शरवरी और वेदांग रैना जैसे प्रतिभाशाली कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का संगीत एआर रहमान दे रहे हैं, जो इसकी भावनात्मक गहराई को और बढ़ाएगा। यह फिल्म विभाजन के दर्द और व्यक्तियों के बीच रिश्तों की गहराई को छूती हुई एक शक्तिशाली रोमांटिक कहानी पेश करेगी। इम्तियाज अली अपनी भावुक और यादगार फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, और उम्मीद है कि यह फिल्म भी उनकी इसी पहचान को बरकरार रखेगी। यह फिल्म 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

सुभाष घई ने की राजा शिवाजी की दिल खोलकर तारीफ

हाल ही में अपनी घोषणा के बाद से चर्चा में रही फिल्म राजा शिवाजी अब एक नए स्तर पर पहुंच गई है। अभिनेता-निर्देशक रितेश देशमुख के निर्देशन में बनी फिल्म राजा शिवाजी मराठा साम्राज्य के संस्थापक, छत्रपति शिवाजी महाराज के असाधारण जीवन पर आधारित है। फिल्म के ट्रेलर और पोस्टर सामने आने के बाद से ही दर्शकों में इसे लेकर अपार उत्साह देखा जा रहा है, और अब इस उत्साह को दिग्गज फिल्ममेकर सुभाष घई की प्रतिक्रिया ने और बढ़ा दिया है। फिल्म राजा शिवाजी का पोस्टर अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर साझा करते हुए, भारतीय सिनेमा के इस अनुभवी निर्माता-निर्देशक ने फिल्म की दिल खोलकर तारीफ की। उन्होंने फिल्म के ट्रेलर को बेहद दमदार बताते हुए भविष्यवाणी की कि यह दर्शकों को एक अनूठा और जादुई सिनेमाई अनुभव प्रदान करेगी। अपने पोस्ट में सुभाष घई ने लिखा, सोचिए, जब ट्रेलर ही इतना रॉकिंग है, तो फिल्म कैसी होगी। थिएटर में फिल्म देखने का अनुभव और भी खास और जादुई होने वाला है। यह फिल्म दर्शकों को एक अलग ही स्तर का सिनेमाई अनुभव देने वाली है। उनकी यह टिप्पणी फिल्म के प्रति बढ़ती उम्मीदों को और बल देती है, खासकर जब यह एक ऐसे मास्टर फिल्ममेकर से आई हो, जिन्होंने भारतीय सिनेमा को कई कालजयी फिल्में दी हैं। सुभाष घई ने रितेश देशमुख के इस प्रोजेक्ट के प्रति जुनून और कड़ी मेहनत की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि रितेश ने न केवल अभिनय के मोर्चे पर बल्कि कहानी लेखन और निर्देशन के क्षेत्र में भी शानदार काम किया है। उनके अनुसार, फिल्म में देशभक्ति की भावना साफ नजर आती है, जो दर्शकों के दिलों को छू लेगी। घई ने विश्वास व्यक्त किया कि यह फिल्म न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर सफल होगी, बल्कि दर्शकों के बीच एक स्थायी छाप भी छोड़ेगी। उन्होंने फिल्म में शामिल अन्य कलाकारों, विशेष रूप से संजय दत्त और अभिषेक बच्चन के योगदान को भी सराहा, यह मानते हुए कि इन अनुभवी सितारों ने रितेश के दृष्टिकोण को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे फिल्म की गुणवत्ता और प्रभाव कई गुना बढ़ गया है। राजा शिवाजी फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन के संघर्ष, साहस और असाधारण नेतृत्व को बड़े परदे पर उतारने का एक महत्वाकांक्षी प्रयास है। यह सिर्फ इतिहास की एक कहानी नहीं है, बल्कि प्रेरणा और देशभक्ति का एक गहरा संदेश भी देती है। फिल्म में रितेश देशमुख स्वयं मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, जिनके साथ संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, भाग्यश्री, फरदीन खान, जितेंद्र जोशी, अमोल गुप्ते और जेनेलिया देशमुख जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों का एक विशाल समूह है।

बच्चे को गर्मियों में सुरक्षित रखने के सुझाव

गर्मी की शुरुआत के साथ, इन सरल नुस्खोंनुक्तों से आपको अपने बच्चे को ठंडा और आराम से रखने में मदद मिलेगी।

अपने बच्चे को ठंडे सूती कपड़े पहनाएं

सुनिश्चित कीजिए कि आपके बच्चे ने आरामदायक और पहनने में आसान शैली के सूती कपड़े पहने हुए हैं। कृत्रिम फेब्रिक या सिंथेटिक कपड़े इस्तेमाल नहीं कीजिए क्योंकि वे गर्माहट को रोकते हैं और बच्चे के लिए बहुत परेशानीदायक होते हैं। उनके कारण घमोरी और गर्मी के ददोरे हो सकते हैं। अपने बच्चे की नाजुक त्वचा को सूरज की सीधी किरणों से बचाने के लिए लंबी बाजू के हल्के कपड़े चुनें। धूपताम्रता की रोकथाम करने के लिए अपने डाक्टर द्वारा बताई गई सनस्क्रीन इस्तेमाल करें। अगर आप अपने बच्चे के लिए धूप का हैट या टोपी इस्तेमाल करती हैं तो सुनिश्चित करें कि वह चौड़े रिम वाला हैट है और आरामदायक तरीके से फिट होता है। प्लास्टिक वाले हैटों से रक्त परिसंचारण पर दबाव पड़ सकता है और उनसे बचना सर्वश्रेष्ठ है।

चरम गर्मी के समय (सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक) घर के अंदर रहें

जब गर्मी का असर सबसे ज्यादा होता है तब अंदर रहना बुद्धिमत्ता की बात है। अगर आपको धूप में निकलना ही पड़ता है तो सुनिश्चित कीजिए कि आपका बच्चा सही प्रकार से सुरक्षित है। अपने बच्चे को सुबह जल्दी या शाम को देर से सैर के लिए ले जाएं। स्ट्रोलर या प्राम से फालतू गद्दियों को हटा दीजिए क्योंकि वे बहुत गर्म हो सकती हैं और हवा की आवाजाही भी रोक सकती हैं।

डायपर के इस्तेमाल को कम से कम करें और उनकी जगह पर कपड़े की नैपियां इस्तेमाल करें : यथासंभव अधिक सीमा तक डायपर इस्तेमाल नहीं करें - कई बच्चों की कमर पर घमोरी और गर्मी के ददोरे हो सकते हैं क्योंकि पसीना डायपर की कृत्रिम कमरपेटी के चारों ओर इकट्ठा हो जाता है। उनकी जगह पर बढ़िया सोखने वाले सूती कपड़े की नैपियां इस्तेमाल करें। कपड़े की नैपियां न केवल आपके बच्चे को ठंडा रखेंगी बल्कि गर्मी और नैपी रैश की रोकथाम भी करेंगी।

तरल पदार्थों की खुराक बढ़ाएं

लस्सी, मिल्क शेक, फलों का ताजा जूस (बोतलबंद किस्म का नहीं), और नारियल के पानी (तरोताजा बनाने वाला और स्वादिष्ट, दोनों) के रूप में तरल पदाथो की खुराक बढ़ाएं। अगर आपके बच्चे की उम्र छह महीने से कम है और आप केवल स्तनपान करवा रही हैं तो आपको अतिरिक्त पानी देने की जरूरत नहीं है, गर्मी के मौसम में भी नहीं। भारत जैसे गर्म देशों में किए गए अध्ययनों ने दर्शाया है कि बच्चों को जब उनका मन चाहे, स्तनपान मिलने पर उनका निर्जलीकरण नहीं होता है। स्वयं स्तन के दूध में ज्यादातर पानी होता है और गर्म मौसम में बच्चे ज्यादा बार स्तनपान करने की प्रवृत्ति रखते हैं, थोड़े-थोड़े वक्त के लिए। इस प्रकार, उन्हें अतिरिक्त अग्रदूध मिल जाता है जो बाद में आने वाले वसा समृद्ध दूध से ज्यादा पतला और अधिक तरोताजा बनाने वाला होता है। इसलिए अपने बच्चे को, जब वह चाहे, तब स्तनपान करने दें और उसे भरपूर मात्रा में पानी मिल जाएगा। बहरहाल, बोतल द्वारा आहार ग्रहण करने वाले बच्चों के लिए गर्म मौसम में कुछ उबला हुआ ठंडा पानी देना बुद्धिमत्ता की बात है।

रेहड़ी वालों से आईस-क्रीम, गोला और फलों का जूस नहीं लें

अपने बच्चे को बाहर का (खासतौर पर सड़क के रेहड़ी-खोमचे वालों का) भोजन और पानी नहीं दें। जब कभी आप अपने बच्चे के साथ बाहर जाएं तो अपने बच्चे के लिए भोजन और पानी को हमेशा अपने साथ ले जाएं। अपने बच्चे का खाना रखने के करने के लिए बढ़िया क्वालिटी के खाद्य ग्रेड प्लास्टिक के बर्तन खरीदें। अपने बच्चे को खाना खिलाने से पहले उसका स्वाद चखें कि कहीं वह खराब तो नहीं हो गया है। यह गर्मी के महीनों में खासतौर पर सच है जब पका हुआ भोजन बहुत जल्दी खराब हो जाता है।

मालिश के लिए तेल का इस्तेमाल नहीं करें

गर्मी के महीनों में, मालिश के तेल इस्तेमाल नहीं करना बेहतर होता है क्योंकि उनके कारण घाम या नवजात एकज़िमा (दाद) हो सकता है, अगर इनको सही प्रकार धोया नहीं जाए। बहरहाल, अगर आप गर्मियों में बच्चे की मालिश करना जारी रखती हैं तो जैतून के तेल या नारियल के तेल को अपनाएं, जो परंपरागत रूप से ठंडा करने वाले तेल माने जाते हैं। सुनिश्चित करें कि इसको पूरी तरह से धो दिया गया है और आपके बच्चे की त्वचा पर बाकी नहीं बचा है। अपने बच्चे पर मॉश्चराइजर्स और लोशनों को भी अत्यधिक इस्तेमाल नहीं करें।

बच्चे को ठंडा रखने के लिए अत्यधिक टेल्कॅम पाउडर इस्तेमाल नहीं करें

अनेक माताएं नहाने के ठीक बाद ढेर सारी मात्रा में टेल्कॅम पाउडर लगाती हैं, यह मानते हुए कि इससे बच्चा ठंडा बना रहेगा। ऐसा नहीं है क्योंकि गीली त्वचा पर पाउडर जम कर एक परत बना देता है जो और खुजलाहट एवं तकलीफ पैदा कर सकता है। इसके इस्तेमाल को सीमित करें, खासतौर पर डायपर और गले के भाग में। बच्चे के शरीर पर टेल्कॅम पाउडर लगाते समय सावधानी बरतें कि इसको सांस के साथ ग्रहण नहीं किया जाए। इसको कम से कम इस्तेमाल करें और अच्छी तरह से रगड़ें।

बच्चे को पानी में खेलकर ठंडा होने दीजिए

गर्मी आपके बच्चे के लिए पानी में खेलने के लिए बिल्कुल मुनासिब समय है। आप अपने बच्चे को थोड़े से पानी और नहाने के कुछ खिलौनों के साथ उसके बाथटब या छोटे फुलाए जाने वाले बेबी पूल में बिठा सकती हैं। उसको कुछ देर चारों ओर छींटे उड़ाने दीजिए। बच्चे को चारों ओर, तथा आप पर पानी के छींटे उड़ाना पसंद आएगा। हमेशा यह काम तब कीजिए जब आप बच्चे के पास हों और उसे कभी भी एक मिनट तक के लिए अकेला नहीं छोड़िए। सार्वजनिक स्विमिंग पूल इस्तेमाल नहीं करना ज्यादा सुरक्षित होता है क्योंकि शायद वहां सही स्वच्छता नहीं हो।

बच्चे को नहलाने के तुरंत बाद एयरकंडीशन्ड कमरे में नहीं ले जाएं

अपने बच्चे को नहलाने के बाद उसको खुले शरीर एक एयरकंडीशन्ड कमरे में नहीं ले जाना बेहतर होता है। एयरकंडीशन को केवल तब चालू करें जब अपने बच्चे को पूरे कपड़े पहना दिए हों और उसके बाल सूख चुके हों। अपने बच्चे को मोटे सूती कपड़े और बनियान पहनना बुद्धिमत्ता है अगर आप उसको पूरे दिन एयरकंडीशनर में रखना चाहती हैं। अगर बच्चे सही प्रकार से सुरक्षित नहीं हैं तो उनको बहुत जल्दी ठंड लग सकती है या जुकाम हो सकता है।

बचपन को बनाएं खुशहाल

बच्चों के तनाव को हल्के में न लें, क्योंकि उनकेमस्तिष्क पर इसका स्थायी प्रभाव पड़ता है। वॉशिंगटन स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कान्सिन-मैडिसन के शोधकर्ताओं के एक दल ने यह पाया कि उपेक्षा और शारीरिक उत्पीडऩ से पैदा होने वाले तनाव का बच्चे पर नकारात्मक और स्थायी प्रभाव पड़ सकता है। शोधकर्ताओं के अनुसार ऐसे अनुभवों से बच्चे केमस्तिष्क का विकास प्रभावित होता है। इससे उनकी याद रखने की क्षमता कमजोर हो जाती है। ऐसे बच्चों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और संतुलन का भी अभाव देखने को मिलता है। यही नहीं युवा होने के बाद ऐसे बच्चों की सेहत, कॅरियर और दांपत्य जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव नजर आता है। इस अध्ययन में सौ से अधिक बच्चों को शामिल किया गया था, जिनकी उम्र बारह वर्ष थी और कई वजहों से उनका बचपन तनावग्रस्त था। शोधकर्ताओं का कहना है कि यदि आप चाहती हैं कि आपका बच्चा एक समझदार इंसान बने और वह अपनी पूरी जिंदगी हंसी-खुशी से व्यतीत करे तो आपको उसका बचपन खुशहाल बनाने की पूरी कोशिश करनी चाहिए।

आत्मविश्वास से निखरती है प्रतिभा

पूरे धैर्य व आत्मविश्वास से किए गए कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। यह सब मैंने पापा से बचपन से सुना है, लेकिन इस बात का एहसास मुझे 14 वर्ष की उम्र में हुआ, जब मैंने अपने अंदर छिपी हुई प्रतिभा को पहचाना।

हर किसी में छुपी होती है एक खास प्रतिभा, बस उसे पहचानने भर की देर है, फिर देखिए आपकी छिपी हुई खूबी निखरकर कैसे आपकी एक अलग पहचान बनाती है। पूरे धैर्य व आत्मविश्वास से किए गए कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। यह सब मैंने पापा से बचपन से सुना है, लेकिन इस बात का एहसास मुझे 14 वर्ष की उम्र में हुआ, जब मैंने अपने अंदर छिपी हुई प्रतिभा को पहचाना।

किताबों में बने चित्र या कैलेंडर में बने देवी-देवताओं के चित्र मुझे बचपन से ही लुभाते रहे हैं, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं भी इस तरह के सुंदर चित्र बना पाऊंगी। मैं सोचती रहती कि जिस भगवान ने इंसान व प्रकृति की इतनी सुंदर व सजीव आकृतियां बनाई हैं, जिसकी सबसे सुंदर कृति हम इंसान हैं, क्या कभी मैं उन भगवान के चित्र को खुद अपनी कला में उतार पाऊंगी? पर यह असंभव कार्य तब संभव हुआ, जब पापा की दी हुई सीख को ध्यान में रखकर एक दिन मैंने भगवान कृष्ण का चित्र बनाने की कोशिश की। मेरे अथक प्रयास व धैर्य से बनाने पर कृष्ण का बड़ा ही सुंदर व मनमोहक चित्र उभरकर सामने आया, जिसे देखकर मैं और मेरे घरवाले बहुत खुश हुए। तब से लेकर आज तक मैंने तमाम चित्र बनाए हैं और मेरी चित्रकारी ने एक अलग पहचान बनाई है। जब पास-पड़ोस के लोग मुझसे देवी-देवताओं का या कोई और चित्र बनवाने के लिए आते हैं, तो बहुत सुकून मिलता है।

इसलिए दोस्तो, मैं आप सभी से यही कहना चाहूंगी कि आप भी अपनी प्रतिभा को पहचानें और उसी कार्य को करें जिसे करने में आपको आनंद आता हो। चाहे वह पढ़ाई हो, एक्टिंग, सिंगिंग, चित्रकारी या समाजसेवा से जुड़ा कोई कार्य। पूरे जोश व आत्मविश्वास के साथ उस काम को करिए तथा धैर्य के साथ सफलता पाने के लिए प्रयास करते रहिए। अंत में इन पंक्तियों से अपनी बात समाप्त करना चाहूंगी : साधना में धैर्य रखना बड़ी बात है, बीज बोकर कितनी प्रतीक्षा करनी होती है, एक दिन प्रतीक्षा प्राप्ति में बदलती है, बीज फटकर पौधे के रूप में आ जाते हैं भूमि से बाहर।

क्यों 'दरियाई' हुआ यह 'घोड़ा'?

विज्ञान दरियाई घोड़े को व्हेल का रिश्तेदार बताता है लेकिन जनश्रुतियों में उसकी उत्पत्ति और पानी-प्रेम को लेकर अधिक दिलचस्प कहानियां गढ़ी गई हैं...।

पिछले दिनों बड़ी दिलचस्प खबर आई थी कि कैसे एक दरियाई घोड़े ने एक वाइल्डबीस्ट (अफ्रीकी बारहसिंघा) को मगरमच्छ से बचाने की भरसक कोशिश की। इससे पहले भी कभी जमीन पर, तो कभी पानी में रहने वाले इस भारी-भरकम प्राणी द्वारा ऐसा ही व्यवहार किए जाने और कभी हिरण तो कभी किसी और प्राणी को बचाने के चित्र तथा वीडियो देखने में आए थे।

किसी प्राणी द्वारा स्वयं की अथवा अपने बच्चों की रक्षा के लिए आगे आना तो आम बात है। किसी पालतू पशु द्वारा अपने मालिक या उसके परिजनों को बचाने के लिए जान पर खेल जाना भी देखा गया है। मगर किसी दूसरी प्रजाति के, खुद से असंबद्ध सदस्य को खतरे में देख उसकी रक्षा के लिए आगे आना दरियाई घोड़े का विलक्षण बर्ताव है।

भारी, तगड़ा, लगभग बाल-रहित शरीर, छोटी-छोटी टांगें और कुछ बेढंगे-से आकार का सिरः दरियाई घोड़ा जीव-जगत में अपनी अलग पहचान रखता है। विज्ञान कहता है कि दरियाई घोड़ा व्हेल का रिश्तेदार है और आज से करीब साढ़े पांच-छह करोड़ साल पहले के इन दोनों के पूर्वज एक ही हैं। इधर जनश्रुतियों में दरियाई घोड़े की उत्पत्ति और उसके पानी-प्रेम को लेकर अधिक कल्पनाशील कहानियां सुनाई जाती हैं।

अफ्रीका की एक जनजाति का मानना है कि जब ईश्वर ने सृष्टि की रचना की और वे सारे प्राणियों को उनके गुण और काम का आवंटन कर रहे थे, तो दरियाई घोड़े ने पानी में रहने की जिद पकड़ ली। पहले तो ईश्वर ने साफ मना कर दिया। वे दरियाई घोड़े को बड़ा-सा पेट (और मुंह) दे चुके थे, उन्हें डर था कि अगर इसे पानी में रहने दिया, तो यह सारी मछलियां खा जाएगा! जब वह बहुत गिड़गिड़ाया, तो उसे इस शर्त पर पानी में रहने की अनुमति दी गई कि वह सिर्फ घास खाएगा।

एक अन्य अफ्रीकी जनजाति कहती है कि पानी के साथ दरियाई घोड़े का रिश्ता मजबूरी में जन्मा। एक समय उसके खूब लंबे, घने बाल हुआ करते थे। एक बार खरगोश ने ईर्ष्यावश उसके बालों को आग लगा दी। खुद को बचाने के लिए दरियाई घोड़ा पास ही की एक झील में कूद गया पर तब तक उसके लगभग सारे बाल जल चुके थे। अपने इस बाल-रहित रूप पर उसे इतनी शर्मिंदगी हुई कि वह पानी से बाहर आने को तैयार ही न हुआ।

उधर नाइजीरिया में दरियाई घोड़े के पानी में रहने के पीछे एक अलग ही कारण बताया जाता है। कहते हैं कि कई सौ साल पहले इसांतिम नामक एक दरियाई घोड़ा जंगल पर राज करता था। उसकी सात पत्नियां थीं। वह बड़ा उदार था और जब-तब अपनी प्रजा के लिए बढ़िया दावत का आयोजन करता था। मगर एक अजीब बात यह थी कि उसकी पत्नियों के अलावा किसी को उसका नाम नहीं पता था! एक बार ऐसी ही एक दावत के मौके पर इसांतिम को शरारत सूझी।

जैसे ही सारे मेहमान भोजन करने के लिए बैठने लगे, उसने ऐलान कर दिया, 'आप मेरे यहां खाना खाने तो आ गए लेकिन क्या आप लोगों को मेरा नाम मालूम है? जिनको मेरा नाम नहीं मालूम, वे बिना भोजन किए वापस जा सकते हैं...।₹ सारे मेहमान सकते में आ गए क्योंकि नाम तो कोई नहीं जानता था। सब एक-एक कर भूखे पेट ही रवाना होने लगे। मगर कछुए ने जाने से पहले राजा को चुनौती दी,'अगर अगली दावत के दिन मैं आपको आपका नाम बता दूं, तो आप क्या करेंगे?₹ दरिया घोड़ा बोला, 'ऐसा हुआ, तो मुझे इतनी शर्मिंदगी होगी कि मैं अपने परिवार सहित जमीन छोड़ पानी में रहने चला जाऊंगा।₹ कछुआ जानता था कि राजा रोज सुबह अपनी पत्नियों के साथ नदी पर नहाने और पानी पीने जाता था। वह आगे-आगे चलता और पत्नियां पीछे-पीछे। एक सुबह कछुए ने नदी की ओर जाने वाले रास्ते में एक जगह गड्ढा बना दिया और पास ही जाकर छुप गया। राजा के वहां से गुजरने के बाद, उसकी पत्नियां पहुंचें, इससे पहले कछुआ जाकर उस गड्ढे में ऐसे छुप गया, कि उसके खोल का कुछ हिस्सा जमीन से ऊपर रहे। जब राजा की पत्नियों में से एक वहां से निकली, तो उसे कछुए के खोल की ठोकर लगी और वह अपने पति को पुकार उठी, 'ओह इसांतिम! देखो न, मुझे चोट लग गई!₹ कछुआ खुश हो उठा। उसे राजा का नाम जो पता चल गया था!